| | | |
|---|---|---|
| सेंसेक्स | ~ | 81,361.87 |
| निफ्टी | ~ | 24,793.25 |
| सोना | ~ | 1,01,080 |
| चांदी | ~ | 1,12,000 |
| डॉलर | ~ | 86.81 |

# बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

PMG

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
शुक्रवार 20 जून 2025
आषाढ़ कृष्ण 09 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 265
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00


## खास खबर

### टाइप-8 बंगले में शिफ्ट हुए राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का गुरूवार को 55वां जन्मदिन था। इसी दिन राहुल ने सुनहरी बाग रोड में बने टाइप-8 बंगले में शिफ्ट हुए हैं। यह बंगला उन्हें लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष होने के नाते आवंटित किया गया है। संसदीय आवास समिति ने उन्हें 5 सुनहरी बाग रोड, 7 मोतीलाल नेहरू मार्ग और 3 कृष्णा मेनन मार्ग बंगले का ऑप्शन दिया था। इसमें से राहुल ने सुनहरी बाग को चुना। इससे पहले राहुल, सोनिया गांधी के साथ 10 जनपथ में रहते थे। 2023 में उन्होंने 12 तुगलक लेन का बंगला खाली किया था। जो 19 साल उनके पास था। लेकिन सांसदी जाने के बाद बंगला खाली करना पड़ा।

### आईआईटी दिल्ली भारत का नंबर-1 शैक्षणिक संस्थान बनकर उभरा

नई दिल्ली। आईआईटी दिल्ली ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व के शीर्ष 125 उच्च शिक्षण संस्थाओं में स्थान हासिल किया है। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 रैंकिंग के अनुसार, आईआईटी दिल्ली भारत का नंबर-1 शैक्षणिक संस्थान बनकर उभरा है। यह रैंकिंग गुरुवार को जारी की गई है। इस बार आईआईटी दिल्ली की वैश्विक रैंकिंग में उल्लेखनीय उछाल देखा गया है, जो पिछले वर्ष की 150वीं रैंक से बढ़कर इस वर्ष 123वीं रैंक पर पहुंच गई है। यह आईआईटी दिल्ली द्वारा अब तक प्राप्त की गई सबसे ऊंची क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग है। आईआईटी दिल्ली की रैंकिंग में इस सफलता पर संस्थान की रैंकिंग सेल के प्रमुख और योजना संकायाध्यक्ष प्रोफेसर विवेक बुवा ने कहा, यह आईआईटी दिल्ली के लिए गर्व का क्षण है।

### दो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली। दिल्ली से लेह जा रही इंडिगो फ्लाइट 6ई 2006 तकनीकी खराबी के कारण गुरुवार सुबह वापस दिल्ली लौट आई। फ्लाइट में क्रू मेंबर्स सहित 180 लोग सवार थे। इसके अलावा स्पाइसजेट फ्लाइट एसजी 2696 भी उड़ान भरने के 10 मिनट बाद वापस लौट गई। ये फ्लाइट हैदराबाद से तिरुपति जा रही थी। फ्लाइट में कुल 80 यात्री सवार थे। एयरलाइंस ने बताया कि, टेकऑफ के बाद पायलट को संकेत मिला कि विमान के पिछले दरवाजे में कुछ दिक्कत है। जिसके बाद फ्लाइट वापस एयरपोर्ट आ गई। इससे पहले बुधवार को एअर इंडिया की 3 फ्लाइट कैंसिल की गईं थीं। इनमें दिल्ली-बाली, टोरंटो-दिल्ली और दुबई-दिल्ली वाली उड़ानें शामिल थीं।

### तिरुपति के लिए उड़ी फ्लाइट, तकनीकी खराबी के कारण वापस लौटी

हैदराबाद। हैदराबाद से तिरुपति जा रही स्पाइसजेट की फ्लाइट को तकनीकी खराबी के कारण उड़ान भरने के 10 मिनट बाद ही वापस लौट आई। 80 यात्रियों को लेकर फ्लाइट ने सुबह 6.10 बजे राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से तिरुपति के लिए उड़ान भरी थी। हालांकि, कुछ ही मिनटों बाद पायलट को तकनीकी खराबी का पता चला। इसके बाद पायलट ने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क कर एयरपोर्ट पर वापस लौटने की अनुमति मांगी। विमान को सुरक्षित तरीके से हवाई अड्डे पर उतारा गया। एयरलाइन यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था कर रही थी।

# अहमदाबाद प्लेन क्रैश के ब्लैक बॉक्स की जांच अब अमेरिका में होगी

## दुर्घटना में ब्लैक बॉक्स बुरी तरह क्षतिग्रस्त, डाटा निकालना मुश्किल

अहमदाबाद। अहमदाबाद विमान हादसे में ब्लैक बॉक्स मिलने के बाद उम्मीद की जा रही थी कि हादसे के ठीक कारणों का पता चल जाएगा, लेकिन अब ऐसा होता नहीं दिख रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विमान हादसा इतना भयानक था कि विमान का ब्लैक बॉक्स भी क्षतिग्रस्त हो गया है। ऐसे में इससे डाटा निकालना मुश्किल है। अब इस ब्लैक बॉक्स को अमेरिका भेजने की तैयारी की जा रही है।

बताया जा रहा है कि अहमदाबाद विमान हादसे में बरामद ब्लैक बॉक्स का डाटा रिकवर करने अमेरिका भेजा जाएगा। इस मामले पर भारत सरकार की तरफ से जल्द ही फैसला लिया जाएगा। वाशिंगटन डीसी का नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड इसकी जांच करेगा। इस ब्लैक बॉक्स के साथ एक भारतीय दल भी भेजा जाएगा, जो जांच के दौरान सभी प्रोटोकॉल की निगरानी करेगा।

ब्लैक बॉक्स अपने आप में दो डिवाइस होता है। इसमें कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर और फ्लाइट डाटा रिकॉर्डर होता है। इसमें सीवीआर और एफडीआर लगा होता है जो उड़ान के दौरान सारी जानकारियां इकट्ठा करता रहता है। ये एक ऐसा उपकरण होता है, जो किसी विमान, हेलीकॉप्टर में लगाया जाता है। उड़ान के दौरान ये डिवाइस अहम जानकारी इकट्ठा करता है। जब कोई विमान दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है, तो ब्लैक बॉक्स की मदद से ही पता लगाया जाता है यह बहुत मजबूत और आग प्रतिरोधी होता है।

बता दें बीते गुरुवार को अहमदाबाद में एयर इंडिया का विमान क्रैश हो गया था। यह विमान अहमदाबाद से लंदन जा रहा था, उड़ान भरने के चंद सेकंडों में यह क्रैश हो गया और आग गोला बनकर कई जिंदगियां लील गया। इस हादसे में विमान में मौजूद 242 लोगों में से 241 की मौत हो गई थी। इसके अलावा जिस बिल्डिंग से विमान टकराया, उसके आसपास मौजूद कई लोगों की मौत हो गई थी।

### अब एयरपोर्ट के आसपास ऊंची इमारतों पर होगी कार्रवाई

अहमदाबाद एयर इंडिया विमान दुर्घटना के बाद नागरिक उड्डयन मंत्रालय (डीजीसीए) ने एक अहम कदम उठाया है। मंत्रालय ने विमान सुरक्षा में जोखिम पैदा करने वाली भौतिक संरचनाओं पर नियंत्रण को कड़ा करने के लिए नए मसौदे और नियम जारी किए हैं। बता दें 12 जून को अहमदाबाद से लंदन का रहा विमान उड़ान भरते ही कुछ दूरी पर जाकर विमान बीजे मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल से टकराया और उसमें आग लग गई। इस दुर्घटना में विमान में सवार 242 में से 241 लोगों की मौत हो गई थी। घटना के बाद अब केंद्र सरकार कड़े कदम उठा रही है।

नए मसौदा नियमों का नाम 'विमान अवरोधों को गिराने के नियम-2025' रखा गया है। ये नियम राजपत्र में प्रकाशित होते ही लागू हो जाएगा। इनका उद्देश्य एयरपोर्ट के आसपास के क्षेत्रों में ऊंचाई की सीमा से ज्यादा इमारतों और पेड़ों पर त्वरित कार्रवाई के लिए अधिकारियों को अधिकार देना है। इस पहल को विमान मार्गों में आने वाली रुकावटों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए एक सक्रिय कदम के रूप में देखा जा रहा है।

मसौदा नियमों के तहत यदि कोई इमारत तय ऊंचाई से ज्यादा है तो संबंधित क्षेत्र के प्रभारी अधिकारी की ओर से उसे नोटिस जारी किया जाएगा। संपत्ति मालिक को 60 दिनों के अंदर साइट प्लान और ढांचे की माप समेत अन्य विवरण प्रस्तुत करने होंगे। यदि ऐसा नहीं किया गया तो अधिकारियों को ढांचे को गिराने या ऊंचाई कम करने की कार्रवाई का अधिकार होगा।

यदि डीजीसीए या कोई अधिकृत अधिकारी किसी ढांचे को नियमों का उल्लंघन मानता है तो वो इसे हटाने या कम करने का आदेश जारी कर सकता है। मालिक को पालन करने के लिए 60 दिन का समय दिया जाएगा, जो उचित कारणों पर और 60 दिन तक बढ़ाया जा सकता है।

## मोदी सरकार ने 8वें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दी

नई दिल्ली, । केंद्र की मोदी सरकार ने 8वें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दे दी है। 8वां वेतन आयोग लागू होने के साथ ही देश के 1 करोड़ से ज्यादा केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स की सैलरी और पेंशन में बड़ा बदलाव होगा। संशोधित वेतन संरचना 1 जनवरी, 2026 से लागू होने की उम्मीद है। हालांकि, आयोग के गठन में देरी ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के बीच चिंता बढ़ा दी है। आयोग का एक प्रमुख फोकस फिटमेंट फैक्टर होगा। जबकि 7वें वेतन आयोग ने कारक को 2.57 पर सेट किया था, इस 8वें वेतन आयोग के तहत बढ़ाकर 2.86 किए जाने की संभावना है।

अगर फिटमेंट फैक्टर में 2.57 से बढ़कर 2.86 होगा तब समायोजन संभावित रूप से न्यूनतम मूल वेतन 18,000 रुपये से करीब 51,480 रुपये तक बढ़ा सकता है। हालांकि, अंतिम निर्णय आयोग के नवनियुक्त सदस्यों पर निर्भर रहेगा।

### भत्तों और योगदानों पर प्रभाव

आधार वेतन समायोजन के अलावा, हाउस रेंट अलाउंस (एचआरए) और ट्रैवल अलाउंस (टीए) जैसे भत्तों में भी कर्मचारी पोस्टिंग और यात्रा आवश्यकताओं के आधार पर अपडेट देखने को मिल सकते हैं। नतीजतन, एक ही वेतन ग्रेड के दो कर्मचारियों की कुल आय उनके भत्ते के हक में भिन्नता के कारण अलग-अलग हो सकती है। इसके अलावा, राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) और केंद्र स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) में योगदान भी प्रभावित होगा। वर्तमान में, सरकारी कर्मचारी अपने मूल वेतन और महंगाई भत्ते (डीए) का 10 प्रतिशत एनपीएस में योगदान करते हैं, जिसमें सरकार 14 प्रतिशत योगदान देती है। वेतन संशोधन के बाद, ये योगदान तदनुसार बढ़ जाएगा। सीजीएचएस के लिए सदस्यता दरें वेतन स्लैब से जुड़ी हुई हैं, इस प्रकार, मूल वेतन में वृद्धि के परिणामस्वरूप सीजीएचएस शुल्क में भी वृद्धि होगी।

### वेतन ग्रेड में अनुमानित वेतन बढ़ोतरी

उदाहरण के लिए-

ग्रेड 2000 (स्तर 3)- मूल वेतन 57,456 रुपये तक बढ़ सकता है, जिसमें ग्रॉस मंथली वेतन 74,845 रुपये और शुद्ध टेक-होम वेतन करीब 68,849 रुपये तक पहुंच सकता है।

ग्रेड 4200 (स्तर 6)- 93,708 रुपये के अपेक्षित मूल वेतन के परिणामस्वरूप 1,19,798 रुपये का ग्रॉस वेतन हो सकता है, जिससे लगभग 1,09,977 रुपये का कुल मासिक वेतन हो सकता है।

ग्रेड 5400 (स्तर 9)- मूल वेतन 1,40,220 रुपये तक बढ़ सकता है, जिसमें ग्रॉस वेतन 1,81,073 रुपये और कुल टेक-होम वेतन करीब 1,66,401 रुपये हो सकता है।

## मैं कांग्रेस पार्टी का सदस्य हूं। पार्टी को तय करने दीजिए कि वह मेरे बारे में क्या सोचती है - शशि थरूर

नई दिल्ली। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्य शशि थरूर ने स्वीकार किया है कि पार्टी नेतृत्व में कुछ नेताओं से उनके मतभेद हैं। लेकिन नीलांबुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के मद्देनजर वह इस बारे में बात नहीं करेंगे। थरूर ने कहा कि कांग्रेस, उसके मूल्य और उसके कार्यकर्ता उन्हें बहुत प्रिय हैं।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद, नरेन्द्र मोदी सरकार के रुख का समर्थन करने के कारण थरूर कुछ पार्टी सहयोगियों के निशाने पर रहे हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि उन्होंने 16 वर्ष तक पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ निकटता से काम किया है और वह उन्हें अपना करीबी मित्र एवं भाई मानते हैं।

थरूर ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व में कुछ लोगों से मेरी राय अलग है। आप जानते हैं कि मैं किस बारे में बात कर रहा हूं, क्योंकि उनमें से कुछ मुद्दे सार्वजनिक हैं और आपने (मीडिया ने) इस बारे में खबरें दी हैं। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि उनके मतभेद राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ हैं या प्रदेश नेतृत्व के साथ। तिरुवनंतपुरम से लोकसभा सदस्य ने संकेत दिया कि वह उपचुनाव के नतीजों के बाद उन मतभेदों के बारे में बात कर सकते हैं। थरूर की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब पार्टी के एक नेता द्वारा उन्हें "भाजपा का सुपर प्रवक्ता बताये जाने के बाद कांग्रेस ने सार्वजनिक रूप से उनका समर्थन नहीं किया। पूर्व कांग्रेस सांसद उदित राज ने थरूर को भाजपा का "सुपर प्रवक्ता करार दिया था क्योंकि सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के तहत विदेश दौरे पर गए तिरुवनंतपुरम से सांसद ने कथित तौर पर कहा था कि भारत ने पहली बार 2015 में नियंत्रण रेखा पार की थी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए थरूर ने बृहस्पतिवार को इसे "गलत धारणा करार दिया।

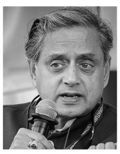

थरूर ने यह भी कहा कि उन्होंने इस विषय पर बहस में न पड़ने का फैसला किया क्योंकि वह प्रतिनिधिमंडल के दौरे में बहुत व्यस्त थे और वह उन बयानों पर प्रतिक्रिया नहीं देना चाहते जो उनके द्वारा कही गई बातों को समझे बिना दिये गए हैं।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह पार्टी छोड़ने जा रहे हैं, उन्होंने कहा कि वह "कहीं नहीं जा रहे हैं। मैं कांग्रेस पार्टी का सदस्य हूं। पार्टी को तय करने दीजिए कि वह मेरे बारे में क्या सोचती है। उनसे जब पूछा गया कि वह उपचुनाव के लिए प्रचार अभियान का हिस्सा क्यों नहीं थे, तो थरूर ने कहा कि उन्हें इसके लिए आमंत्रित नहीं किया गया था, जबकि पिछले साल वायनाड में हुए उपचुनाव सहित अन्य उपचुनावों के दौरान आमंत्रित किया जाता रहा है।

उन्होंने कहा, "मैं वहां नहीं जाता, जहां मुझे आमंत्रित नहीं किया गया हो। उन्होंने साथ ही कहा कि वह चाहते हैं कि पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रचार अभियान के प्रयास सफल हों और नीलांबुर से संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) उम्मीदवार की जीत हो।

उन्होंने प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के केंद्र के न्योते को स्वीकार करने के अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा कि जब वह संसद की विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष बने थे, तब उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया था कि उनका ध्यान भारत की विदेश नीति एवं उसके राष्ट्रीय हित पर है, न कि कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विदेश नीति पर।

## केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने क्यों कहा, अंग्रेजी बोलने वालों को जल्द ही शर्म आएगी

नई दिल्ली। भाषा विवाद के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक और मोर्चा खोलकर कहा कि देश में अंग्रेजी बोलने वालों को जल्द ही शर्म आएगी। एक कार्यक्रम में गृह मंत्री ने कहा कि देशी भाषाएं भारत की पहचान के लिए केंद्रीय हैं और उन्हें विदेशी भाषाओं पर प्रमुखता मिलनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि इस देश में अंग्रेजी बोलने वालों को जल्द ही शर्म आएगी, इसतरह के समाज का निर्माण अब दूर नहीं है। मेरा मानना ??है कि अपनी भाषाओं के बिना हम सच्चे भारतीय नहीं रह सकते।

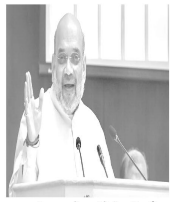

शाह ने कहा कि जब देश का कालखंड घनघोर अंधेरी रात्रि जैसा था, तब भी भक्ति साहित्य ने हमारे धर्म, स्वतंत्रता और संस्कृति के दीयों को जलाकर रखा था... साहित्य एक प्रकार से हमारे समाज की आत्मा है... आज हम सभी को देश में परिवर्तन दिख रहा है... मुझे विश्वास है कि 2047 तक यह यात्रा निश्चित रूप से हमारे सभी प्रकार के खोए हुए गौरव और समाज को वापस दिलाने का काम करेगी।

उन्होंने भारत की भाषाई विरासत को पुन: प्राप्त करने के लिए पूरे देश में नए सिरे से प्रयास करने का आह्वान किया। शाह ने भविष्यवाणी की कि दुनिया भर में अंग्रेजी को औपनिवेशिक गुलामी के प्रतीक के रूप में देखा जाएगा। उन्होंने कहा, हमारे देश, हमारी संस्कृति, हमारे इतिहास और हमारे धर्म को समझने के लिए कोई भी विदेशी भाषा पर्याप्त नहीं हो सकती।

## महाराष्ट्र में स्कूलों में तीसरी भाषा के रूप में हिंदी अनिवार्य

मुंबई । महाराष्ट्र में भाषा पर विवाद के बीच राज्य सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। राज्य में कक्षा 1 से 5 तक मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में तीसरी भाषा के रूप में हिंदी अनिवार्य होगी। आज बुधवार को महाराष्ट्र सरकार ने आधिकारिक तौर पर आदेश जारी किया है।

सरकार ने साफ किया कि हिंदी तृतीय भाषा के रूप में सामान्य रूप से अध्ययन के लिए लागू की जाएगी। सरकार ने आदेश में कहा, सभी माध्यमों के स्कूलों में मराठी अनिवार्य भाषा होगी। इस कार्यान्वयन की सभी व्यवस्थाएं शिक्षा विभाग की तरफ से की जाएंगी। मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में कक्षा 1 से 5 तक के लिए हिंदी अब से तीसरी भाषा होगी।

हालांकि, यदि ये छात्र हिंदी के बजाय किसी अन्य भारतीय भाषा को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाने की इच्छा व्यक्त करते हैं तो उन छात्रों को उस भाषा को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाने की अनुमति दी जाएगी। स्कूल में छात्र हिंदी के बजाय अन्य भाषाओं को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाने की इच्छा व्यक्त करते हैं, तो उनकी कक्षा में कम से कम संख्या 20 होनी चाहिए।

## नीट पेपर लीक मामले में ईडी ने रांची और पटना में कई ठिकानों पर मारे छापे

पटना। साल 2024 के नीट पेपर लीक से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने गुरुवार सुबह रांची के बरियातू, बिहार के पटना, और नालंदा में कई ठिकानों पर छापे मारे। जानकारी के मुताबिक पेपर लीक के मास्टरमाइंड संजीव मुखिया उसके कई रिश्तेदार और करीबी इस मामले में ईडी के निशाने पर हैं। पेपर लीक मामले में चल रही सीबीआई जांच में बड़े पैमाने पर लेनदेन का मामला उजागर होने के बाद ईडी ने इसी आईआर दर्ज कर मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की है।

मई 2024 में मेडिकल के यूजी कोर्स में दाखिले के लिए आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश (नीट) परीक्षा के बाद पेपर लीक की खबरें सामने आने के बाद इस मामले की जांच सबसे पहले पटना की आर्थिक अपराध इकाई ने शुरू की थी। बाद में यह मामला सीबीआई को सौंप दिया था। जांच में इस मामले के मास्टरमाइंड के रूप में संजीव मुखिया का नाम सामने आया था, जिसे 24-25 अप्रैल को गिरफ्तार किया था। वह फिलहाल जेल में बंद है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईडी ने गुरुवार को रांची में संजीव मुखिया के करीबी सिकंदर प्रसाद यादवेंद्र और पटना में उसके बेटे डॉ. शिव के ठिकानों पर छापे मारे। इस पेपर लीक में सीबीआई ने पिछले साल झारखंड के हजारीबाग से ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल एवं एनटीए के सिटी कोऑर्डिनेटर एहसान उल हक, वाइस प्रिंसिपल मो. इम्तियाज, एक दैनिक अखबार के पत्रकार जमालुद्दीन और एक गेस्ट हाउस के संचालक राजकुमार उर्फ राजू को गिरफ्तार किया था।

सीबीआई की जांच में इसके पुख्ता सबूत सामने आए हैं कि नीट-यूजी के पेपर हजारीबाग स्थित ओएसिस स्कूल स्थित सेंटर से लीक किए गए थे।

## मुंबई हवाई अड्डे पर 24 करोड़ का गांजा जब्त, तीन गिरफ्तार

मुंबई। भारत में पिछले कुछ महीनों से गांजे की बिक्री बढ़ रही है। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कस्टम विभाग ने 24 किलो 96 ग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त किया है। बताया गया है कि गांजा थाईलैंड से तस्करी कर लाया गया था और दो यात्रियों और गांजा खरीदने वाले व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया गया है। कस्टम विभाग ने जानकारी दी है कि इस गांजे की कीमत 24 करोड़ 66 लाख रुपये है। मुंबई एयरपोर्ट पर पहुंचे दो यात्रियों को कस्टम अधिकारियों ने रोका और उनके सामान की जांच की। उनके सामान में हरे पत्ते मिले और पता चला कि यह हाइड्रोपोनिक गांजा है। इस बीच, गांजा खरीदने आए व्यक्ति को हिरासत में लिया गया। गिरफ्तार किए गए तीनों लोगों के खिलाफ नारकोटिक्स कंट्रोल एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह मामला अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करों के गिरोह से जुड़ा है। दरअसल भारत में पर्यटन के नाम पर कई यात्री आते हैं, जिसके कारण गांजे की बिक्री बड़े पैमाने पर होती है। कस्टम विभाग के अनुसार दक्षिण अमेरिका में बड़े पैमाने पर गांजे का उत्पादन होता है। पिछले छह महीनों में 100 करोड़ से अधिक का गांजा जब्त किया गया है। बैंकॉक के रास्ते भारत में गांजे की तस्करी की जाती है।

### प्रियांक को अमेरिका जाने की केंद्र ने नहीं दी अनुमति, अब विवाद हुआ खड़ा, मंत्री खड़गे बोले-

## बेंगलुरु लौटने पर केंद्र सरकार से मांगूंगा जवाब

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कर्नाटक के आईटी एवं बायोटेक्नोलॉजी मंत्री और कांग्रेस नेता प्रियांक खड़गे को अमेरिका जाने की इजाजत नहीं दी। इसको लेकर अब विवाद खड़ा हो गया है। प्रियांक खड़गे अमेरिका में टेक्नोलॉजी कॉन्फ्रेंस में भाग लेने वाले थे, लेकिन उन्हें अंतिम समय पर यात्रा की अनुमति नहीं मिली। एक्स पर एक पोस्ट में प्रियांक ने कहा कि वह फिलहाल इस विषय पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं करेंगे, लेकिन बेंगलुरु लौटने के बाद केंद्र सरकार से इस फैसले पर स्पष्टीकरण मांगेंगे। उन्होंने लिखा- मैं अभी इस मुद्दे पर कोई सार्वजनिक बयान देने से बच रहा हूं। भारत सरकार से अनुमति न देने का स्पष्ट कारण पूछूंगा। प्रियांक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वह 11 जून से फ्रांस में हैं, जहां उन्होंने वीवा टेक 2025 और पेरिस एयर शो जैसे आयोजनों में भाग लिया। इसके बाद उनका कार्यक्रम अमेरिका जाने का था, जहां वह पहले बीआईओ इंटरनेशनल कन्वेंशन में और फिर डिजाइन ऑटोमेशन कॉन्फ्रेंस में भाग लेने वाले थे। बीआईटो सम्मेलन दुनिया का सबसे बड़ा बायोटेक इवेंट माना जाता है। मीडिया रिपोर्ट में प्रियांक खड़गे के कार्यालय के सूत्रों के मुताबिक उन्होंने अमेरिका यात्रा के लिए केंद्र सरकार से अनुमति मांगी थी। पहले तो इस पर विलंब हुआ और फिर अंतिम समय पर अनुमति देने से इनकार कर दिया। हालांकि राज्य सरकार के अधिकारी जो उनके साथ यात्रा कर रहे थे, उन्हें अमेरिका जाने की अनुमति दे दी गई है। माना जा रहा है कि प्रियांक खड़गे गुरुवार को बेंगलुरु लौट रहे हैं, जिसके बाद वह इस मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार से औपचारिक तौर पर स्पष्टीकरण मांग सकते हैं।

# जस्टिस यशवंत वर्मा का इस्तीफे से इंकार

## दो महत्वपूर्ण सबूत, जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने के लिए काफी

नई दिल्ली। बीते मार्च में अपने आवास के स्टोर रूम से बड़ी मात्रा में अधजले नोट मिलने के बाद विवादों में घिरे जस्टिस यशवंत वर्मा की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। 22 मार्च 2025 को सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित तीन दिवसीय जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में साफ कर दिया हैं कि स्टोर रूम पर जस्टिस वर्मा के परिवार की पूरी निगरानी थी और वहां किसी को भी जाने की इजाजत नहीं थी। इन तथ्यों को देखकर समिति ने दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व न्यायधीश जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की मांग की है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त पैनल ने 55 गवाहों से पूछताछ की है। वहीं जांच के बाद जस्टिस वर्मा का बयान भी दर्ज हुआ है। जिसके बाद समिति ने गुरुवार सुबह 64 पन्नों की रिपोर्ट पेश की। समिति की रिपोर्ट में दो प्रमुख खुलासे हुए हैं, जो जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की इसकी सिफारिश का आधार बनाते हैं। रिपोर्ट में बताया गया हैं कि हमने पाया कि जिस स्टोररूम में नकद राशि मिली थी, वह आधिकारिक तौर पर जस्टिस वर्मा के कब्जे में थी। दूसरे प्वाइंट में कहा गया, स्टोर रूम तक न्यायमूर्ति वर्मा और उनके परिवार के सदस्यों की पहुंच थी और वहां किसी को भी बिना इजाजत जाने की अनुमति नहीं थी। इन निष्कर्षों को देखकर पैनल ने कहा है कि न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही शुरू करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं।

बता दें कि मार्च में जस्टिस वर्मा के सरकारी आवास में आग लगने कर बाद वहां बड़ी मात्रा में नोटों की गड्डियां मिली थीं। आरोपों के बाद उन्हें इलाहाबाद हाई कोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया था। हालांकि उन्हें कोई भी न्यायिक कार्य नहीं सौंपा गया है।

### जस्टिस यशवंत वर्मा का इस्तीफे से इंकार

वहीं वर्मा ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज कर दिया है। जस्टिस वर्मा ने इस्तीफा देने से इंकार कर स्टोररूम से बरामद जली हुई नकदी से किसी भी तरह का संबंध होने से मना किया है। उन्होंने कहा है कि उनके और उनके परिवार के किसी सदस्य ने स्टोररूम में पैसे नहीं रखे थे।

# बिरसा के झामुल गांव में अभी भी चल रही छुआछूत की परंपरा

## समाज को किया गया हैं बहिष्कृत, अनुसूचित जाति के ग्रामीण ने पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन, पुलिस ने 18 लोगों पर किया मामला दर्ज

**बालाघाट( पद्मेश न्यूज )। बिरसा क्षेत्र के ग्राम झामुल के एक अनुसूचित जाति के ग्रामीण ने जिला मुख्यालय पहुंचकर पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन दिया है। जहां उन्होंने बताया कि उनके ग्राम के कुछ लोग उनसे अनुसूचित जाति का होने के कारण वर्षो से छुआछूत की परंपरा चलाते आ रहे हैं । उनके घरों में कोई भी सामाजिक कार्यक्रमों में कोई आता जाता नहीं है। यदि अनुसूचित जाति के लोग को दूसरे समाज के कोई व्यक्ति अपने घर वैवाहिक कार्यक्रम में बुलाता हैं तो अन्य समाज के लोगों बोलने वाले परिवार को भी अपने समाज से बहिष्कृत कर देते हैं। ग्राम में अनुसूचित जाति की जा रही अंतिम यात्रा को अन्य समाज के व्यक्ति ने कंधा दिया तो उसे भी समाज से बहिष्कृत कर दिया गया। अनुसूचित जाति के लोगो से छुआछूत की परंपरा कई वर्षो से ग्राम में चली आ रही है। इसी परंपरा को समाप्त करने जामुल के ग्रामीण ने अपने सामाजिक बन्दुओं के साथ जिला मुख्यालय पहुंचकर ज्ञापन दिया है । इस मामले में बताया जा रहा है कि पुलिस में शिकायत करने पर पुलिस ने लगभग 18 लोगों पर मामला दर्ज किया है । किंतु आवेदक का कहना है कि जिन धाराओं के तहत पुलिस ने कार्रवाई की है उसमें छुआछूत अंतर्गत लगने वाली धारा पुलिस ने सम्मिलित नहीं की है।**

आपको बता दे कि भले ही आज छुआछूत जैसी कोई परंपरा नही हो लेकिन जिले के बिरसा थाना क्षेत्र अंतर्गत झामुल गांव में आज भी अनुसूचित जाति के लोगों को छुआछूत का सामना करना पड़ रहा है। जिससे परेशान अनुसूचित जाति के लोगों ने, गुरूवार 19 जून को मुख्यालय पहुंचकर एसपी कार्यालय में शिकायत की और छुआछूत जैसी विकृति पर गांव में अंकुश लगाने तथा समाज से बहिष्कृत करने वालों पर कार्यवाही की मांग की। बताया जाता है कि सालों से ग्राम झामुल में अनुसूचित जाति के लोगों से छुआछूत की तरह व्यवहार किया जा रहा है। यही नहीं अनुसूचित जाति के लोगों का सहयोग करने वाले और उनसे अपनापन दिखाने वालों को भी सामाजिक रूप से बहिष्कृत किया जा रहा है। गांव में छुआछूत से प्रताड़ित अनुसूचित जाति के सुरेन्द्र मेश्राम की लिखित शिकायत पर बिरसा पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किए जाने पर एससी समाज में नाराजगी है। जिसके चलते गुरूवार को एससी समाज की लड़ाई लड़ रहे सामाजिक संगठनो ने एसपी कार्यालय में इसकी शिकायत की। उन्होंने बताया कि आज छुआछूत की इस परंपरा से वह बहुत अधिक परेशान है। गांव में उनके साथ अन्य समाज के लोग बात नहीं करते , उन्हें किसी भी शादी समारोह जैसे कार्यक्रम में नहीं बुलाते और ना ही उनके घरों में कोई अन्य समाज का शादी समारोह जैसे कार्यक्रम में कोई नहीं आता। इससे वह आज बहुत अधिक परेशान है। जबकि उनके समाज के लोगों की गांव में कोई अन्य वर्ग का बाल ,दाढ़ी तक नहीं काटता है । इतना ज्यादा उनके गांव में छुआछूत और समाज बहिष्कृत जैसी घटनाएं चली आ रही है। वह चाहते हैं कि गांव में इस प्रकार की विकृति फैलाने वाले लोगों पर पुलिस कड़ी से कड़ी कार्रवाई करें।

### गाँव में 25 परिवार से छुआछूत की तरह व्यवहार करते है - सुरेन्द्र मेश्राम

अनुसूचित जाति से आने वाले सुरेन्द्र मेश्राम बताते है कि गांव में लगभग 25 परिवार है, जिनसे अन्य जाति के लोग, छुआछूत की तरह व्यवहार करते है, हालत यह है कि अनुसूचित जाति के लोगों की खेतो में कोई काम करने नहीं आते है और गांव का नाई बाल तक नहीं काटता है। हालत यह है कि अनुसूचित जाति से संबंध करने वाले लोगों को भी समाज से बहिष्कृत किया जा रहा है। यह आज से नहीं बल्कि वर्षो से चला आ रहा है कि गांव का एक अन्य वर्ग उनके साथ छुआछूत जैसी परंपरा को आज भी अपनाएं हुए हैं । यदि उनके घरों में अन्य समाज का कोई व्यक्ति आ जाता है तो गांव के ही व्यक्ति उसे भी समाज से बहिष्कृत कर देते हैं। जिस पर उन्होंने पुलिस में भी शिकायत की है किंतु पुलिस द्वारा छुआछूत जैसी धाराओं के अनुसार कोई कार्रवाई नहीं की गई है ।

### अंत्येष्टी में शामिल होने पर समाज से बहिष्कृत कर दिया गया - देवीलाल

देवीलाल पांचे बताते है कि परिवार के विवाह समारोह में अनुसूचित जाति के लोगों को बुलाया और एक अनुसूचित जाति की अंत्येष्टी में शामिल होने पर मुझे, समाज से बहिष्कृत कर दिया गया। समाज में मिलने के लिए उनसे पैसों की मांग की जा रही है। जबकि उनकी बेटी के शादी समारोह में भी अनुसूचित जाति के लोगों को बुलाने पर समाज ने उन्हें बहुत परेशान किया था। उन्होंने यह भी बताया कि वह अपने गांव के एक परिचित के यहां जब कार्यक्रम में गए थे, तो उन्हें देखकर अन्य गांव के ग्रामीण वहां से चले गए, उन्हें समाज में अपमानित भी होना पड़ता है। इसलिए वह चाहते हैं कि इस विषय पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए।

### शिकायत पर भी एससी, एसटी का मामला दर्ज किया जाए - आनंद

इस पूरे मामले में बिरसा पुलिस की कार्यप्रणाली पर एससी समाज के सामाजिक संगठन, ने आपत्ति ली है। संगठन प्रतिनिधि आनंद बाघमारे ने बताया कि सुरेन्द्र मेश्राम के साथ हो रहे छुआछूत की घटना पर लिखित शिकायत के बावजूद, बिरसा पुलिस ने, उसका सहयोग कर रहे देवीलाल पांचे की शिकायत पर मामला दर्ज किया है लेकिन सुरेन्द्र मेश्राम की शिकायत पर कोई कार्यवाही नहीं की गई। जिसका संगठन विरोध दर्ज करता है। बिरसा पुलिस ने झामुल गांव में देवीलाल पांचे को समाज से बहिष्कृत करने की शिकायत पर झामुल के 20 लोगों पर अपराध दर्ज कर जांच में लिया है। जबकि एससी समाज संगठन का कहना है कि सुरेन्द्र मेश्राम की शिकायत पर भी एससी, एसटी का मामला दर्ज किया जाए।

### विधिसम्मत कार्यवाही की जाएगी - रेवलसिंह बरडे

मामले में थाना प्रभारी रेवलसिंह बरडे ने बताया कि देवीलाल पांचे को समाज से बहिष्कृत कर उसे मारने पीटने की धमकी देने वालों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच में लिया गया है। यदि एससी समाज के किसी व्यक्ति के साथ भी ऐसा ही हो रहा है तो जांच के बाद विधिसम्मत कार्यवाही की जाएगी।

# जिले के बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर

## 23 जून से 8 जुलाई तक रोजगार मेले का हो रहा आयोजन

बालाघाट( पद्मेश न्यूज ) । कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन एवं जिला रोजगार अधिकारी श्रीमती प्रीति मर्सकोले के मार्गदर्शन में जिले में 23 जून से 8 जुलाई तक रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार कार्यालय से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि एसआईएस लिमिटेड सिक्योरिटी सर्विसेस परसवार जिला अनूपपुर से सुरक्षा जवान एवं सुपरवाइजर के चयन के लिए जिले की विभिन्न जनपद पंचायतों में 23 जून से 8 जुलाई तक रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इसमें शामिल होने के लिए उम्मीदवार की आयु 19 से 40 वर्ष के बीच तथा योग्यता 10वीं पास होना अनिवार्य है। रोजगार मेले का आयोजन कटंगी जनपद में 23 जून, वारासिवनी में 24 जून, खैरलांजी में 25 जून, लांजी में 26 जून, किरनापुर में 27 जून, बिरसा में 30 जून, बैहर में 3 जुलाई, परसवाड़ा में 4 जुलाई, लालबर्रा में 7 जुलाई और बालाघाट जनपद पंचायत में 8 जुलाई को आयोजित किया जाएगा।


**कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)**

रा.प्र.क्र. 0017/ड-154/2025-26
मौजा बल्हारपुर, रा.नि.मं. खमरिया

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका रेखाबाई पिता काशीनाथ जाति गारपगारी, निवासी ग्राम बल्हारपुर, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा बल्हारपुर, रा.नि.मं. खमरिया तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट में स्थित आवेदिका द्वारा अपनी माता सोनाबाई पति काशीनाथ का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2) म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12(2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 11.05.1921 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम बल्हारपुर के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 06.07.2025 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 19.06.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

**स्थान** - लालबर्रा
**दिनांक** - 20.06.2025

**के.एल. तेकाम**
**तहसीलदार**
**तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.**


# पिता द्वारा बेची गई जमीन पर बेटे ने अपने पुत्रों के साथ किया अवैध रूप से कब्जा

## जमीन खरीददार से की गई मारपीट रिपोर्ट करने धमकाया दी गई जान से मारने की धमकी, बिरसा पुलिस ने विजय राणा और उसके एक बेटे को किया गिरफ्तार-भेजे गए जेल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम टिंगा टोला में एक व्यक्ति ने अपने दो बेटों के साथ दबंगता दिखाते हुए अपने पिता

द्वारा बेची गई जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करते हुए जमीन के खरीददार अपने ही बड़े पिता को मारपीट कर दिए वहीं रिपोर्ट करने पर महिलाओं की वीडियो वायरल कर बदनाम करने और जान से मार डालने की धमकी दे दिये। यह घटना 16 जून को 2:00 बजे करीब सीमांकन के दौरान हुई। बिरसा पुलिस ने किरतलाल पिता लखाराम राणा 57 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके भतीजे विजय राणा और उसके दोनो पुत्र को गिरफ्तार कर लिए। जिनमे विजय राणा 43 वर्ष और एक पुत्र निलेश राणा 29 वर्ष को बैहर की अदालत में पेश कर दिए। जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भिजवा दिया गया है वही एक नाबालिक पुत्र को किशोर न्याय बोर्ड बालाघाट में पेश किया गया है। इस मामले का एक आरोपी मनोज राहंगडाले ग्राम करौंदा बहरा निवासी फरार है। इस मामले की विवेचना उप निरीक्षक शिवलाल परते द्वारा की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार किरतलाल राणा अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं जिनका भतीजा विजय राणा अपने परिवार के साथ रहता है। उसके परिवार में दो पुत्र दुर्गेश राणा और नीलेश राणा है। किरतलाल राणा और विजय राणा का खेत पास में है। सन 1980 में कीरत राणा ने विजय राणा के पिता यानी अपने भाई तीरत राणा से 62 डिसमिल जमीन खरीद कर रजिस्ट्री कराई थी। उसे जमीन को लेकर विजय राणा अपने दोनों पुत्रों के साथ मिलकर किरतलाल राणा से झगड़ा विवाद करते रहते हैं। विजय राणा किरतलाल राणा की खरीदी हुई जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर दो वर्षों से उसे जमीन पर फसल की बुवाई कर रहे हैं। इस वर्ष कीरत राणा ने विजय राणा को उसे जमीन पर खेती करने से मना कर दिया था। तभी विजय राणा ने कीरत राणा को जान से मारने की धमकी दे दिया और उसके खेत में ट्रैक्टर घुसा कर फसल की बुवाई कर लिया। 16 जून को उस विवादित जमीन का सीमांकन होना था। 2:00 बजे किरतलाल अपनी जमीन पर गया तभी विजय राणा अपने-अपने दोनों पुत्र दुर्गेश राणा और नीलेश राणा के साथ मिलकर कीरत राणा को अश्लील गालियां देते हुए बोले कि फर्जी तरीके से हमारी जमीन की रजिस्ट्री करा लिया है। अब तू इस जमीन पर जाकर दिखाओ, तुझे जिंदा नहीं छोड़ेंगे और तीनों ने मिलकर कीरत लाल राणा को हाथ बुक्को से मारपीट कर जमीन में पटक दिए। यह जमीन कीरत लाल राणा के नाम पर है जिसे सीमांकन उसमें तीन बार कर चुके हैं किंतु उसके भतीजे विजय राणा नहीं मान रहे हैं। और वे लोग कीरत राणा को धमकाते आ रहे हैं कि महिलाओं की वीडियो वायरल कर इज्जत खराब करने यहां तक की रिपोर्ट करने पर जांच से खत्म करने की धमकी देने लगे 17 जून को प्रात: 9:30 बजे जब कीरत राणा अपने खेत गया तभी इन लोगों ने उसके साथ झगड़ा किया और थाना में रिपोर्ट करने पर जान से मार डालने की धमकी दिए इस मामले में मनोज राहंगडाले करौंदा बहरा निवासी विजय राणा और उसके दोनों बेटों को कीरत राणा के खिलाफ भड़काकर झगड़ा विवाद करवाते रहता है। किरतलाल राणा द्वारा की गई रिपोर्ट पर बिरसा पुलिस थाने में विजय राणा उसके दोनों पुत्र और मनोज राहंगडाले के विरुद्ध 296,115(2), 351(3), 119(1), 329(3), 225, 49,3(5) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज किया गया। इस मामले की विवेचना कर रहा है उप निरीक्षक शिवलाल परते ने इस मामले में विजय पिता तीरथ राणा 43 वर्ष और उसके बेटे नितेश पिता विजय राणा 20 वर्ष को गिरफ्तार करके बैहर की अदालत में पेश कर दिए। जहां से दोनों पिता पिता पुत्र को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भिजवा दिया गया है वही इस मामले में गिरफ्तार विजय राणा के नाबालिक बेटे को किशोर न्याय बोर्ड बालाघाट में पेश किया गया जहां से उसे जमानत दे दी गई है इस मामले का एक आरोपी मनोज राहंगडाले ग्राम करौंदा बहरा निवासी फरार है। जिसकी तलाश की जा रही है।

# सांसद के अध्यक्षता में नगर में निर्माणाधीन आरओबी निर्माण कार्य की प्रगति के लिये महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न

## बारिश में यातायात सुचारू रखने के लिये सभी आवश्यक तैयारियों पर दिया जोर, सरेखा ब्रिज नगर को सुदंर दिखाए ऐसा कार्य प्रारंभ करें- सांसद श्रीमती पारधी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। सांसद श्रीमती भारती पारधी की अध्यक्षता में नगर में निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज कार्यों की प्रगति के लिये महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में आरओबी की निर्माण तथा बारिश के दौरान यातायात सुगमता से हो सके इसके लिये विभिन्न विकल्पों पर विस्तार से चर्चा करते हुए रेलवे और ब्रिज निगम को निर्देशित किया गया। बैठक के प्रारंभ में पीडब्ल्यूडी ब्रिज निगम के कार्यपालन यंत्री श्री जीपी पटले ने सरेखा आरओबी के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान यातायात बाधित न हो इसके लिये 30 जून से बैहर से कोसमी जाने वाले वाहनों के लिये आंशिक रूप से प्रारंभ किया जायेगा। इसके साथ ही नीचे सर्विस रोड बनाने का कार्य किया जायेगा। इसके अलावा इस दौरान ब्रिज पर हनुमान चौक की ओर जाने वाली भुजा पर वियरिंग कोड का कार्य होगा। इसी तरह 30 जून तक रेलवे अपने हिस्से का कार्य भी पुरा करेंगे। सरेखा ब्रिज को लेकर सांसद श्रीमती पारधी ने ब्रिज निगम को निर्देशित किया कि इस ब्रिज से शहर की सुदरता बढ़ेगी इसके लिये नीचे की ओर ऐसा स्पेस बनाये जहां व्यवस्थित रूप से दुकानें स्थापित हो सके। इसके लिए इस बात का भी ध्यान रखा जाए कि यहां यातायात भी बाधित न हो। बैठक में भटेरा स्थित आरओबी, गर्रा रोड पर निर्माणाधीन आरओबी और वारासिवनी में बन रहें आरओबी पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, वारासिवनी विधायक विक्की पटेल, कटंगी विधायक गौरव पारधी, बालाघाट एसडीएम गोपाल सोनी, वारासिवनी एसडीएम श्री आरआर पांडे, रेलवे सेक्शन इंजीनियर मल्लीकार्जुन, पीडब्ल्यूडी कार्यपालन यंत्री श्री बीएस अड़मे, ब्रिज निगम एसडीओ श्री सनोडिया सहित रेलवे व निर्माण कार्य से जुड़े विभाग के अधिकारी मौजूद रहें।

### भटेरा आरओबी निर्माण में भू-अर्जन राशि का वितरण 25 जून के बाद

नगर में भटेरा स्थित आरओबी निर्माण कार्य के संबंध में ब्रिज कार्यपालन यंत्री श्री पटले ने बताया कि भूमि अधिग्रहण की डिमांड की जा चुकी है। जिसके लिये 25 जून तक राशि प्राप्त होगी। इसके साथ ही राजस्व विभाग एसडीएम श्री सोनी ने बताया कि भूमि अधिग्रहण के लिये धारा-11 की अधिसूचना जारी की जा चुकी है। इसके पश्चात धारा-15 की कार्यवाही भी प्रचलित है। वहीं पोल शिफ्टिंग के लिये एमपीईबी द्वारा कार्य प्रारंभ किया जा चुका है। साथ ही नैनपुर-मण्डला मार्ग से आने वाली बसों के लिये भटेरा कॉलोनी के पीछे अस्थायी बस स्टैंड बनाने के लिये भूमि चिन्हांकित की जा चुकी है। नगर पालिका सीएमओं द्वारा बताया गया कि निर्माण के दौरान जल वितरण की समस्या न हो इसके लिये विभाग को राशि की मांग कर दी गई है। राशि प्राप्त होते ही जल वितरण संबंधी नल कनेक्शनों व पाईपलाईन का कार्य भी शीघ्रता से होगा। कलेक्टर श्री मीना ने निर्देश दिये है कि यह अत्यंत व्यस्त मार्ग है, यातायात विभाग पूरी तरह सतर्क रहकर डायवर्सन कराए।

### वारासिवनी आरओबी निर्माण से बाधित यातायात सुगम बनाने के लिये एसडीएम और ब्रिज निगम सहित रेलवे के अधिकारी करेंगे निरीक्षण

बैठक में वारासिवनी में निर्माणाधीन आरओबी से बाधित हो रहें यातायात को सुगम बनाने के लिये विस्तार से चर्चा की गई। रेलवे द्वारा बताया गया कि यहां 550 टन का गर्डर लॉंच होना है। जो सितंबर में आने के पश्चात शुरू होगा। रेलवे द्वारा गर्डर लॉंच नही करने से ब्रिज निगम द्वारा किये जाने वाले तीन स्लेबों का काम रूका है। वारासिवनी विधायक श्री पटेल और कटंगी विधायक श्री पारधी दोनो ने यहां यातायात सुगम बनाने के लिये एसडीएम ब्रिज निगम और रेलवे के अधिकारियों के साथ निरीक्षण कर यातायात सुगम बनाने के लिये निरीक्षण करने के निर्देश दिये है।

# राहुल गांधी के जन्मदिन पर कांग्रेस विधायकों ने किया अस्पताल में फल वितरण

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के जन्मदिन के अवसर पर बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे और वारासिवनी विधायक विक्की पटेल द्वारा जिला चिकित्सालय में फल वितरण किया गया। फल वितरण के दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेसी मौजूद रहे। यहां बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने बताया कि लोकसभा में विपक्ष की भूमिका निभाने वाले राहुल गांधी का जन्मदिन उनकी कार्यशैली के अनुसार ही मनाया गया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अधिकतर गरीब परिवार और कमजोर वर्ग के लिए ही लड़ाई लड़ते हैं और उनकी समस्याओं को सामने लाते हैं। उनका प्रमुख उद्देश्य पिछड़े वर्ग को उनका हक, अधिकार दिलाना होता है। जन्मदिन के अवसर पर राहुल गांधी ने सभी अपने समर्थकों से आवाहन किया था कि उनके जन्मदिन पर कोई केक ना काटे और कोई भी दिखावा न करें । यदि किसी को उनका सही मायने में जन्म दिवस मनाना है तो वह गरीब तबके की मदद कर एवं उनके बीच जाकर ही उनका जन्मदिन मनाएं। इसी रूप में आज बालाघाट विधायक सहित वारासिवनी विधायक के साथ वह जिला चिकित्सालय पहुंची है। यहां उन्होंने मरीज का हाल जानकर उन्हें फल वितरण किया ।


**आम सूचना**

मैं अपनी पक्षकार श्रीमति मालन बाई व अनुसूया बाई दोनो पिता भाउलाल पैतृक निवास ग्राम टेकाडी पढारटोला तह: लालबर्रा जिला बालाघाट से अधिकृत होकर आम जनता को यह सूचित करता हूँ कि मेरे पक्षकार के पिता भाउलाल के स्वामित्व व आधिपत्य की ग्राम टेकाडी प.ह.नं. २७, रा.नि.मं.खमरिया तह:लालबर्रा में खसरा नंबर क्रमश: ५/२, ५/११,२६७/३,३/३, ५/६, ३/५ रकबा क्रमश: १.१५३,०.८२५ ,०.०३२,०.०३२,०.०५७, ०.१९० हे. कुल रकबा २.२८९ हे. भूमि के संबंध में प्रस्तुत किया था। जिसका व्यवहार वाद क्रमांक आरसीएसए ८३/२०२२ मालन बाई विरूध्द खोसन बाई व अन्य है। जिसमें दिनांक १७/०५/२०२५ को निर्णय पारित करते हुये भाउलाल की खोसन बाई को पत्नि नही माना है और भाउलाल के द्वारा खोसन बाई एवं खोसन बाई की पुत्री नमिता व योगेश्वरी के पक्ष में निष्पादित वसीयतनामा दिनांक २४/०३/२०१७ के आधार पर खसरा नंबर क्रमश: ३/३, ३१५,५/६ व ५/२ में से रकबा क्रमश: ०.१२९,०.०५७ ,०.१९०,०.३४३ हें. कुल रकबा ०७१९ हें. भूमि जो वसीयत की गई थी इस वसीयत को भी न्यायालय द्वारा अवैध व शून्य मानते हुये मेरे पक्षकारगण का १/८ अंश माना है। इस तरह खोसन बाई को भाउलाल की संपत्ति का कोई हक व अधिकार नही माना गया है तथा खोसन बाई की पुत्री नमिता व योगेश्वरी को भी १/८ भाग का अधिकारी माना गया है और वर्णित भूमि का १/८ भाग के विभाजन का निर्णय किया गया है। यह कि मेरी पक्षकार ने इस निर्णय के विरूध्द १/८ को १/६ भाग में विभाजन के लिये अपील प्रस्तुत कर रही है और नमिता व योगेश्वरी का भी कोई हक व अधिकार नही है यह सहायता की मांग प्रस्तुत अपील में कर रही है। इस कारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि वर्णित भूमि या उसके किसी भाग को क्रय ना करे एवं खोसन बाई व उनकी पुत्री नमिता व योगेश्वरी को भी सूचित किया जाता है कि वर्णित भूमि या उसके किसी भाग को विक्रय ना करें और यदि कोई विक्रय पत्र निष्पादित किया जाता है तो वह अवैध व शून्य होगा।

वास्ते आम सूचना प्रेषित है।
वारासिवनी
दिनांक.१९/०६/२०२५

**प्रेषक**
**मुकेश अग्रवाल**
**अधिवक्ता सिविल कोर्ट वारासिवनी**

**आवश्यकता है**
होटल सिटी प्राईड बालाघाट
महाराष्ट्र बैंक के बाजू में
कालीपुतली चौक, बालाघाट
महिला एवं पुरूष कर्मचारियों की आवश्यकता है
वेतन 4 अंकों में
मो. - 9827116521

**आवश्यकता है**
हैदराबाद में रहने वाले लांजी के परिवार को पूर्णकालिक घरेलू काम और बच्चों की देखभाल के लिए एक महिला की आवश्यकता है।
अवधि - 06 महीने
नि:शुल्क आवास/भोजन
आकर्षक वेतन
संपर्क - 8087277467

**बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध**
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
**तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स**
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

# उकवा माइंस में काम करने के दौरान एक मजदूर की मौत

## मायल गेट में शव को रख परिजनों ने 2 घण्टे किया चक्काजाम प्रदर्शन, परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप, कहा एम्बुलेंस में खाली ऑक्सीजन सिलेंडर लगाकर लाया गया जिला अस्पताल

**बालाघाट( पद्मेश न्यूज )। उकवा मायल में सुबहा की शिफ्ट में काम करने गए एक मजदूर( पंपकर्मी ) की काम के दौरान मौत हो गई।म्रतक का नाम थाना रूपझर, उकवा चौकी ग्रामपंचायत लगमा छिंदीटोला निवासी 30 वर्षीय विनय पिता संजय खंडेश्वर बताया गया है। जिसकी उपचार के दौरान मौत होने पर गुरुवार की सुबहा जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है तो वही मामले की जांच के लिए डायरी रूपझर थाना पहुचाई गई है।उधर माइंस में काम के दौरान मजदूर की मौत होने पर अन्य मजदूरों सहित मजदूर संगठन पदाधिकारियो ने उकवा माइंस के मेकेनिकल एचडीओ पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए,मामले के मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा, व परिजन को मायल में काम दिए जाने सहित मामले कि जांच कर दोषियों पर वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है।**

### वाटर पंप चालू करने गया था आप्रशिक्षित मजदूर

प्राप्त जानकारी के अनुसार लगमा छिंदीटोला निवासी विनय खांडेकर उकवा माइंस में ठेका श्रमिक के तौर पर पंप आपरेटर का कार्य करता था।जो आए दिनों की तरह गुरुवार की सुबह करीब 7 बजे की पहली शिफ्ट में काम करने के लिए उकवा माइंस गया था। जिसे मैकेनिकल एचओडी ने वाटर पंप को चालू करने के लिए भेजा था।जबकि वह काम विनय का नही था। जानकारी के अनुसार वाटर पंप का काफी लोड होता है, जिसे चालू करना एक व्यक्ति के बस का कार्य नहीं है। वही यह काम एक प्रशिक्षित व्यक्ति ही कर सकता है।बावजूद इसके भी एचओडी के आदेश पर अप्रशिक्षित मजदूर विनय को वाटर पम्प शुरू करने के लिए भेज दिया था। जहां वाटर पंप चालू करने के दौरान उसका पैर उसी चक्की के बेल्ट में फस गया और वह उसी में लिपट गया।जिससे उसकी मौत हो गई।

### घटना की जानकारी मिलते ही मची अफरा तफरी

बताया जाता है कि गुरुवार की सुबहा पंपकर्मी, विनय, प्रात: 7 से 3 बजे की शिफ्ट में काम करने गया था। जिसका काम केवल, पंप की बटन को ऑन–ऑफ करने का था लेकिन उसे पंप शुरू करने भेजा गया था। इस दौरान, वह, पंप के बेल्ट और पंखे की चपेट में आ गया।उधर मामले की जानकारी मिलते ही वहां कुछ देर के लिए अफरा तफरी मच गई। आनन फानन में चक्की को बंद कर चक्की में फंसे मजदूर को बाहर निकल गया।लेकिन वह नहीं बच सका।जिसे जिला अस्पताल लाने पर चिकित्सकों ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया।

### पीएम के बाद सौपा गया शव

उधर जिला अस्पताल से मर्ग डायरी मिलने पर अस्पताल चौकी पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा कार्यवाही कर मृतक के परिजनों व अन्य मजदूरों के बयान दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही पूरी की गई।वही मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है। तो वही मामले की जांच के लिए डायरी रूपझर थाना पहुंचाई गई है।जहां रूपझर पुलिस द्वारा इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

### परिजनों को मुआवजा ,नौकरी, और दोषियों पर कार्यवाही की मांग

उधर इस घटना के बाद से ही मृतक के परिजनों व अन्य मजदूरों में घटना को लेकर काफी नाराजगी व रोष देखा जा रहा है। जहां मजदूर और मजदूर संगठनों का आरोप है कि वाटर पंप को शुरू करना एक प्रशिक्षित मजदूर का काम है। वही कोई एक मजदूर यह कार्य अकेले नहीं कर सकता।विनय का काम केवल स्विच आन आफ करना था। बावजूद इसके भी एचओडी के कहने पर मजदूर को अकेले वाटरपंप चालू करने भेज दिया गया।जबकि वह अप्रत्यक्षिता था। जहां चक्की के बैल्ट में पैर फसने के चलते मजदूर चक्की की चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई। मामले में अपनी नाराजगी जताते हुए मजदूर संगठन ने मृतक मजदूर के परिजनों को उचित मुआवजा के साथ साथ, परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने सहित मामले की जांच कर संबंधीतो पर वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

### उधर मायल गेट पर 2 घण्टे शव रख परिजनों ने किया चक्काजाम

उधर युवक की मौत वाले इस मामले में पोस्टमार्टम उपरान्त जब शव लाया गया तो लोगों ने अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए उकवा मॉयल गेट के सामने शव रख कर दो घंटे तक चका जाम कर दिया , और मॉयल से मुआवजे की मांग की ,जिस पर मॉयल प्रबंधन द्वारा बताया गया की मृतक को विभिन्न मतों से कुल मिलकर लगभग तीस लाख रुपए की राहत राशि प्रदान की जाएंगी ,साथ ही उनकी पत्नी और बच्चों को जीवक उपार्जन के लिए चार हजार से अधिक प्रतिमाह पेंशन के रूप में दी जाएगी,तथा उनके बच्चों को उकवा के डी ए वी स्कूल में बारहवीं तक मुफ्त शिक्षा प्रदान की जाएगी, और मृतक की पत्नी को ठेका श्रमिक के रूप में कार्य का अवसर प्रदान किया जाएगा,साथ ही संबंधित ठेकेदार द्वारा अंत्येष्टि सहायता के रूप में दो लाख रुपए का चेक परिवार को प्रदान किया गया,जिस पर परिवार एवं ग्रामीणों द्वारा संतुष्टि व्यक्त करते हुए ,अपना विरोध वापस लिया गया।

### मेरे भाई की मौत होने पर भी मुझे नही दी जानकारी–विशाल

उधर ठेका श्रमिक के रूप में मॉयल के अन्य हिस्से में काम कर रहे मृतक विनय के भाई विशाल खंडेश्वर ने बताया कि भाई के हादसे के बाद, जब उसे लाया गया तो, उसकी मौत हो गई थी, लेकिन हमें नहीं बताया गया। जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। जहां से हमें बाहर भेजकर, एक स्ट्रेचर में उसको लाकर, मॉयल एम्बुलेंस से हमें जिला अस्पताल लेकर आए। इस दौरान उन्होंने ऑक्सीजन मास्क पहनाया लेकिन वह मुंह पर ना लगाकर केवल रख दिया गया था।

### एम्बुलेंस में सिलेंडर था लेकिन उसमें आक्सीजन नही थी– विजय

भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय पटले ने बताया कि जिस एम्बुलेंस से मृतक विनय को लाया गया। उस एम्बुलेंस में रखा,ऑक्सीजन सिलेंडर में ऑक्सीजन ही नहीं थी। केवल दिखावे के लिए मॉयल एम्बुलेंस में ऑक्सीजन में ले जाना बताया गया, ताकि श्रमिक की मौत के बाद, मॉयल प्रबंधन की लापरवाही के खिलाफ, श्रमिक आंदोलित ना हो।

### मॉयल मैनेजर और एचओडी है मौत का जिम्मेदार– शिववंशी

उधर खदान ठेका श्रमिक महामंत्री रवि कुमार शिववंशी ने बताया कि इस पूरी घटना के लिए मॉयल मैनेजर और मैकेनिकल एचओडी की लापरवाही से हादसे में ठेका श्रमिक की मौत हो गई। उनकी जिम्मेदारी थी कि नियमित कर्मचारियों को भेजकर, वहां पंप शुरू करवाने के दौरान खड़े रहना था, जिसकी पूरी जिम्मेदार मॉयल प्रबंधन और एचओडी की है। हमारी मांग है कि दोषियों पर उचित कार्यवाही हो।ताकि ठेका श्रमिक की ऐसी निर्मम मौत ना हो सके।सुरक्षा साधनो और प्रशिक्षित कर्मचारियों के साथ ठेका श्रमिको को भेजा जाए, ताकि ऐसी घटना ना हो।

### दोषियों पर की जाए कार्यवाही– संजय

उधर मृतक विनय के पिता संजय खंडेश्वर ने बेटे की मौत को मॉयल प्रबंधन की लापरवाही बताया। उन्होंने बताया कि विनय उनका बड़ा बेटा था। जिसके दो मासुम बच्चे है।हम चाहते है कि मामले में दोषियों पर कार्यवाही हो और मृत बेटे के परिवार को मुआवजा प्रदान किया जाए।

### नियमानुसार मुआवजे की कार्यवाही की गई है–बेनर्जी

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान उकवा माइंस के एक अधिकारी समीर बेनर्जी ने बताया कि आज एक हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई है। घटना के तुरंत बाद नियमानुसार उन्हें मायल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां से उन्हें बालाघाट रिफर किया गया था।मृतक विनय पंप ऑपरेटर का काम करते थे। वही ऑपरेटिंग जगह में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम पहले से किए हुए है। इसके अलावा मजदूर को दी जाने वाली अन्य प्रकार की सुरक्षा भी मुहैया कराई गई थी। जो आरोप कंपनी पर लगाया जा रहा है कि जिस एंबुलेंस में उन्हें बालाघाट अस्पताल लेकर गए थे उसमे ऑक्सीजन सिलेंडर खाली था। यह आरोप गलत है क्यो की मायल अस्पताल में दो चिकित्सक हैं अन्य नर्सिंग स्टाफ भी है। हमारे पास में अतिरिक्त ऑक्सीजन सिलेंडर हमेशा उपलब्ध रहते हैं। चिकित्सकों ने ऑक्सीजन सिलेंडर चेक करने के बाद ही उसे एंबुलेंस में रखवाया था और ऑक्सीजन लगाकर विनय को जिला अस्पताल भेजा था। इसके अलावा परिजनों को नियमानुसार मुआवजा देने की जानकारी दी जा चुकी है।उन्हें अन्य प्रकार की सुविधा भी कंपनी द्वारा दी जाएगी।

# सर्पदंश का अजब– गजब मामला

## खेत में काम करने गए युवक को सांप ने डसा, जहरीले सांप की हुई मौके पर मौत, युवक का जिला अस्पताल में चल रहा उपचार, युवक का उपचार कराने, मरे हुए सांप को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे थे परिजन

बालाघाट( पद्मेश न्यूज) । पल पल में बदलते मौसम के बीच जिले भर से सर्पदंश की घटनाएं लगातार सामने आ रही है। जहां समय पर उचित और पर्याप्त उपचार न मिलने से कई बार सर्पदंश के मामलों में मौत भी हो जाती है।तो वही समय पर सही और पर्याप्त उपचार मिलने से लोगों की जान भी बच जाती है।लगातार बढ़ती जा रही सर्पदंश की इन्ही घटनाओं के बीच, गुरुवार को सर्पदंश का एक अजब गजब मामला सामने आया है। जहां खेत में काम करने गए एक युवक को सांप ने काट लिया। तो वही उसी युवक के पैर के नीचे दबने से सांप की मौके पर ही मौत हो गई। उधर मामले की जानकारी मिलने पर परिजन, युवक का उपचार कराने के लिए युवक के साथ साथ उस मरे हुए जहरीले सांप को भी लेकर जिला अस्पताल पहुंच गए। यह दृश्य देखते ही जिला अस्पताल में कुछ देर के लिए हड़कंप सा मच गया।उधर जिला अस्पताल के चिकित्सकों ने मरे हुए जहरीले सांप को बाहर फिकवाकर युवक को उपचार के लिए भर्ती कराया है। जहां उसका उपचार जारी है।

### सर्पदंश से अस्वस्थ हुए सचिन का ,जिला अस्पताल में चल रहा उपचार

सर्पदंश का यहां मामला ग्रामीण थाना नवेगांव के अंतर्गत आने वाले ग्राम खुरसोड़ी का है। जहां खुरसोड़ी निवासी 25 वर्षीय सचिन पिता गजब नगपुरे को जहरीले सांप ने डसकर उसे अस्वस्थ कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सचिन नगपुरे बालाघाट में कार मैकेनिक का काम करता है। जो गुरुवार की सुबह करीब 7 बजे खेत में काम करने के लिए गया था। जहां काम करने के दौरान अचानक से एक जहरीला सांप उसके पैर के नीचे आ गया और उसने युवक सचिन के बाएं पैर पर डस दिया। जिसके 2 मिनट के अंदर ही जहरीला सांप तड़प तड़प कर मर गया। जब इस पूरे मामले की जानकारी सचिन के परिजनों को लगी, तो सचिन के परिजनों ने सचिन के साथ–साथ उस मरे हुए जहरीले सांप को भी लेकर जिला अस्पताल पहुंच गए। जहां चिकित्सकों ने सांप को बाहर फिकवा कर सचिन को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां उसका उपचार जारी है। बताया गया कि युवक को डसने वाला सांप डोंगर बेलिया था जो काफी जहरीला होता है।उसी मरे हुए जहरीले सांप को लेकर युवक के परिजन युवक के उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुचे थे।

# विधि संकाय में प्रवेश के लिए एनएसयूआई का कॉलेज घेराव आज

## धरना, प्रदर्शन व आंदोलन कर, प्रबंधन का पुतला दहन की दी चेतावनी, विधायक से मुलाकात कर, कॉलेज घेराव में किया आमंत्रित , प्राचार्य पर लगाया विद्यार्थियों को गुमराह करने का आरोप

बालाघाट( पद्मेश न्यूज) ।एलएलबी विधि संकाय में प्रवेश लेने को लेकर पिछले कुछ दिनों से उपजा विवाद थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। जहां एलएलबी की पढ़ाई करने की सोच रहे ज्यादातर छात्र- छात्राएं पीजी कॉलेज में एडमिशन दिए जाने की मांग कर रहे हैं। तो वही कॉलेज प्रबंधन द्वारा पीजी कॉलेज की जगह उन्हें विधि महाविद्यालय के नाम से एडमिशन दिए जाने की बात कही जा रही है। इसको लेकर जहां एक ओर विधि संकाय में एडमिशन करने की सोच रहे विद्यार्थी भ्रम की स्थिति में है। तो वहीं दूसरी ओर एक दिन पूर्व ही कॉलेज प्रबंधन द्वारा जारी की गई प्रेस विज्ञप्ति ने विद्यार्थियों के साथ-साथ छात्र संगठनों को भी भ्रम की स्थिति में डाल दिया है।इस मुद्दे पर छात्र संगठन एनएसयूआई का आरोप है कि कॉलेज प्रबंधन द्वारा जिस विधि महाविद्यालय के विधि संकाय में बच्चों का प्रवेश कराए जाने की बात कही जा रही है उस विधि महाविद्यालय को बार काउंसलिंग ऑफ इंडिया से मान्यता नहीं है। लेकिन कॉलेज की ऑफीशियली वेबसाइट पर विधि महाविद्यालय के नाम से एलएलबी में 120 सीट रिक्त दिखाई जा रही है। जबकि पीजी कॉलेज के नाम से वर्ष 2028 तक का शुल्क महाविद्यालय ने जमा किया हुआ है वही पीजी महाविद्यालय को बार काउंसलिंग ऑफ इंडिया से मान्यता भी है। बावजूद इसके भी कॉलेज की ऑफीशियली वेबसाइट पर पीजी महाविद्यालय में विधि संकाय की एक भी सीट नहीं दिख रही है ऐसे में छात्र-छात्राएं व छात्र संगठन काफी आक्रोशित हैं। जिन्होंने इस भ्रम की स्थिति को दूर करने और बिना मान्यता वाले विधि महाविद्यालय से मिलने वाली मार्कशीट से भविष्य में कोई परेशानी ना आने की बात लिखित में दिए जाने की मांग की है। तो वहीं उन्होंने अपनी इसी मांग को लेकर 20 जून शुक्रवार को पीजी कॉलेज का घेराव व धरना प्रदर्शन कर आंदोलन करने व कालेज प्रबंधन का पुतला दहन करने का ऐलान किया है।

### विधायक से मुलाकत कर कॉलेज घेराव, धरना प्रदर्शन में किया आमंत्रित

छात्र संगठन एनएसयूआई द्वारा 20 जून शुक्रवार को इसी मुद्दे को लेकर कॉलेज का घेराव कर धरना प्रदर्शन करने व कालेज प्रबंधन का पुतला दहन किए जाने की चेतावनी दी गई है।अपने इसी मुद्दे को लेकर गुरुवार को एनएसयूआई छात्र संगठन के पदाधिकारियो ने विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे से मुलाकात कर, उन्हें वस्तु स्थिति से अवगत कराया। साथ ही 20 जून को होने वाले कॉलेज के घेराव धरना प्रदर्शन आंदोलन व पुतला दहन में शामिल होने के लिए आमंत्रित भी किया है।

### जहां मान्यता है वहां सीट नहीं है, और जहां सीट है वहां मान्यता नहीं है– ऋषभ

एनएसयूआई जिला प्रभारी ऋषभ सहारे ने बताया कि एलएलबी में एडमिशन को लेकर कालेज प्रबंधन द्वारा लगातार भ्रमित किया जा रहा है।विधि विद्यालय के नाम से पोर्टल में सीट दिखा रहा है।जबकि विधि महाविद्यालय को बार काउंसलिंग ऑफ इंडिया से मान्यता नहीं मिली है।उधर पीजी महाविद्यालय में वर्ष 2028 तक की मान्यता है उसका शुल्क भी जमा कर दिया गया है। लेकिन पीजी कॉलेज में एलएलबी की सीट नहीं दिखा रहा है। हमने आरटीआई के माध्यम से जानकारी ली तो हमें पता चला कि 120 सीट रिक्त है जब हमने पीजी कॉलेज के रिक्त सीट के बारे में पूछा तो विभाग प्रमुख ने कह दिया कि यहां कोई सीट नहीं है।जो थी उसे शून्य कर दिया गया है। जब हमने बार काउंसलिंग ऑफ इंडिया से मान्यता की कॉपी मांगी तो पता चला कि पीजी कॉलेज के नाम से 2028 तक विधि संकाय की मान्यता है। वही 2010 से लेकर 2025 तक का पैसा मान्यता के लिए बार काउंसलिंग ऑफ इंडिया को 12 लाख 50 हजार रु पीजी कॉलेज से दिया गया है। इसके अलावा 2025 से 2028 तक की मान्यता के लिए 3 लाख 50 हजार रु का भुगतान पीजी कॉलेज से किया गया है। तो वहीं 50 हजार रु की सुरक्षा निधि अतिरिक्त दी गई है। यह तीनों पेमेंट पीजी कॉलेज से की गई है।कॉलेज प्रबंधन ने अब तक विधि महाविद्यालय के नाम से विधि संकाय की मानता नहीं ली है। मान्यता लेने की अंतिम तिथि 6 जून थी वह भी चली गई अब बगैर मान्यता वाले महाविद्यालय में बच्चे कैसे एडमिशन लेंगे और वहाँ मार्कशीट हमारे क्या उपयोग में आएगी। यदि प्राचार्य यह लिखकर देते हैं कि भविष्य में उक्त मार्कशीट से कोई दिक्कत परेशानी नहीं आएगी, हम कोर्ट में प्रैक्टिस कर सकते हैं तो ठीक है लेकिन बगैर मान्यता वाले विधि महाविद्यालय में विद्यार्थी प्रवेश लेने में हिचकीचा जा रहे हैं। अभी महाविद्यालय द्वारा एक विज्ञप्ति भी प्रकाशित कराई गई है जिसके चलते विद्यार्थी और ज्यादा भ्रमित हो रहे हैं।विद्यार्थियों की इन्ही परेशानियों को देखते हुए आज हमने विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे से मुलाकात कर कल 20 जून शुक्रवार को होने वाले कॉलेज घेराव ,आंदोलन प्रदर्शन में शामिल होने का निमंत्रण दिया है।

# आग लगने से दो बस जलकर हुई खाक

## फायर ब्रिगेड की मदद से पाया गया आग पर काबू ,पुलिस कर रही मामले की जांच

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। 19 जून की अलसुबह उकवा पुलिस चौकी क्षेत्र में खड़ी दो बसों में अचानक से आग लग गई। आग इतनी भयंकर थी कि देखते ही देखते दोनों बसें जलकर खाक हो गई ।सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची ।जहां लगी हुई आग को फायरब्रिगेड से बुझाया गया ।आग अधिक लग जाने से दोनों बस जलकर खाक हो गई ।इस घटना की जानकारी पुलिस को दी गई है, जिसमें पुलिस इस पूरी घटना पर बसों में आग लगी है या फिर किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा लगाई गई है। इस मामले की जाँच पड़ताल कर रही है । बस मालिक का कहना है कि उक्त बसों में आग लगी नहीं बल्कि लगाई गई है। आपको बता दे कि जिले के रूपझर थाना अंतर्गत उकवा चौकी के वेयर हाउस के पास खड़ी दो बसो में 19 जून की अलसुबह 2 से 4 बजे के बीच, आग लग गई। जिन बसो में आग लगी, वह लगभग एक माह से उसी जगह पर खड़ी थी। रात्रि में आगजनी की इस घटना की जानकारी के बाद उकवा पुलिस और वाहन मालिक अग्रवाल परिवार घटनास्थल पहुंचे। आग की सूचना पर पहुंचे फायर वाहन की मदद से आग पर काबु पाया जा सका लेकिन, तब तक आग से दोनो ही बसे जलकर खाक हो गई थी। हालांकि बस में आग कैसे लगी, यह अभी साफ नहीं है, उकवा पुलिस आग के कारणों का पता करने में जुटी है। बताया जाता है कि सिद्धी विनायक ट्रेव्हलर्स के नाम से अग्रवाल परिवार, बसो के संचालन का काम करता है। जिन दो बसो में आग लगी, वह पूर्व में हैदराबाद तक चला करती थी लेकिन इस रूट पर व्यवसाय कम होने से, बस मालिक ने बस को फिलहाल एक माह से बंद कर दिया था। जिसके बाद से बसे, यहां खड़ी थी। वाहन मालिक संतोष अग्रवाल ने बताया कि बसे, एक माह से खड़ी थी। जिसमें रात्रि में आग लगने की सूचना, मिली। जब वह पहुंचे तो दोनो ही बसे आग की लपटो से घिरी थी। जिसके बाद फायर वाहन की मदद से आग पर काबु पाया गया लेकिन जब तक पूरी बसे जलकर खाक हो चुकी थी। वाहन मालिक संतोष अग्रवाल के बताए अनुसार लगभग लाखों का नुकसान पहुंचा है। फिलहाल उकवा पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

# एक व्यक्ति ने पत्नी को मारपीट कर उसे दी जान से मारने की धमकी

बालाघाट( पद्मेश न्यूज) ।किराए का कमरा देखकर घर वापस हो रहे एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को हाथबुक्के से मारपीट कर उसे जान से मार डालने की धमकी दे दी। 17 जून की शाम 5ः00 बजे करीब यह घटना रूपए पैसे को लेकर हुई। कोतवाली पुलिस ने कविता पति अंकित चौरसिया 30 वर्ष इतवारी गंज बालाघाट द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति अंकित चौरसिया के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध जांच कर विवेचना शुरू किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कविता चौरसिया इतवारी गंज बालाघाट में अपने परिवार के साथ में रहती है और भारत लैब में काम करती है। 17 जून की शाम 5ः00 बजे कविता अपने पति अंकित चौरसिया के साथ किराए का कमरा देखने के लिए पंचमुखी हनुमान मंदिर तरफ गए थे और किराए का कमरा देख कर दोनों पंचमुखी हनुमान मंदिर तरफ से अपने घर इतवारी गंज बालाघाट वापस लौट रहे थे। तभी रास्ते में कविता चौरसिया को उसके पति अंकित चौरसिया बोलने लगा कि प्लांट बिक्री का जो पैसा है वह वापस करो, तो कविता चौरसिया ने बोली कि वह पैसा तुमने गांव के मकान में लगा दिए हो। यह सुनते ही अंकित चौरसिया पत्नी कविता चौरसिया को अश्लील गालियां देते हुए हाथ बुक्के सिर में और गालों में मारपीट किया तथा गला दबा रहा था । बीच बचाव के बाद अंकित चौरसिया ने पत्नी कविता चौरसिया को धमकाते हुए ज्यादा बात करने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी। इसके बाद कविता चौरसिया अपनी देवरानी आरती कसार के साथ रिपोर्ट करने के लिए कोतवाली पहुंची। कोतवाली पुलिस ने कविता चौरसिया द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति अंकित चौरसिया के विरुद्ध मारपीट और जान से मार डालने की धमकी देने के आरोप में धारा 296,115(2) 351(3) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

# मरार माली समाज के पदाधिकारियों ने पांढरवानी सरपंच सौंपा ज्ञापन

## सब्जी मार्केट स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले बाल उद्यान का सौंदर्यीकरण एवं प्रतिमा स्थल में छत लगाने की मांग की

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। ब्लाक मरार माली समाज लालबर्रा के पदाधिकारी 19 जून को पांढरवानी पंचायत पहुंचकर सरपंच अनीस खान को ज्ञापन सौंपकर सब्जी मार्केट पानी टंकी के पास स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले बाल उद्यान का सौंदर्यीकरण एवं हाई स्कूल मार्ग न्यू मार्केट के सामने क्रांतिवीर, समाजसुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा स्थल पर छत लगाने की मांग की है। साथ ही हाई स्कूल मार्ग पर क्रांतिकारी व समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की विगत माह पूर्व प्रतिमा स्थापना में सहयोग करने के लिए सरपंच अनीस खान का सभी ने आभार व्यक्त कर इसी तरह सहयोग करने की अपील की है। आपकों बता दे कि नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के सब्जी मार्केट स्थित पानी टंकी के समीप विगत वर्ष पूर्व महात्मा ज्योतिबा फुले बाल उद्यान बनाया गया है। लेकिन देख-रेख के अभाव में झाड़िया उग चुकी है एवं गंदगी होने से उसका उपयोग नही हो पा रहा है। साथ ही पूर्व में पानी टंकी के आसपास बाउण्ड्रीवाल का निर्माण भी किया गया है लेकिन महात्मा ज्योतिबा फुले बाल उद्यान में जाने का जो गेट सामने से था उसे बंद कर दिया गया है। जिसके कारण यह बाल उद्यान का कोई उपयोग नही हो पा रहा। साथ ही सब्जी मार्केट के दुकानदार एवं सब्जी बेचने वाले लोग गंदगी भी कर रहे है, जिससे सामाजिक लोगों में आक्रोश है। जबकि जिस मशक्कत से महात्मा ज्योतिबा फुले बाल उद्यान बनाया गया है किन्तु देख-रेख सही तरीके से नही होने के कारण बाल उद्यान में पूर्व में लगाये गये पेड़ एवं झुले भी खराब हो चुके है और उसका उपयोग भी नही हो पा रहा है इसलिए मरार माली समाज के पदाधिकारियों ने साफ-सफाई कर सौन्दर्यीकरण करने की मांग की है। साथ ही बाल उद्यान का सौंदर्यीकरण हो जाने से उक्त स्थान पर मरार माली समाज को नगर मुख्यालय में महात्मा ज्योतिबा फुले, माता सावित्रीबाई फुले की जयंती एवं पुण्यतिथि मनाने में सुविधा होगी क्योंकि नगर मुख्यालय में मरार माली समाज के महापुरूषों की जयंती एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित करने के लिए समाज के पास कोई भवन उपलब्ध नही है इसलिए इस महात्मा ज्योतिबा फुले बाल उद्यान का सौंदर्यीकरण होने जाने से उसकी सुन्दरता बढ़ जायेगी और कार्यक्रम आयोजन करने में सामाजिक लोगों को सुविधा होगी। वहीं बाल उद्यान में पेड़-पौधे, बच्चों के लिए झुले लग जाने से छोटे बच्चें भी घुमने आ सकते है। साथ ही दुर-दराज से आने वाले लोगों को भी पता चल जायेगा कि सब्जी मार्केट स्थित पानी टंकी के समीप महात्मा ज्योतिबा फुले बाल उद्यान स्थित है। ब्लाक मरार माली समाज जिला प्रतिनिधि दिनेश मरार ने बताया कि पांढरवानी सरपंच अनीस खान के सहयोग से महात्मा ज्योतिबाराव फुले की प्रतिमा हाई स्कूल मार्ग पर स्थापित की गई है। महात्मा फुले की प्रतिमा के ऊपर छत लगाने एवं सब्जी मार्केट पानी टंकी के पास स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले बाल उद्यान के आसपास गंदगी हो चुकी है जिसकी नियमित रूप से साफ-सफाई करवाकर सौंदर्यीकरण किये जाने की मांग को लेकर पांढरवानी सरपंच को ज्ञापन सौंपा गया है। ब्लाक अध्यक्ष ओपी बाहेश्वर ने बताया कि महात्मा ज्योतिबा फुले बाल उद्यान में गंदगी होने के कारण लोग वह तक नही पहुंच पा रहे है क्योंकि उसके आसपास झाड़िया उग चुकी है। इसलिए महात्मा ज्योतिबा फुले बाल उद्यान का सौंदर्यीकरण करने, सामने से जाने के लिए गेट खोलने जाने की मांग पांढरवानी सरपंच से की गई है ताकि इस बाल उद्यान का मरार माली समाज के द्वारा महापुरूषों के जयंती व पुण्यतिथि सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित कर सके एवं लोगों को इसका लाभ मिलना भी चाहिए। इस अवसर पर ब्लाक मरार माली समाज लालबर्रा अध्यक्ष ओपी बाहेश्वर, सचिव डोंगरूलाल मानेश्वर, उपाध्यक्ष लेखराम मानेश्वर, जिला प्रतिनिधि दिनेश मरार, छन्नूलाल दांदरे, दिनेश कावरे, नेवरगांव ला. सरपंच संतोष पंचेश्वर, कोपे सरपंच लक्ष्मण आचरे, प्रकोष्ठ प्रभारी तेजलाल नागेश्वर, प्रवक्ता टीकाराम मानेश्वर, एल कावरे सहित अन्य सामाजिक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

### सौंदर्यीकरण एवं प्रतिमा स्थल पर छत लगाने का किया जायेगा प्रयास - अनीस

पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि मरार माली समाज लालबर्रा के पदाधिकारियों ने नगर के हाई स्कूल मार्ग पर समाजसुधारक महात्मा ज्योतिबाराव फुले की प्रतिमा लगाये जाने पर आभार व्यक्त किया है एवं सब्जी मार्केट स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले के नाम से बनाये गये बाल उद्यान की नियमित रूप से देख-रेख, साफ-सफाई करने एवं गेट लगाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा गया है। जितना बेहतर से बेहतर हम उस गार्डन में कर सकते है उसके लिए प्रयास किया जायेगा ताकि उसका सौंदर्यीकरण हो सके। श्री खान ने बताया कि पूर्व केबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन जी के द्वारा नियम विरूध्द इस गार्डन (बाल उद्यान) को तोड़कर उनके करीबी ठेकेदार के द्वारा 14 लाख रूपये की लागत से बाउण्ड्रीवाल का निर्माण किया गया था। जिसका कार्य सही तरीके से नही किया गया है और बाउण्ड्रीवाल निर्माण के संबंध में ठेकेदार के द्वारा एनओसी भी नही ली गई थी। साथ ही यह भी बताया कि मरार माली समाज के द्वारा बाल उद्यान का सौंदर्यीकरण एवं हाई स्कूल मार्ग पर स्थापित समाजसुधारक महात्मा ज्योतिबाराव फुले की प्रतिमा के ऊपर छत लगाने की भी मांग की गई है, दोनों कार्य को करवाने का पुरा प्रयास किया जायेगा।

# औल्याकन्हार फिजिकल क्लब में मनाया जायेगा योग दिवस 21 को

## स्वास्थ्य, आयुष विभाग और ग्राम पंचायत की रहेगी सहभागिता, योग कार्यक्रम का होगा आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को प्रात: 6 बजे से ग्राम पंचायत औल्याकन्हार स्थित फिजिकल क्लब में विशेष योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस आयोजन में स्वास्थ्य विभाग, आयुष विभाग और ग्राम पंचायत औल्याकन्हार की सहभागिता रहेगी एवं योग सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित करवाये जायेगें। चर्चा में एपीसी सेक्रेटरी शरद धानेश्वर ने बताया कि 21 जून को अंतर्राष्टीय योग दिवस मनाने के लिए औल्याकन्हार फिजिकल क्लब के द्वारा तैयारी पूरी कर ली गई है। जिसमें ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास किये गये है। साथ ही स्वास्थ्य और आयुष विभाग के कर्मचारियों की उपस्थिति में योग सत्र का संचालन किया जायेगा। जिसमें लोगों को योग के विभिन्न आसनों, प्राणायाम और स्वास्थ्य लाभों की जानकारी दी जायेगी। साथ ही यह भी बताया कि यह आयोजन ग्रामवासियों को निरोग जीवन के प्रति प्रेरित करने एवं योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। जिसमें सभी आयु वर्ग के लोग भाग ले सकते हैं और कार्यक्रम के अंत में सर्वश्रेष्ठ तीन प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र देकर उनका सम्मान भी किया जायेगा। इस अवसर पर ग्राम पंचायत, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, स्कूली छात्र-छात्राओं और ग्रामीणजनों से अधिकाधिक संख्या में पहुंचने की अपील क्लब के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने की है।

# सत्यनारायण श्रीवास के सेन समाज जिलाध्यक्ष बनने पर जाम सरपंच एवं स्थानीयजनों ने दी शुभकामनाएं

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर ग्राम पंचायत जाम निवासी पूर्व जनपद सदस्य प्रतिनिधि, सेन समाज लालबर्रा पूर्व अध्यक्ष सत्यनारायण श्रीवास को सेन (नाई) समाज का जिलाध्यक्ष बनाये जाने पर उनके शुभचिंतकों एवं जाम सरपंच सुरेन्द्र बनोले सहित स्थानीयजनों ने गत दिवस पंचायत कार्यालय में मिठाई खिलाकर जिलाध्यक्ष बनने पर एवं बेहतर कार्यकाल के लिए उन्हे शुभकामनाएं प्रेषित की है। आपकों बता दे कि गत दिवस सेन (नाई) समाज जिला बालाघाट की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया है जिससे समाज को नई दिशा मिल सके, नये लोग समाज में जुड़कर सामाजिक हित में काम कर सके और अधिक से अधिक लोगों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ा जा सके। इसलिए नवीन कार्यकारिणी का गठन कर सेन समाज लालबर्रा पूर्व अध्यक्ष सत्यनारायण श्रीवास को समाज का जिलाध्यक्ष बनाया गया है जिससे सभी में हर्ष व्याप्त है। जाम सरपंच सुरेन्द्र बनोले सहित अन्य लोगों ने बताया कि जाम के पूर्व जनपद सदस्य प्रतिनिधि, सेन (नाई) समाज के पूर्व लालबर्रा अध्यक्ष सत्यनारायण श्रीवास को सेन (नाई) समाज का जिलाध्यक्ष बनाये जाने पर गत दिवस पंचायत भवन में स्वागत समारोह कार्यक्रम आयोजित कर सेन (नाई) समाज के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष श्री श्रीवास का स्वागत कर शुभकामनाएं देकर उनका कार्यकाल बेहतर रहे एवं समाजोत्थान के क्षेत्र में वे उत्कृष्ट कार्य करें उनसे यह अपेक्षा करते है। सत्यनारायण श्रीवास के सेन समाज का जिलाध्यक्ष बनने पर हर्ष व्यक्त कर शुभकामनाएं देने वालों में सुरेन्द्र बलोने सरपंच, सत्येंद्र दमाहे पूर्व मंडी अध्यक्ष लालबर्रा, जाहिद खान जनपद सदस्य जाम, राजीव लिल्हारे पूर्व सरपंच प्रतिनिधि,, योगेश लिल्हारे पूर्व मंडल अध्यक्ष लालबर्रा, देवराज ठकरेले पूर्व सरपंच प्रतिनिधि, राजेश नगपुरे उपाध्यक्ष मंडल लालबर्रा, रंगलाल लिल्हारे, डॉ. अरुण जोगेकर, टोपराम बिसेन, दिनेश शाकुरे, सुरेश शाकुरे, ज्ञानचंद तुलसीकर अंजीलाल नगपुरे, जेठूलाल नगपुरे, अशोक लिल्हारे, राजेश सर्राटे, सत्येंद्र श्रीवास, शैलेष श्रीवास, राज सर्राटे, मनोज सर्राटे, रंगलाल फुंडकर, राजा सर्राटे सहित अन्य लोग उपस्थित शामिल है।

# पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के शिविर का हुआ आयोजन

## 24 लोगों ने योजना का लाभ लेने की दी सहमति, सोलर पैनल लगाने से बिजली की बचत एवं पर्यावरण की होगी सुरक्षा

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगों को दिलवाने के उद्देश्य से विद्युत विभाग के द्वारा शिविर का आयोजन कर ग्रामीणजनों को सोलर पैनल लगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। सोलर पैनल लगाने से बिजली की बचत होगी और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। इसी कड़ी में नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी में बुधवार को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर कार्यक्रम बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के मुख्य आतिथ्य, पांढरवानी सरपंच अनीस खान, विद्युत विभाग लालबर्रा के कनिष्ठ अभियंता सरफराज कुरैशी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजनों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर विद्युत विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों ने उपस्थितजनों को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि इस योजना के तहत सोलर पैनल लगाने से बिजली की बचत होगी। साथ ही पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा इसलिए अब सोलर पैनल के माध्यम से बिजली उत्पादन कर बिजली बिल से बच सकते है। साथ ही यह भी बताया कि 1 किलोवॉट क्षमता का सोलर पैनल लगाने पर 30 रूपये, 2 किलोवॉट पैनल सोलर लगाने पर 60 हजार रूपये एवं 3 से 10 किलोवॉट का सोलर पैनल लगाने पर 78 हजार रूपये की सब्सिडी शासन के द्वारा प्रदान की जायेगी इसलिए अधिक से अधिक लोग पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेकर स्वयं के घरों में बिजली उत्पादन कर बिजली बिल से बच सकते है। वहीं आयोजित पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के शिविर में पहुंचे 24 ग्रामीणों ने इस योजना का लाभ लेने के लिए अपनी सहमति दी है। जिन्हे इस योजना का लाभ दिलवाया जायेगा। वहीं उपस्थित अतिथि एवं जनप्रतिनिधियों ने सरकार के द्वारा प्रारंभ की गई पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के बारे में जानकारी देते हुए क्षेत्रीयजनों से इस योजना का लाभ लेने की अपील की है। चर्चा में विद्युत विभाग के कनिष्ठ अभियंता सरफराज कुरैशी ने बताया कि सरकार के द्वारा पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना प्रारंभ की गई है जिसका प्रचार-प्रसार एवं अधिक से अधिक लोगों को लाभ दिलवाने के लिए बुधवार को पांढरवानी पंचायत में शिविर का आयोजन किया गया था। जिसमें उपस्थितजनों को योजना के बारे में जानकारी देकर किस तरह से स्वयं बिजली उत्पादन कर बिजली बिल के खर्च से बच सकते है उसके बारे में बताया गया। इस अवसर पर 24 लोगों ने सोलर पैनल लगाने के लिए अपनी सहमति प्रदान की है और जिसे इस योजना का लाभ लेना है उनका ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन किया गया। श्री कुरैशी ने बताया कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत 1 किलोवॉट क्षमता का सोलर पैनल लगाने पर 30 हजार रूपये, 2 किलोवाट क्षमता के लिए 60 हजार रूपये एवं 3 से 10 किलोवाट क्षमता के लिए 78 हजार रूपये की सब्सिडी सरकार की द्वारा दी जायेगी। साथ ही सोलर पैनल लगाने से हितग्राही स्वयं अपने घर पर बिजली उत्पादन कर उसका उपयोग करेगा। जिससे वर्तमान में बिजली विभाग के द्वारा प्रदान की जा रही बिजली सप्लाई पर लोड़ कम आयेगा और बिजली की बचत होगी। साथ ही पर्यावरण को भी सुरक्षित किया जा सकता है इसलिए अधिक से अधिक लोगों को इस योजना का लाभ दिलवाने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, विद्युत विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

# कृषि कार्य में युध्द स्तर पर जुटे किसान

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। लालबर्रा नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में गत दिवस हुए तेज बारिश के बाद किसानों के चेहरे खिल उठे है और किसान युध्द स्तर पर कृषि कार्य में जुट गये है। वहीं मानसून सक्रिय होने के अनुमान को देखते हुए क्षेत्रीय कृषक कृषि कार्य में जुट गये है और युध्द स्तर पर खार भरने (धान बीज डालने) एवं पार में तुअर व अन्य बीज लगाने का कार्य किसानों के द्वारा किया जा रहा है। आपकों बता दें कि क्षेत्र में मानसून सत्र की शुरूआत होने के पश्चात गत दिनों तेज बारिश हुई थी और मंगलवार को दोपहर बाद से लेकर शाम तक बादल गर्जन के साथ झमाझम बारिश नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में रूक-रूक कर हुई जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है। साथ ही क्षेत्रीय किसान भी बारिश होने के बाद खरीफ सीजन की धान फसल की रोपाई के लिए बीज बुआई के कार्य में जुट चुके है। किसानों ने बताया कि गत दिवस बारिश हुई थी उस समय किसानों को डर सता रहा था कि यदि बारिश नही हुई तो बीज खराब हो सकता है। ऐसी स्थिति में धान बीज डालने को लेकर वे असमंजस्य में थे और जिन किसानों के पास पानी का साधन उपलब्ध था उनके द्वारा खार भर दी गई थी एवं जिन किसानों के द्वारा खार नही भरी गई थी। मंगलवार को हुई बारिश के बाद उन्होने अब तेजी से बीज बुआई का कार्य प्रारंभ कर दिया है।

# सिहराटोला के ग्रामीण खुले आसमान के निचे कर रहे अंतिम संस्कार

## मोक्षधाम की व्यवस्था नही होने से ग्रामीणों को हो रही समस्या

**वारासिवनी( पद्मेश न्यूज )। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत थानेगांव के ग्राम सिहराटोला में मोक्षधाम की व्यवस्था नही होने से ग्रामीणों को खुले आसमान के नीचे अंतिम संस्कार करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। जहां पर लोगों को कई प्रकार की कठिनाइयों और समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। परंतु आज तक किसी के द्वारा उक्त समस्याओं का समाधान करते हुए मोक्षधाम निर्माण करने का प्रयास नहीं किया गया है। ऐसे में बारिश पानी गर्मी जैसे मौसम में परेशानी उन्हें उठानी पड़ रही है यह स्थिति लंबे समय से बनी हुई है । जहां पर सबसे ज्यादा समस्या बारिश के मौसम में बनी हुई है। किसी व्यक्ति की मौत के बाद उसका ठीक तरह से अंतिम संस्कार भी नहीं हो पता हैं,इस प्रकार की समस्या से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। जिनके द्वारा शासन प्रशासन से यथाशीघ्र ग्राम के अंदर सर्व सुविधायुक्त मोक्षधाम निर्माण की मांग की जा रही है।**

### खुले आसमान के नीचे अंतिम संस्कार करने मजबूर ग्रामीणजन

प्राप्त जानकारी के अनुसार सिहराटोला ग्राम पंचायत थानेगांव का टोला है जहां पर १००० से अधिक आबादी एवं ८६० से अधिक मतदाता निवासरत है। जिसकी ग्राम पंचायत से दूरी करीब ३ किलोमीटर पड़ती है जहां पर आज तक मोक्षधाम की व्यवस्था नहीं है। ग्राम के लोग किसी की भी मौत होने पर उसे ग्राम से निकलने वाली गर्रा रोड़ में स्थित जंगल के समीप बने तालाब के किनारे में ले जाकर अंतिम संस्कार की विधि पूर्ण करते हैं। जहां पर सुखे समय में आना जाना संभव है परंतु बरसात के समय बहुत ज्यादा समस्या उत्पन्न हो जाती है। क्योंकि कच्चा मार्ग होने से पूरे मार्ग में बारिश से कीचड़ हो जाता है। यहां से आवागमन बहुत मुश्किल हो पता है तो वहीं खुले आसमान के नीचे अंतिम संस्कार करना पड़ता है जिसमें बारिश आने पर कई बार अग्नि बुझ जाती है जहां काफी समस्या का सामना करते हुए मुखाग्नि देना होता है। तो वहीं शोकसभा के लिए भी कोई व्यवस्था नहीं है बारिश के साथ गर्मी में भी परेशानी बनी हुई है। वहीं अंतिम संस्कार के दौरान उक्त स्थान पर तालाब सूख जाने के बाद पानी की व्यवस्था नहीं है कि लोग गर्मी में अपने कंठ को शांत कर पायें। इस प्रकार के ग्राम वासियों को लंबे समय से खुले आसमान के नीचे अंतिम संस्कार करना पड़ रहा है जिसको लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। व्यक्ति की मौत के बाद भी मौसम खराब होने पर अंतिम संस्कार भी ढंग से पूर्ण नहीं हो पा रहा। जिसको लेकर कई बार ग्रामीणों के द्वारा मोक्षधाम निर्माण की मांग जनप्रतिनिधि सहित प्रशासनिक अधिकारियों से की जा चुकी है। किंतु किसी के भी द्वारा इस समस्या पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया है जिसका कारण स्थिति यथावत बनी हुई है । आज भी कच्चे मार्ग से चलकर खुले आसमान के नीचे सिहराटोला के लोगो को अंतिम संस्कार करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

### गांव में मोक्षधाम नाम की कोई व्यवस्था नहीं है-केशव बैस

ग्रामीण केशव बैस ने बताया कि हमारे गांव में मुक्तिधाम नहीं है गांव से करीब ४ किलोमीटर दूर थानेगांव में मोक्षधाम है वह दूर होने से हम हमारे गांव के जंगल में बने तालाब के किनारे जाते हैं। वहीं अंतिम संस्कार करते हैं बारिश में बड़ी समस्या होती है रोड़ कच्ची है आने जाने की समस्या फिर मोक्षधाम बना नहीं है। कई बार शव जल नहीं पाते हैं बारिश आने पर दिक्कत होती है। लगातार बारिश में थानेगांव जाते हैं गांव में मोक्षधाम नाम की कोई व्यवस्था नहीं है जनप्रतिनिधि भी कोई इधर ध्यान नहीं दे रहे हैं। चुनाव में सब कहते हैं परंतु हमने सब स्तर पर प्रयास किया कुछ नहीं हुआ है, व्यक्ति की मृत्यु के बाद उसका अंतिम संस्कार भी कई बार ठीक से नहीं हो पता है। हम यही चाहते हैं कि मोक्षधाम हो शोकसभा के लिए सभा मंच हो जो हमें गर्मी और बारिश से राहत प्रदान कर सके।

### मोक्षधाम की समस्या आजकल की नहीं है वर्षो से बनी हुई है-छबिलाल सोनवाने

ग्रामीण छबिलाल सोनवाने ने बताया कि अंतिम संस्कार को लेकर हमारे यहां बहुत समस्या है बरसात पानी धूप में काफ ी दिक्कत बनी होती है। हम जहां अंतिम संस्कार करते हैं वहां मोक्षधाम की कोई सुविधा नहीं है और ना ही पीने के पानी की सुविधा है टीन शेड तक नहीं है मुखाग्नि मौसम को देखकर दी जाती है। पानी आने पर रुकने का इंतजार करते हैं जमीन के ऊपर सब होता है मोक्षधाम जाने के लिए सड़क तक नहीं है । पुरी कच्ची सड़क है कीचड़ भयंकर रहता है चलना मुश्किल रहता है किंतु मजबूरी है जाना है। हर कोई चाहता है कि मोक्षधाम बने पर कोई जिम्मेदार ध्यान नहीं देता है । यह समस्या आजकल की नहीं है वर्षो से बनी हुई है हम किसी भी स्तर से यह समस्या का निराकरण चाहते हैं।

### यह समस्या हर किसी ने देखी है किंतु समाधान किसी ने नहीं किया-रेखलाल कटरे

ग्रामीण रेखलाल कटरे ने बताया की मोक्षधाम में जाने के लिए सड़क नहीं है जाने की इच्छा नहीं होती है वहां पर कुछ भी नहीं है तालाब किनारे खुले आसमान के नीचे अंतिम संस्कार करते हैं। यह समस्या कई वर्षो से बनी हुई है पहले हम थानेगांव जाते थे परंतु वह बहुत दूर पड़ता है अभी पास में यह गर्रा मार्ग है जहां पर बॉडी लेकर जाते हैं वहां पर अंतिम संस्कार के जो कार्य किए जाते हैं। वह करने में बहुत ज्यादा दिक्कत होती है जबकि हमरा टोला बहुत बड़ा है १००० से अधिक की आबादी है ८०० से ज्यादा मतदाता है फिर भी आज तक हम मोक्षधाम के लिए परेशान हैं। हर समय समस्या बनी रहती है हर साधन को जुटा कर जाना पड़ता है यह समस्या किसी से छिपी नहीं है अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए ग्राम सरपंच से हर जनप्रतिनिधि आते हैं। सभी के द्वारा समस्या देखी गई है किंतु समाधान किसी ने नहीं किया हैं।

### इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि जहां पर अंत्येष्टि कार्य किया जा रहा है वह वन विभाग की जमीन है। जिसे मोक्षधाम निर्माण करने के लिए हमारे द्वारा चार बार पत्र लिखकर अनुमति मांगी गई है किंतु उनके द्वारा कोई अनुमति नहीं दी गई है। करीब ३५ वर्ष हो गया वहां पर ग्राम के लोग अंत्योष्टि कर रहे हैं । यह गर्रा से सिहराटोला मार्ग पर तालाब के किनारे किया जाता है। समीप में राजस्व की कोई हमारे पास भूमि नहीं है इसलिए वन विभाग से हम मांग कर रहे हैं।

**लक्ष्मीकांत बैस**
**सरपंच ग्राम थानेगांव**

# कांग्रेस कमजोर संगठन के कारण सभी राज्यो में हार रही चुनाव- प्रदीप जायसवाल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। रामपायली मंडल के अंर्तगत ग्राम डोके में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सेवामयी ११ साल के निमित्त कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूवात पं. दिनदयाल उपाध्याय व डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी के छायाचित्र पर माल्र्यापण के साथ की गयी। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की जनता से सीधे जुड़ाव के कारण भाजपा प्राय: सभी राज्यो में चुनाव जीतते आ रही है। दुसरी ओर कांग्रेस अपने कमजोर संगठन के कारण सभी चुनाव हारने की खिन्नस आरोप लगाकर निकाल रही है। आज कांग्रेस के संगठन के सभी पदो पर कौन काम कर रहा है उनके नामो तक की जानकारी जनता के पास नही है। श्री जायसवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम की सराहना करते हुये सभी मंडलो के बूथ अध्यक्षो को निर्देशित किया की सभी जगह मन की बात कार्यक्रम को सामुहिक रूप से जनता के साथ सुना जाना जरूरी है। जिससे सभी लोग जान सके की केन्द्र सरकार क्या काम कर रही है। और इन कामो को हमे जनता के बीच ले जाकर भी भाजपा और पूर्व की कांग्रेस सरकार के अंतर को समझाना है। श्री जायसवाल ने कहा कि केन्द्र सरकार के द्वारा मजबूत इच्छाशक्ति से जम्मू कश्मीर में धारा ३७० हटाने से लेकर अयोध्या में श्रीरामलला मंदिर निर्माण की विषय में विस्तार से जानकारी देने के बाद श्री जायसवाल ने कहा की आज भारत विकासशील देश होने के बाद देश की तीसरी या चौथी सबसे बडी अर्थ व्यवस्था बनकर विकसीत राष्ट्र बनने की तैयारी कर रहा है। प्रदेश सरकार लाड़ली बहना की राशि दिवाली से १५ सौ रूपये प्रतिमाह भी करने जा रही है। इस दौरान किशोर अमूले,सचिन बिसेन,सुरेश पटले, कोमल लिल्हारे,श्रीमती माया उइके , जिला पंचायत सदस्य गीता हनवत, पूर्व जनपद अध्यक्ष चिंतामन नगपुरे, मोहेंद्र नगपुरे,मिलिन्द नगपुरे, किशोर बिसेन,सुरेश पटले,संजय टेंभरे, खिलिराम बघेले, मुन्ना नगपुरे, भानु राहंगडाले, चौन सिंह बेस, जानाजी गौतम, कबीर हनवत ,पूजा मेश्राम,राजकुमार कावरे, रूपेंद्र सोनवाने, गणेश लिल्हारे, दीक्षा तुरकर , हानेश भगत ,मिथलेश दमाहे, योगराज पटले सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

# कचरे से ट्रांसफार्मर में लगी आग बड़ा हादसा टला

## आग लगने का कारण स्पार्किंग को बताया जा रहा

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के टिहलीबाई शासकीय माध्यमिक विद्यालय के सामने वारासिवनी बालाघाट मार्ग पर स्थित ट्रांसफ ार्मर में १९ जून की सुबह अचानक आगजनी की घटना घटित हो गई। यह आग ट्रांसफ ार्मर में हुई स्पार्किंग से नीचे रखे हुए कचरे के लगने से होना बताया जा रहा। मामले में विद्युत विभाग के द्वारा सुधार कार्य कर विद्युत व्यवस्था बहाल कर दी गई है। इसमें समय रहते वार्ड वासियों के द्वारा ध्यान दिया गया जिससे एक बड़ी दुर्घटना होने से बच गई तो वहीं आगजनी में ३३ केवी विद्युत लाइन ट्रिप हो गई अन्यथा एक बड़ा हादसा घटित हो सकता था। जिसमें समय रहते सुधार कार्य कर विद्युत व्यवस्था पुन:बहाल कर दी गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार वारासिवनी से बालाघाट मार्ग पर स्थित टिहलीबाई शासकीय माध्यमिक विद्यालय के सामने गुरुवार की सुबह से ही स्पार्किंग हो रही थी। जिसकी चिंगारी जमीन पर गिर रही थी जहां पर वार्ड वासी सहित आसपास के दुकानदारों के द्वारा प्लास्टिक कागज एवं टायर सहित अन्य प्रकार की वस्तुएं फेंक दी गई थी। जहां पर हर बार कचरा पड़ा रहता है ऐसे ही स्पार्किंग की चिंगारी गिरने से अचानक कचरे में आग दहक उठी। जिसने विकराल रूप धारण कर ट्रांसफार्मर को अपनी जद में ले लिया। जिसमें लगे केबल वायर सभी जलने लगे ऐसे में होने वाली आवाज ने लोगों का ध्यान आर्कषित कराया। तभी वार्डवासी सहित आसपास के लोगों में अफरा तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। जिनके द्वारा तत्काल घटना की जानकारी विद्युत विभाग के अधिकारी कर्मचारियों को दी गई। जिन्होंने मौके पर पहुंचकर त्वरित कार्यवाही करते हुए विद्युत व्यवस्था अवरुद्ध कर आग को शांत कर मरम्मत कार्य प्रारंभ कर दिया गया। तत्पश्चात विद्युत व्यवस्था बहाल कर दी गई इस दौरान यह अच्छा रहा की फ ीडर से लाइन ट्रिप हो गई थी अन्यथा बड़ी जनहानि हो सकती थी।

### आसपास के लोगो के द्वारा फेके गये कचरे के कारण लगी आग-राहुल तुरकर

सहायक अभियंता राहुल तुरकर ने बताया कि मुझे ९ बजे फोन आया कि ट्रांसफार्मर में आग लग गई है। केबल जल रहे हैं। इस दौरान मुझे सब स्टेशन से पता चल गया की ११ केवी फीडर से ३३ केवी लाइन ट्रिप हो गया है तत्पश्चात हमारे द्वारा तत्काल सप्लाई को बंद करवाया गया मौके पर आकर देखा गया। तो यहां पर लोगों ने बताया कि ट्रांसफार्मर में स्पार्किंग हो रही थी जिसकी चिंगारी गिरने से नीचे रखे कचरे में आग लग गई। यहां आसपास के लोग कचरा फेंकते हैं जो ठीक नहीं है इस घटना में एलटी केबल पूरे जल चुके हैं । विद्युत लाइन में कभी भी अज्ञात फ ाल्ट आ जाते हैं स्पार्किंग होती है इसलिए लोगों से अपील है कि वह कचरा ना फेक और खासकर ट्रांसफार्मर के आसपास कचरा ना फेके। क्योंकि इससे आग लगने के बहुत ज्यादा चांसेस है और यदि कोई ऐसा करता है तो उसकी भी हमें जानकारी दें हम विधिवत उस पर कार्यवाही करेंगे। ११ केवी लाइन तो तत्काल चालू कर दी गई थी जिसके बाद सुधार कार्य कर पूरी व्यवस्था बहाल कर दी गई है।

# संस्था मित्र मंडल ने मनाया ४८ वॉ स्थापना दिवस

रामपायली/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। सामाजिक सांस्कृतिक शैक्षणिक क्षेत्र में अग्रणी संस्था मित्र मंडल रामपायली ने ४८ वॉ स्थापना दिवस मनाया। जिसमें सर्व प्रथम मां सरस्वती के पूजन अर्चन पश्चात दीप प्रज्वलित किया गया मां सरस्वती की आरती कर सभी ने नमन किया। संस्था मित्र मंडल की स्थापना १८ जून १९७७ को स्व.प्रताप भुवनेश्वर सिंह चौहान के नेतृत्व में युवाओं के माध्यम से की गई थी। जो ग्राम समाज के लिए रचनात्मक कार्य करना चाहते थे और तब से स्थापित यह संस्था निरंतर क्षेत्र में योगदान देते हुए ४८ वॉ वर्ष पूर्ण कर चुकी है। संस्था मित्र मंडल का शिक्षा के क्षेत्र में विशेष योगदान रहा है और ४१ वर्षो से क्षेत्र के नौनिहालों के सर्वांगीण विकास के लिए भारती हाईस्कूल का सफल संचालन कर रही है। संस्था के द्वारा आयोजित स्थापना दिवस कार्यक्रम में संस्था के संस्थापक स्व. प्रताप भुवनेश्वर सिंह चौहान को उपस्थित सदस्यों के द्वारा नमन किया गया और उन सभी वरिष्ठ सदस्यों का स्मरण किया गया। जिनके संघर्ष और समर्पण से संस्था निरंतर प्रगति करते हुए ४८ वॉ स्थापना दिवस मनाया हैं। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह चौहान, उपाध्यक्ष रामकिशोर अग्रवाल, सचिव रजनीश नकाशे, कोषाध्यक्ष केवल शिवहरे, सदस्य नरेंद्र सिंह चौहान, मुकेश तिवारी, अविनाश कापरे, संदीप बाघमारे, सुबोध रूसिया, प्राचार्य टी सी बिसेन उपस्थित रहे।

# सेंट्रल कॉसिल नीमा में डॉ. नीरज अरोरा मध्यप्रदेश से कार्यकारिणी सदस्य मनोनित

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। सेंट्रल कॉसिल नीमा के द्वारा नवीन कार्यकारिणी की सूची जारी की गई है। जिसमें डॉ. नीरज अरोरा को मध्यप्रदेश से कार्यकारिणी सदस्य मनोनित किया गया है। डॉ. अरोरा राज्य से सेंट्रल कॉसिल में प्रतिनिधित्व करेंगे। इनकी नियुक्ति से जिले के सभी चिकित्सको में हर्ष की लहर व्याप्त है। प्रथम बार सेंट्रल कॉसिल में जिले से राज्य का प्रतिनिधित्व किये जाने का अवसर प्रदान किया गया है। इस दौरान डॉ. वागीश राहंगडाले, डॉ. विशाल असाटी, डॉ. राजेश उपवंशी, डॉ. समीर सुनेरी, डॉ. श्याम रंगलानी, डॉ. दीपांक रामटेक्कर, डॉ. निलेश शिवहरे, डॉ. गिरेन्द्र पवार, डॉ. राजू चौधरी, डॉ. शालिन अमुले, डॉ. विकास नगपुरे, डॉ. अमित लोधी , डॉ. गौरव पुरी ने बधाई प्रेषित की है ।

# केएस सुदर्शन-राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का ज्ञानकोष

हमारे सुदर्शनजी साभार! राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पांचवे सर संघचालक कुप्पाली सीतारमैया सुदर्शन तमिलनाडु और कर्नाटक की सीमा पर बसे कुप्पहल्ली, मैसूर ग्राम के मूल निवासी थे। केएस सुदर्शन के पिता सीतारामैया ने शासकीय सेवा नौकरी के कारण अधिकांश समय मध्यप्रदेश में ही बिताया। वहीं रायपुर जिले में 18 जून, 1931 को श्री सुदर्शन का जन्म हुआ। तीन भाई और एक बहिन वाले परिवार में सुदर्शन जी सबसे बड़े थे। उनकी प्रारंभिक शिक्षा रायपुर, दमोह, मंडला और चंद्रपुर में हुई। मात्र 9 साल की उम्र में उन्होंने पहली बार राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ शाखा में भाग लिया। उन्होंने वर्ष 1954 में जबलपुर के सागर विश्वविद्यालय, इंजीनिरिंग कालेज से दूरसंचार विषय में बीई की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने 23 साल की उम्र में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पूर्णकालिक प्रचारक बने। सर्वप्रथम उन्हें रायगढ़ भेजा गया।

**समरसता और सद्भाव**

श्री सुदर्शन संघ कार्यकर्ताओं के बीच शारीरिक प्रशिक्षण के लिए जाने जाते थे। वह स्वदेशी की अवधारणा में विश्वास रखते थे। समरसता और सद्भाव के लिए अपने कार्यकाल के दौरान वह ईसाई और मुस्लिम समाज से सतत संवाद स्थापित करने में प्रयत्नशील रहे। श्री सुदर्शन जी ज्ञान के भंडार, अनेक विषयों एवं भाषाओं के जानकार तथा अद्भुत वक्तृत्व कला के धनी थे। इसलिए उनको राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का ज्ञानकोष कहा जाता था। किसी भी समस्या की गहराई तक जाकर, उसके बारे में मूलगामी चिन्तन कर उसका सही समाधान ढूंढ निकालना उनकी विशेषता थी। पंजाब की खालिस्तान समस्या हो या असम का घुसपैठ विरोधी आन्दोलन, अपने गहन अध्ययन तथा चिन्तन की स्पष्ट दिशा के कारण उन्होंने इनके निदान हेतु ठोस सुझाव दिये।

**एकात्मता मन्त्र**

उनकी यह सोच थी कि बंगलादेश से असम में आने वाले मुसलमान षड्यन्त्रकारी घुसपैठिये हैं। उन्हें वापस भेजना ही चाहिए, जबकि वहां से लुट-पिट कर आने वाले हिन्दू शरणार्थी हैं, अत: उन्हें सहानुभूतिपूर्वक शरण देनी चाहिए। श्री सुदर्शन को संघ-क्षेत्र में जो भी दायित्व दिया गया उसमें उन्होंने नये-नये प्रयोग किये। 1969 से 1971 तक उन पर अखिल भारतीय शारीरिक प्रमुख का दायित्व था। इस दौरान ही खड्ग, शूल, छुरिका आदि प्राचीन शस्त्रों के स्थान पर नियुद्ध, आसन, तथा खेल को संघ शिक्षा वर्गों के शारीरिक पाठ्यक्रम में स्थान मिला। 1979 में वे अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख बने। शाखा के अतिरिक्त समय से होने वाली मासिक श्रेणी बैठकों को सुव्यवस्थित स्वरूप 1979 से 1990 के कालखंड में ही मिला। शाखा पर होनेवाले 'प्रात:स्मरण' के स्थान पर नये 'एकात्मता स्तोत्र' एवं 'एकात्मता मन्त्र' को भी उन्होंने प्रचलित कराया। 1990 में उन्हें सह सरकार्यवाह की जिम्मेदारी दी गयी।

**प्रज्ञा-प्रवाह**

देश का बुद्धिजीवी वर्ग, जो कम्युनिस्ट आन्दोलन की विफलता के कारण वैचारिक संभ्रम में डूब रहा था, उसकी सोच एवं प्रतिभा को राष्ट्रवाद के प्रवाह की ओर मोड़ने हेतु 'प्रज्ञा-प्रवाह' नामक वैचारिक संगठन की नींव में श्री सुदर्शन जी ही थे। चौथे सरसंघचालक श्री रज्जू भैया को जब लगा कि स्वास्थ्य खराबी के कारण वे अधिक सक्रिय नहीं रह सकते, तो उन्होंने वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से परामर्श कर 10 मार्च, 2000 को अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में श्री सुदर्शन को यह जिम्मेदारी सौंप दी। नौ वर्ष बाद श्री सुदर्शन ने भी इसी परम्परा को निभाते हुए 21 मार्च, 2009 को सरकार्यवाह श्री मोहन भागवत को छठे सरसंघचालक का कार्यभार सौंप दिया।

# बौद्ध धर्म को मानने वाले लोगों के तिब्बत, शरणार्थी का दर्द

तिब्बत हमेशा अपनी आजादी के लिए लगभग 70सालों से चीन के चंगुल से अपने आप को छुड़ाने की गुहार विश्व पटल पर लगा रहा हैदुनिया में आज कोई ऐसा देश खोजना मुश्किल है, जिस पर इतिहास के किसी दौर में किसी विदेशी ताक़त का प्रभाव या अधिपत्य न रहा हो। तिब्बत के मामले में विदेशी प्रभाव या दखलंदाज़ी तुलनात्मक रूप से बहुत ही सीमित समय के लिए रही थी इस शोध पत्र में उनके स्वायित्व व चीन के अमानवीय व्यवहार जो भगवान बुद्ध के शांति के मार्ग पर चलने के लिए तिब्बत शरणार्थी शिविरों जो भारत में अपने देश की आजादी के लिए संघर्षरत है उस पर विश्व पटल पर मानवाधिकार हनन के लिए बहुत ही मुश्किल लेकिन उनकी आजादी की मांग करें क्योंकि इससे मानवता की रक्षा होती है। हिमालय के उत्तर में स्थित तिब्बत 12 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ और अशांति से भरा एक कटा हुआ इलाका है। इसका इतिहास कई तरह के झटकों और परेशानियों से भरा हुआ है। 1013 ई0 में नेपाल से धर्मपाल तथा अन्य बौद्ध विद्वान् तिब्बत गए। 1042 ई0 में दीपंकर श्रीज्ञान अतिशा तिब्बत पहुँचे और बौद्ध धर्म का प्रचार किया। शाक्यवंशियों का शासनकाल 1207 ई0 में प्रांरभ हुआ। मंगोलों का अंत 1720 ई0 में चीन के माँछु प्रशासन द्वारा हुआ। तत्कालीन साम्राज्यवादी अंग्रेजों ने, जो दक्षिण पूर्व एशिया में अपना प्रभुत्व स्थापित करने में सफलता प्राप्त करते जा रहे थे, यहाँ भी अपनी सत्ता स्थापित करनी चाही, पर 1788-1792 ई0 के गुरखों के युद्ध के कारण उनके पैर यहाँ नहीं जम सके। परिणाम स्वरूप 19 वीं शताब्दी तक तिब्बत ने अपनी स्वतंत्र सत्ता स्थिर रखी यद्यपि इसी बीच लद्दाख़ पर कश्मीर के शासक ने तथा सिक्किम पर अंग्रेजों ने आधिपत्य जमा लिया। अंग्रेजों ने अपनी व्यापारिक चौकियों की स्थापना के लिये कई असफल प्रयत्न किया। इतिहास के मुताबिक तिब्बत को दक्षिण में नेपाल से भी कई बार युद्ध करना पड़ा और नेपाल ने इसको हराया। नेपाल और तिब्बत की सन्धि के मुताबिक तिब्बत को हर साल नेपाल को 5000 नेपाली रुपये हरज़ाना भरना पड़ा। इससे आजित होकर नेपाल से युद्ध करने के लिये चीन से मदद माँगी चीन के मदद से उसने नेपाल से छुटकारा तो पा लिया लेकिन इसके बाद 1906-07 ई0 में तिब्बत पर चीन ने अपना अधिकार कर लिया और याटुंग ग्याड्से एवं गरटोक में अपनी चौकियाँ स्थापित की। 1912 ई0 में चीन से मांछु शासन अंत होने के साथ तिब्बत ने अपने को पुन: स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर दिया। सन् 1913-14 में चीन, भारत एवं तिब्बत के प्रतिनिधियों की बैठक शिमला में हुई जिसमें इस विशाल पठारी राज्य को भी भागों में विभाजित कर दिया गया: 23 मई, 1951 को तिब्बत ने चीन के इस विवादित समझौते पर साइन किए थे। 13वीं शातब्दी में तिब्बत, मंगोल साम्राज्य का हिस्सा था और जीत के बाद से इसे हमेशा स्वायत्तता हासिल रही। इस सरकार की विस्तारवादी नीतियों के चलते 1950 में चीन ने हजारों सैनिकों के साथ तिब्बत पर हमला कर दिया। करीब 8 महीनों तक तिब्बत पर चीन का कब्जा चलता रहा। आखिरकार तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ने 17 बिंदुओं वाले एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के बाद तिब्बत आधिकारिक तौर पर चीन का हिस्सा बन मुख्यत: बौद्ध धर्म को मानने वाले लोगों के तिब्बत सुदूर इलाके को संसार की छत के नाम से भी जाना जाता है। चीन में तिब्बत का दर्जा एक स्वायत्तशासी क्षेत्र के तौर पर है।चीन का कहना है कि इस इलाके पर सदियों से उसकी संप्रभुता रही है जबकि बहुत से तिब्बती लोग अपनी वफादारी अपने निर्वासित आध्यात्मिक नेता दलाई लामा के प्रति रखते हैं।दलाई लामा को उनके अनुयायी एक जीवित ईश्वर के तौर पर देखते हैं तो चीन उन्हें एक अलगाववादी ख़तरा मानता है।तिब्बत का इतिहास बेहद उथल-पुथल भरा रहा है। कभी वो एक खुदमुख्तार इलाके के तौर पर रहा तो कभी मंगोलिया और चीन के ताक़तवर राजवंशों ने उस पर हुकूमत की। लेकिन साल 1950 में चीन ने इस इलाके पर अपना झंडा लहराने के लिए हज़ारों की संख्या में सैनिक भेज दिए। तिब्बत के कुछ इलाकों को स्वायत्तशासी क्षेत्र में बदल दिया गया और बाक़ी इलाकों को इससे लगने वाले चीनी प्रांतों में मिला दिया गया।लेकिन साल 1959 में चीन के ख़िलाफ़ हुए एक नाकाम विद्रोह के बाद 14वें दलाई लामा को तिब्बत छोड़कर भारत में शरण लेनी पड़ी जहां उन्होंने निर्वासित सरकार का गठन किया। साठ और सत्तर के दशक में चीन की सांस्कृतिक क्रांति के दौरान तिब्बत के ज़्यादातर बौद्ध विहारों को नष्ट कर दिया गया। माना जाता है कि दमन और सैनिक शासन के दौरान हज़ारों तिब्बतियों की जाने गई थीं।चीन और तिब्बत के बीच विवाद, तिब्बत की क़ानूनी स्थिति को लेकर है। चीन कहता है कि तिब्बत तेरहवीं शताब्दी के मध्य से चीन का हिस्सा रहा है लेकिन तिब्बतियों का कहना है कि तिब्बत कई शताब्दियों तक एक स्वतन्त्र राज्य था और चीन का उसपर निरंतर अधिकार नहीं रहा। मंगोल राजा कुबलई ख़ान ने युआन राजवंश की स्थापना की थी और तिब्बत ही नहीं बल्कि चीन, वियतनाम और कोरिया तक अपने राज्य का विस्तार किया था।फिर सत्रहवीं शताब्दी में चीन के चिंग राजवंश के तिब्बत के साथ संबंध बने। 260 साल के रिश्तों के बाद चिंग सेना ने तिब्बत पर अधिकार कर लिया। लेकिन तीन साल के भीतर ही उसे तिब्बतियों ने खदेड़ दिया और 1912 में तेरहवें दलाई लामा ने तिब्बत की स्वतन्त्रता की घोषणा की। फिर 1951 में चीनी सेना ने एक बार फिर तिब्बत पर नियन्त्रण कर लिया और तिब्बत के एक शिष्टमंडल से एक संधि पर हस्ताक्षर करा लिए जिसके अधीन तिब्बत की प्रभुसत्ता चीन को सौंप दी गई। दलाई लामा भारत भाग आए और तभी से वे तिब्बत की स्वायत्तता के लिए संघर्ष कर रहे हैं।जब 1949 में चीन ने तिब्बत पर क़ब्ज़ा किया तो उसे बाहरी दुनिया से बिल्कुल काट दिया।तिब्बत में चीनी सेना तैनात कर दी गई, राजनीतिक शासन में दख़ल किया गया जिसकी वजह से तिब्बत के नेता दलाई लामा को भाग कर भारत में शरण लेनी पड़ी।फिर तिब्बत का चीनीकरण शुरू हुआ और तिब्बत की भाषा, संस्कृति, धर्म और परम्परा सबको निशाना बनाया गया।किसी बाहरी व्यक्ति को तिब्बत और उसकी राजधानी ल्हासा जाने की अनुमति नहीं थी, इसीलिये उसे प्रतिबन्धित शहर कहा जाता है। विदेशी लोगों के तिब्बत आने पर ये पाबंदी 1963 में लगाई गई थी। हालांकि 1971 में तिब्बत के दरवाज़े विदेशी लोगों के लिए खोल दिए गए थे।चीन और दलाई लामा का इतिहास ही चीन और तिब्बत का इतिहास है। सन 1409 में जे सिखांपा ने जेलग स्कूल की स्थापना की थी। इस स्कूल के माध्यम से बौद्ध धर्म का प्रचार किया जाता था।यह जगह भारत और चीन के बीच थी जिसे तिब्बत नाम से जाना जाता है। इसी स्कूल के सबसे चर्चिच छात्र थे गेंदुन द्रुप। गेंदुन आगे चलकर पहले दलाई लामा बने। बौद्ध धर्म के अनुयायी दलाई लामा को एक रूपक की तरह देखते हैं। इन्हें करुणा के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। दूसरी तरफ इनके समर्थक अपने नेता के रूप में भी देखते हैं। दलाई लामा को मुख्य रूप से शिक्षक के तौर पर देखा जाता है। लामा का मतलब गुरु होता है। लामा अपने लोगों को सही रास्ते पर चलने की प्रेरणा देते हैं। तिब्बती बौद्ध धर्म के नेता दुनिया भर के सभी बौद्धों का मार्गदर्शन करते हैं।1630 के दशक में तिब्बत के एकीकरण के वक़्त से ही बौद्धों और तिब्बती नेतृत्व के बीच लड़ाई है। मान्चु, मंगोल और ओइरात के गुटों में यहां सत्ता के लिए लड़ाई होती रही है। अंतत: पांचवें दलाई लामा तिब्बत को एक करने में कामयाब रहे थे। इसके साथ ही तिब्बत सांस्कृतिक रूप से संपन्न बनकर उभरा था। तिब्बत के एकीकरण के साथ ही यहां बौद्ध धर्म में संपन्नता आई। जेलग बौद्धों ने 14वें दलाई लामा को भी मान्यता दी। दलाई लामा के चुनावी प्रक्रिया को लेकर ही विवाद रहा है। 13वें दलाई लामा ने 1912 में तिब्बत को स्वतंत्र घोषित कर दिया था। करीब 40 सालों के बाद चीन के लोगों ने तिब्बत पर आक्रमण किया। चीन का यह आक्रमण तब हुआ जब वहां 14वें दलाई लामा के चुनने की प्रक्रिया चल रही थी। तिब्बत को इस लड़ाई में हार का सामना करना पड़ा।

**-संजय गोस्वामी**

# आभार जताना सीखो

मेरी एक संत मित्र थीं विमल। गर्मी के दिन थे और हम लोग गंगा तट पर बैठे हुए थे। गंगा तट पर बैठने से बड़ी ठंडी हवा लग रही थी। यूं तो बहुत गर्मी थी। अचानक से उन्होंने अपने झोले से आम निकाले और आम उन्होंने गंगा जी में उतार दिए ताकि ठंडे हो जाएँ और जब ठंडे हो गए तो उन्होंने एक मुझे दिया एक स्वयं लिया। उन्होंने आम हाथ में पकड़ा है और आम को देखती जा रही हैं। देखते-देखते उन्होंने कहा, यह आम का पेड़ जाने किस किसान ने कब बोया होगा, कितने पेड़ मर-मरा जाते हैं। चलते ही नही लेकिन यह पेड़ चलता रहा। सब झेल गया, आंधी तूफान सब झेल गया। मरा नहीं स्वस्थ रहा। अभी वह बड़ा हुआ। अभी उस पर बौर आए। फिर उस पर फल लगे और जाने कितने ही बार इस पेड़ पर कितने ही फल लगे होंगे और जाने किस-किसने खाए होंगे। लेकिन यह एक आम उतरा, टोकरी में गया। टोकरी से मंडी, मंडी से ट्रेडर, ट्रेडर से रीटेलर। और फिर अंत में रेहड़ी वाले के पास इतने आम थे, पर मैंने चुन कर कुछ आमों को निकाला और गंगा तट पर ये जो आम लाई हूं और उनमें से एक आम आपको दे दिया। पर यह आम मेरे हिस्से में आया। तो यह आम मुझ तक कितनी लम्बी यात्रा कर के आ रहा है। भावविभोर हो कर विमल ने कहा कि परमात्मा ने इस फल को खासम-ख़ास मेरे लिए ही उगाया था। इसको मैं कहती हूं- संवेदनशील होना। इतने खेत, इतने पेड़, इतने आम, इतने रीटेलर, इतने रेहड़ी वाले, करोड़ों आम निकलते हैं। पर उन करोड़ों आमों में से यह एक छंट कर मुझ तक पहुंचा। भगवान ने खासम-ख़ास यह आम मेरे लिए उगाया है तो यह तो परमात्मा का प्रसाद है और वह आम से ऐसे बात कर रही थीं जैसे आम उसकी बात को सुन रहा हो। और उस आम से कहती हैं, जब मैं तुम्हें खाऊंगी तो बहुत रस लेकर खाऊंगी और जब तू मेरे भीतर जाएगा तो तू मेरे भीतर ईश्वरीय प्रेम को और जगा देगा। ईश्वर ने प्रसाद भेजा है और इस ईश्वरीय प्रसाद को खा कर (क्योंकि जो अन्न हम खाते हैं उससे न केवल हमारा शरीर बनता है बल्कि हमारे मन का भी तो निर्माण इसी से होता है) मेरे मन में ईश्वरीय प्रेम निश्चित तौर पर बढ़ेगा। तो वह आम से प्रार्थना कर रही हैं कि, जब तू मेरे भीतर जाए तो मेरे भीतर प्रेम बढ़े। जिस प्रभु ने तेरे शरीर को बनाया है मेरे शरीर के लिए, तो जब तू मेरे भीतर जाए तो उस ईश्वर के प्रति मेरे प्रेम को और गहरा कर देना। खयाल रहे, कोई अकलमंद आदमी इस कहानी को सुने तो शायद कहे कि यह औरत तो पागल लगती है, आम से बात कर रही है। वह पेड़, फल से चर्चा नहीं कर रही है, उस आम के भीतर भी मौजूद भगवत्ता को और अपने भीतर भी उस भगवत्ता को महसूस करते हुए अपने मन को उस स्तर तक ले जाने की कोशिश कर रही है, जहां छोटे से छोटा काम भी ईश्वर स्मरण के बगैर नहीं किया जा रहा। छोटी-छोटी बातें है, ध्यान से सुनना। कुछ खाने लगो तो उसे याद करो। लुढक जाते हैं प्याले होंठों तक आते हुए भी। यह जरुरी नहीं कि जो जाम भरा हुआ हो वह तुम्हारी प्यास बुझाए भी। छलक जाते हैं प्याले होंठों तक आने पर भी, भरा तुमने जाम, भरा तुम्हें अपने लिए कुछ पदार्थ पीने का और तुम लाए होंठों तक और हाथ हिल गया तो अपने ही ऊपर गिर गया। तुमने बड़े मजे से खीर बनाई और कटोरी में डाली और इतने में एक उड़ती हुई मक्खी आई, उसे खीर बहुत पसंद आई और वह उसी में बैठ गई। बैठ गई तो उड़ ही नहीं पाई। जब तुमारी नजर पड़ी तो होंठों तक आते आते वह खीर फेंकनी पड़ी।

कुछ भी खाएं, खाने से पूर्व धन्यवाद करें, स्मरण करें। चलें या किसी को मिलें, सोएं या सोकर जगें, स्नान करें, वप पहनें, हर कर्म में ईश्वर का स्मरण साथ चलता रहे। गन्दी आदतें भी सीखी हैं न तुमने, तो यह भी सीखो। किसी ने दिया कुछ तुम्हें, तुम गप से खा गए। किसी ने कुछ कपड़ा भेंट किया तो उसमें भी खोट निकाल दिया। प्रशंसा करना सीखो। जो है सो बहुत अच्छा कहना सीखो। जो हो रहा है अच्छा हो रहा है कहना सीखो। कहने से भी अधिक आवश्यक है कि तुम उसे महसूस करना सीखो।

# बुजुर्गों के साथ हदें पार करता हुआ दुर्व्यवहार -समाज व सरकार द्वारा संज्ञान लेकर सख्त कार्रवाई करना जरूरी हो गया है

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के देशों में विशेष रूप से भारत में माता-पिता बड़े बुजुर्गों को हमेशा भगवान ईश्वर अल्लाह का रूप दिया जाता रहा है,जिसका सटीक रूप भगवान राम, श्रवण जैसे अनेकों उदाहरण मौजूद है परंतु मुझे आज के युग में ऐसा महसूस हो रहा है कि यह सब अब कहानीयाँ व भूला बिसरा इतिहास बनता जा रहा है क्योंकि आज माता-पिता बड़े बुजुर्गों को सम्मान की बातें विलुप्तता की ओर चल पड़ी है। मैं आज यह बातें इसलिए कर रहा हूं क्योंकि आधुनिक युग में हम अनेकों पिताओं के नोटिस प्रिंट इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में भेजतेहैं कि इन्होंने अपनी औलाद को संपत्ति से बेदखल कर दिया है या फिर औलाद के द्वारा अपमान करने व खर्च नहीं देने के केस डालने सहित बुजुर्गों के साथ अनेकों समस्याएं बढ़ गई है कम से कम मैं तो प्रैक्टिकल में देखते ही रहता हूं व कोशिश करता हूं कि उनकी कुछ हेल्प कर सकूं जो आज के युवाओं को दिलों दिमाग में बैठाकर रेखांकित करना होगा कि जिस मां-बाप व बड़े बुजुर्गों ने उन्हें पाल-पोस्कर रोजगार पर लगाकर इस लायक बनाया है, कि वह ठसके के साथ जिये, परंतु आज नतीजा उल्टा हो गया है कि जिन्होंने उनको आज ठसके के लायक बनाया आज उनको ही ठस्का दिखाकर घर से देखा बेदखल कर या रोज अपमान करते रहने की बात इन शब्दों के साथ आ रही है कि,बुढ़ऊ तुमको क्या समझता है? दुनियाँ बदल गई है, तुम कुछ नहीं कर सकते, तुम चुपचाप बैठो, यह अपमान व जहर भरे शब्दों से की गई बातों का प्रचलन बढ़ गया है, यह मैं इसलिए कह रहा हूं क्योंकि 15 जून 2025 को हम विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस मना रहे हैं, इसलिए आओ हम मिलकर युवाओं को जागरूक करें कि यह बड़े बुजुर्ग ही तुम्हारे भगवान ईश्वर अल्लाह है। चूँकि बुजुर्गों के साथ हदें पार करता हुआ दुर्व्यवहार-समाज व सरकार द्वारा संज्ञान लेकर सख्त कार्रवाई करना जरूरी हो गया है,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोगसे इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, आज के युग में बुजुर्ग अपने ही घर परिवार वालों व औलाद से अपेक्षाकृत अधिक दुर्व्यवहार का डंक सहन कर चुप बैठे हैं जो,घर-घर की कहानी बनते जा रही है। साथियों बात अगर हम इस आधुनिक युग में विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस 15 जून 2025 की करें तो सबसे पहले मैं भारत में बुजुर्गों को उपलब्ध कानूनी सहायता के बारे में जानकारी देना चाहूंगा।सुप्रीम कोर्ट ने बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए कई नियम बनाए हैं, जिनमें प्रमुख है कि यदि बुजुर्गों की देखभाल न की जा रही हो या वे प्रताड़ना का शिकार हो रहे हों तो माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007 के तहत ट्रिब्यूनल बच्चों या रिश्तेदारों को घर से निकालने का आदेश दे सकता है, सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा है कि यह अधिकार कानून की धारा 23(2) में निहित है, जिसके तहत बुजुर्ग संपत्ति से भरण-पोषण का हकदार होता है, और यदि वह संपत्ति किसी को ट्रांसफर कर दे तो यह हक नए मालिक पर भी लागू होता है। 1 भरण-पोषण का अधिकार-- यदि कोई बुजुर्ग अपनी आय या संपत्ति से अपने खर्च नहीं उठा पा रहे हैं, तो वे अपने बच्चों, बहू या सौतेले बच्चों से भरण-पोषण की मांग कर सकते हैं।यह अधिकार उन्हें माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 के तहत प्राप्त है।कोई भी माता- पिता,चाहे वे जन्मदाता हों या सौतेले, यहां तक कि जिनके कोई संतान नहीं है, वे भी यह दावा कर सकते हैं। 2 संपत्ति वापसी का अधिकार-अगर किसी ने बुजुर्ग की संपत्ति धोखे से हड़प ली है या उन्हें गलत तरीके से हटाया गया है, तो वे इसे न्यायाधिकरण या सिविल कोर्ट के माध्यम से वापस पा सकते हैं।यदि संपत्ति बच्चों को केवल सेवा और देखभाल की शर्त पर दी गई थी, और वे उस दायित्व को पूरा नहीं कर रहे, तो बुजुर्ग कानूनी रूप से संपत्ति वापस ले सकते हैं। 3 दुर्व्यवहार के खिलाफ शिकायत का अधिकार- मारपीट, अपशब्द, मानसिक प्रताड़ना, इलाज से इनकार या आर्थिक शोषण, ये सभी कानूनी अपराध हैं। बुजुर्ग बुजुर्ग न्यायाधिकरण, जिला मजिस्ट्रेट या पुलिस थाने में लिखित शिकायत कर सकते हैं। शिकायत के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता और प्रक्रिया सरल है। संविधान और कानून भी बुजुर्गों के साथ-हमारे संविधान में भी बुजुर्गों की रक्षा के प्रावधान हैं: (1) अनुच्छेद 2- हर नागरिक को सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार (2) अनुच्छेद 41- सरकार बुजुर्गों के कल्याण की नीति बनाए।(3) एचएएमए अधिनियम 1956 की धारा 20- संतान अपने माता- पिता की देखभाल करने को बाध्य है (4) माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 लागू होना। साथियों बात अगर हम भारत में बुजुर्गों को मिली सुविधाओं की करें तो,भारत में वरिष्ठ नागरिकों की सहायता के लिए कई कल्याणकारी योजनाएँ हैं। ये योजनाएँ वित्तीय, स्वास्थ्य और सामाजिक ज़रूरतों को पूरा करने में मदद करती हैं। यहाँ भारत में वरिष्ठ नागरिकों के लिए कुछ महत्वपूर्ण योजनाएँ दी गई हैं:, बुजुर्गों के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीएचसीई): यह वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है। यह निवारक और प्रोत्साहन देखभाल पर ध्यान केंद्रित करता है।,वरिष्ठ नागरिकों के लिए एकीकृत कार्यक्रम (आई.पी.एस.आर.सी.) वृद्धाश्रमों, डे केयर सेंटरों और मोबाइल चिकित्सा इकाइयों को सहायता प्रदान करता है।इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना : गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले बुजुर्ग व्यक्तियों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है।राष्ट्रीय वयोश्री योजना: वरिष्ठ नागरिकों को नि:शुल्क शारीरिक सहायता और सहायक उपकरण प्रदान करती है।वरिष्ठ पेंशन बीमा योजना: आय सुरक्षा प्रदान करने के लिए बीमा योजना के माध्यम से पेंशन प्रदान करती है।कर लाभ: वरिष्ठ नागरिकों को आयकर अधिनियम के तहत उच्च छूट सीमा और कर कटौती मिलती है।ये योजनाएं सम्मान, कल्याण और सुरक्षा को बढ़ावा देने में मदद करती हैं। इन योजनाओं के बारे में जागरूकता ज़रूरी है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वरिष्ठ नागरिक और उनके परिवार को उनकी ज़रूरत के मुताबिक सहायता मिल सके। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार एक गंभीर मुद्दा है जो दुनिया भर में लाखों बुजुर्गों को प्रभावित करता है। यह दिन देखभालकर्ताओं, परिवारों और समुदायों को बुजुर्गों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार को पहचानने, रिपोर्ट करने और रोकने के बारे में शिक्षित करने का समर्थन करता है।यह दिवस यह सोचने का अवसर है कि हम अपने बुजुर्ग नागरिकों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं। आइए हम उनका सम्मान करने, उनकी रक्षा करने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लें। एक ऐसा समाज जो अपने बुजुर्गों को महत्व देता है, वह वास्तव में दयालु होता है। साथियों बात अगर हम विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस मनाने की करें तो, यह दुनिया भर में बुजुर्गों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार के बारे में जागरूकता फैलाने का दिन है। कई बुजुर्ग वयस्कों को दुर्व्यवहार और उपेक्षा का सामना करना पड़ता है, जो अक्सर छिपा रहता है।यह दिवस परिवारों, समुदायों और सरकारों को वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा के लिए कार्रवाई करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। यह दिवस एक बेहद परेशान करने वाले लेकिन अक्सर नज़र अंदाज़ किए जाने वाले मुद्दे को संबोधित करने के लिए वैश्विक स्तर पर कार्रवाई करने का आह्वान करता है: बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार, उपेक्षा और शोषण। यह दिन जागरूकता फैलाता है कि हर किसी को इस समस्या को समझना चाहिए और बुजुर्गों के लिए एक सम्मानजनक और सहायक वातावरण बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। साथियों बात अगर हम बड़े बुजुर्गों के सम्मान में दो शब्द बोलने की करें तो, किस्मत वाले होते हैं वह लोग जिनके सिर पर बुजुर्गों का हाथ होता है, वह घर घर नहीं रहता जहां कोई बुजुर्ग नहीं रहता, बुजुर्गों का आशीर्वाद अंणखुट खजाना है, घर में बुजुर्ग खुशी से हंसते हुए मिलते तो समझ लेना तुम से अमीर इस दुनिया में कोई नहीं!साथियों यह है हमारे बड़े बुजुर्गों का सम्मान! उनकी हुजूरी की खनक! जिसमें हमारा घर परिवार, गांव, शहर खुशहाली से हरा भरा रहता है, गमों की कोई सिलवट नहीं होती क्योंकि हमारे बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद, उनकी खुशी, दुआ हमारे लिए वह अंणखुट ख़ज़ाना है जिसके सामने सांसारिक मायावी खजाना कुछ नहीं है क्योंकि हमारी हजारों वर्षों पूर्व की संस्कृति नें ही हमें सिखाया है, बड़े बुजुर्गों की सेवा उनका सम्मान के तुल्य इस सृष्टि में कोई पुण्य और आध्यात्मिक सुख नहीं!साथियों मेरा मानना है कि इनके सामने हमारे ईश्वर अल्लाह गुरुवर आचार्य का पक्ष भी अपेक्षाकृत छोटा होता है क्योंकि हमारे सर्वश्रेष्ठ ईश्वर अल्लाह हमारे माता-पिता और बुजुर्ग हैं परंतु बदलते परिवेश में और पाश्चात्य संस्कृति के बढ़ते प्रकोप से इस आधुनिक डिजिटल युग में माता-पिता बड़े बुजुर्गों का आंकलन कम होते जा रहा है और दिखावों के स्तर पर बाहरी माहौल में आर्थिक शारीरिक मानसिक सेवाएं प्रदान कर अपने आप को महादानी करार दिए जाने की प्रथा चल पड़ी है जबकि घर के बड़े बुजुर्गों को हाशिए पर रखकर उनके विचारों को पुराना ज़माना बताकर अपमानित किया जाता है घर से निकाल दिया जाता है, वृद्धआश्रम में शिफ्ट किया जाता है! अब समय आ गया है कि बड़े बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार की गंभीरता को रेखांकित करना वर्तमान समय की मांग है।

**-किशन सनमुखदास भावनानीं**

# और कितने हादसों का इंतजार,मौत का ताबूत बनते हेलीकाप्टर ?

यूनेस्को चारधाम यात्राएं अंतिम यात्रा बनती जा रही हैं द्यऔर कितने हादसों का इंतजार, यह दर्दनाक हादसे कब रुकेंगे, मौत का मंजर थमता नजर नहीं आ रहा है प्रतिदिन देश में विमान हादसे होते जा रहे हैं द्य विमान मौत का ताबूत बनते जा रहे हैं। देश में हवाई यात्राएं असुरक्षित होती जा रही हैं हवाई यात्राओं को सुरक्षित बनाना होगा द्य बढ़ते हेलीकाप्टर हादसों से लोग खौफजदा हैं द्य एक बार फिर लाशों के ढेर लग गए केदारनाथ में रविवार को श्रद्धांलुओं का हेलीकाप्टर क्रैश हो गया जिसमें 7लोग मारे गए मरने वालों में एक 23माह का अबोध बच्चा भी हादसे में मारा गया द्य खुशी खुशी पर जा रहे लोगों ने सपने मै भी नहीं सोचा होगा की यह चारधाम यात्रा अंतिम यात्रा बन जाएगी द्य हेलीकाप्टर क्रैश के लगातार हो रहे हादसों पर संज्ञान लेना चाहिए और लापरवाही बरतने वालों पर शिकंजा कसना चाहिए जो लोगों को मौत बाँट रहे हैं।

परिवार के परिवार खत्म हो रहे हैं पिछले काफी समय से यह हादसे बदस्तूर जारी हैं दर्जनों हादसे हो चुके हैं। निजी कम्पनीयां मुनाफा कमाने के चक्कर में यात्रियों को मौत के मुँह में धकेल रही है द्य बढ़ते हादसों को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने होंगे द्य हेलीकाप्टर के बढ़ते हादसों से असमय ही बेमौत मारे जा रहे हैं द्य इस घटना ने सवाल खड़े कर दिये हैं कि बार-बार हो रहे इन हादसों के कारण क्या है इस घटना ने यह प्रमाणित कर दिया है कि बीती घटनाओं से न तो सरकार ने सबक सिखा और न ही लोगों ने सीखा। पिछले कई सालों से ऐसे दर्दनाक हादसे हो रहे हैं सरकारें ऐसी घटनाओ के बाद मुआवजों की घोषणा करने तथा जांच के आदेश देने में देरी नहीं करती। देश में प्रतिदिन ऐसे मर्मातंक हादसे होते है मगर सुधार नहीं होता ।

इन हादसों में सैंकड़ों बच्चे अनाथ हो गए और कई मां-बहनों का सिदूर मिट गया और बहनों के भाई मारे गए।केन्द्र सरकार को इन हादसों के संदर्भ में छानबीन करवानी चाहिए तथा दोषियों को सजा देनी होगी। समय रहते इन हवाई घटनाओं को रोकने के लिए कारगर कदम उठाने होगें ताकि भविष्य में ऐसी दर्दनाक हादसों पर विराम लग सके।अगर अब भी सरकार ने लापरवाही बरती तो निदोर्ष लोग हवाई हादसों बेमौत मरते रहेगें।ऐसे हादसो पर रोक के लिए पुख्ता इंतजाम किए जाए ताकि भविष्य में ऐसे दर्दनाक घटनाओं की पुनरावृति न हो सके। यह राष्ट्हित मै है।

**- नरेंद्र भारती**

## इन्दौर बाजार भाव

**इन्दौर।** निचले भावों पर पूछपरख से गुरूवार को अनाज मंडी में मूंग बाजार तेजी पर रहे। चना मजबूत बना रहा। खाद्य तेलों में व्यापार की मात्रा सामान्य रही। तिलहनों में सोयाबीन बना रहा। किराना जिंसों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार मूंग में निचले भावों पर लिवाली से बाजार 100-150 रू. प्रति क्विंटल की तेजी आयी और बाजार 7100-7300 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। चना 5750-5800 रू. प्रति क्विटल पर मजबूत रहा। खाद्य तेलों में व्यापार की मात्रा सामान्य ही रही। तिलहनों में सोयाबीन 4300 रू. प्रति क्विटल पर बना रहा। उधर, किराना जिंसों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। शक्कर में हल्की-फुल्की लेवाली रही। भाव इस प्रकार रहे-

**किराना**- शक्कर 4110-4140, खोपरा गोला 255-285, खोपरा बूरा 4200-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275-283, मीडियम 287-292, बेस्ट 300-310, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 150-200, सांगली 250-255, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 6900-7100, सौंफ मोटी 100-130, बेस्ट 185-285, एस्ट्रा बेस्ट 340-450, सौंफ बारिक 290-350, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1200, क्लीन 1350-1600, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1850, बेस्ट 1950-2050, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 900-950, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 870-900, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 830-860, टुकड़ी 750-800, बादाम मगज 870-925, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-2950, (160) 3450-3500, (200) 4000-4050, (250) 4000-4050

**तेल**- सींगदाना 1370-1390, मुम्बई 1420, राजकोट तेलिया 2225, सोया साल्वेंट 1110-1115, सोया रिफाइंड 1175-1180, कपास्या 1205, धूलिया 1210, कड़ी 1200,

**रात की धारणा**- गुजरात लुज 1375, मुम्बई पाम 1200, मुम्बई सोया 1220,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विंटल)

**तिलहन**- सरसो 6300, रायडा 5600, सोयाबीन 4300, टोली (महुआ बीज) 4300-4400, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

**दलहन**- चना कांटेवाला बेस्ट 5750-5800, एवरेज 5000-5100, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशियन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5900-6000, मूंग देशी 6800-6900, पाला 6900-7000, चमकी 7000-7100, नायलोन 7200-7300, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

**दाल**- चना दाल एवरेज 7300-7500, बोल्ड 7700-8100, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

**अनाज**- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

**चावल**- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

**मावा**- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

## इन्दौर सराफा बाजार

**इन्दौर।** गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार सामान्य ही रहा। दोनों कीमती धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 105000, चाँदी (99) 104900, टंच 104300, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 98600,

## रुपया गिरावट पर बंद

**मुंबई।** अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 25 पैसे की गिरावट के साथ ही 86.74 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 45 पैसे की गिरावट के साथ ही 86.49 पर बंद हुआ था। कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और मजबूत डॉलर के दबाव को दरकिनार करते हुए रुपया गत दिवस शुरुआती कारोबार में 11 पैसे की बढ़त के साथ 85.93 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 85.96 पर खुला। फिर 85.93 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की बढ़त दिखाता है।

## आज का राशिफल

**मेष**- आज का दिन आपके लिए वाणी और व्यवहार पर संयम बनाए रखने के लिए रहेगा। बिजनेस में आपको मन मुताबिक लाभ मिलने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा, लेकिन यदि आप नौकरी में बदलाव की सोच रहे हैं, तो फिलहाल आप रुक जाएं और आपको किसी पुराने खर्चों पर पूरा ध्यान देना होगा। आर्थिक दृष्टिकोण से आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा।

**वृषभ**- आज आप किसी संपत्ति का सौदा बहुत ही ध्यान से करें और उसके चल व अचल पहलुओं को स्वाधीनता से जांचना होगा। आप किसी अजनबी से कोई लेनदेन ना करें। पिताजी यदि काम को लेकर आपको कोई सलाह दें, तो आप उस पर अमल अवश्य करें, वह आपके लिए अच्छी रहेगी। आपको कार्यक्षेत्र में कामों को लेकर भागदौड़ अधिक रहेगी। आप अपने जीवनसाथी से अपने आगे के भविष्य को लेकर बातचीत कर सकते हैं।

**मिथुन**- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आपको सरकारी नौकरी में प्रमोशन मिलने से एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है। आप अपनी योजनाओं को लेकर यदि परेशान थे, तो वह आपके लिए अच्छी रहेगी। संतान के करियर को लेकर आपको चिंता हो सकती है, जिसके लिए आप उनके गुरुजनों से भी बातचीत कर सकते हैं। आपको किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने का मौका मिले, तो आवश्यक करें।

**कर्क**- आज का दिन आपके लिए मन मुताबिक लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपकी बिजनेस की कोई लंबे समय से रुकी हुई टीम फाइनल हो सकती है,जो आपको खुशी देगी। संतान को किसी नई नौकरी की प्राप्ति हो सकती है। आप किसी से उधार का लेनदेन ना करें। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। आपको अपने कामों को लेकर योजना बनाकर चलना होगा। आपको किसी सरकारी योजना में धन लगाना बेहतर रहेगा।

**सिंह**- आज आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती हैं। आप किसी मकान या वाहन आदि की खरीदारी कर सकते हैं, जो आपके लिए अच्छी रहेगी। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों की अपने साथियों से खूब पटेगी। आप अपने आस-पड़ोस में किसी वाद-विवाद मे ना पड़ें। वाहनों का प्रयोग आपको सावधान रहकर करना होगा। आपका कोई काम यदि लंबे समय से अटका हुआ था, तो आप उसे निपटाने की पूरी कोशिश करें।

**कन्या**- आज का दिन आपके लिए स्वास्थ्य में चल रही समस्याओं पर पूरा ध्यान देने के लिए रहेगा। कार्यक्षेत्र में आप शीघ्रता और भावुकता में कोई निर्णय न लें। आपको किसी विपरीत परिस्थिति में भी धैर्य बनाए रखने की आवश्यकता है। आपको अपने बॉस से रिश्तों में मधुरता लानी होगी। यदि वह आपको कोई जिम्मेदारी दें, तो आप उसमें लापरवाही बिल्कुल ना करें।

**तुला**- आज का दिन आपके लिए उत्साहपूर्ण रहने वाला है। प्रेम और सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। धार्मिक कामों में आप बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। जीवनसाथी के साथ कुछ रोमांटिक समय व्यतीत करेंगे। आपको किसी सदस्य से कोई बात बहुत ही सोच समझकर बोलनी होगी। लापरवाही के कारण आपकी समस्याएं बढ़ सकती है। यदि आप किसी प्रॉपर्टी की खरीदारी करने की सोच रहे हैं, तो वह आप कर सकते हैं।

**वृश्चिक**- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। लेनदेन से संबंधित मामलों में आपको थोड़ा ध्यान देना होगा। आपको किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलने का मौका मिलेगा, जिससे आपके मन में खुशियां रहेंगी। परिवार में किसी सदस्य को कोई पुरस्कार मिलने से माहौल खुशनुमा रहेगा। भाई और बहनों से आप परिवारिक बिजनेस को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं। आपको अपने सहयोगियों से मन की बात करने का मौका मिलेगा।

**धनु**- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आप काम को लेकर थोड़ी टेंशन ले सकते हैं। आपके खर्च अधिक रहने से आप थोड़ा परेशान रहेंगे। आपको किसी कुछ विशेष व्यक्तियों से मिलने का मौका मिलेगा। आर्थिक दृष्टिकोण से दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आप आज खर्च अधिक करेंगे। आपके ऊपर काम का दवाब अधिक रहने से आप परेशान रहेंगे। आप अपने घर किसी नए बिजली के उपकरण को लेकर आ सकते हैं।

**मकर**- आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। बिजनेस कर रहे लोगों की आय बढ़ेगी, जो आपको खुशी देगी। आप अपने मनपसंद भोजन का आनंद लेंगे। आपको कुछ विशेष व्यक्तियों से मिलने का मौका मिलेगा। ससुराल पक्ष से आपको धन लाभ मिलता दिख रहा है। घूमने फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। आपको किसी परिजन की कोई बात बुरी लग सकती है। आपकी कुछ नया करने की कोशिश रंग लाएगी।

**कुंभ**- आज का दिन आपके लिए पद-प्रतिष्ठा को बढ़ाने वाला रहेगा। आप दोस्तों के साथ किसी पार्टी आदि को करने की योजना बना सकते हैं। आपको अपने कामों को लेकर तालमेल बनाकर चलने की आवश्यकता है। भाई-बहनों का आपके कामों में पूरा साथ मिलेगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई-लिखाई में लापरवाही करने से बचना होगा। माताजी आपसे किसी चीज की फरमाइश कर सकती हैं, जिसे आप पूरी अवश्य करें।

**मीन**- आज का दिन आपके लिए सुखमय रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आप कुछ नया सीखने की कोशिश में लगे रहेंगे। आप राजनीति में भी हाथ आजमाने की सोचेंगे। आप परिवार के सदस्यों को कहीं घुमाने लेकर जा सकते हैं। यदि आपका प्रॉपर्टी को लेकर कोई मामला अटका हुआ था, तो वह भी सुलझ सकता है। आप अपने आलस्य को दूर करके काम करने की कोशिश करें।

## शब्दजाल - 7935

शब्दजाल में दस सफल अभिनेत्रियों के नाम ढूंढिए. दिये गए नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| जी | न | त | अ | मा | न | र | तू | ग | झ | डि |
| ज | प्री | ल | म | आ | ज | या | भा | दु | ड़ी | प |
| अं | ती | नु | दि | ल | दा | ल | व | र | ला | ल |
| ज | जिं | का | जो | ल | ला | क | ही | रि | श | क |
| स | व | श | दे | रा | खी | स | दा | ग | वी | पा |
| रीं | र | ल | चु | व | लि | र्त | र | ती | प | ड़ि |
| रा | गा | ल | के | गा | प | म | ह | कौ | या | या |
| नी | वा | रे | खा | त | क | छ | मा | ग | श | थ |
| मु | स | मि | न | व | न | ज | न | शा | जू | द |
| ख | र | ल | म | ह | र | औ | के | स | प | ना |
| जी | ऐ | श्व | र्या | रा | य | य | या | दु | र | क |

जीनत अमान, वहीदा रहमान, रेखा, जया भादुड़ी, राखी, प्रीती जिंटा, रानी मुखर्जी, काजोल, डिंपल कपाड़िया, ऐश्वर्या राय

### शब्दजाल - 7934 का हल

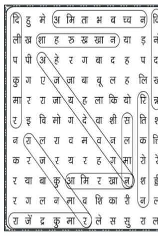

## फिल्म वर्ग पहेली- 6879

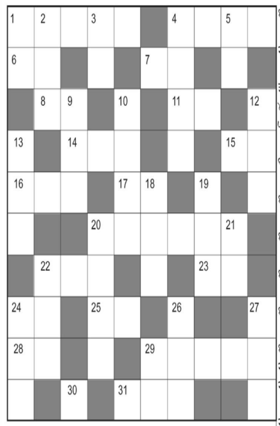

**बायें से दायें:-**

१. अमिताभ, जया की 'ये जुल्फ कैसी है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. 'सीमायें बुलाये तुझे' गीत वाली जे.पी.दत्ता की युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी एक मल्टीस्टारर फिल्म-२,१,१
६. फिल्म 'साया' में नायिका कौन थी-२
७. 'झमका चाँदी दा' गीत वाली मनोज, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
८. अभिषेक, अंतरा माली की 'बेरंग जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२
११. फिल्म 'जीवनमृत्यु' में नायिका थी-२
१४. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फराजखान, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आज मदहोश हुआ जाये' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
१७. संजय कपूर, रवीना, अदिति की 'हंसता है रूलता' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'सनन सनन साय साय हो' गीत वाली गोविंदा, रमैया की फिल्म-४,२
२२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'तू कल चला' गीत वाली संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम ढिल्लों की फिल्म-२
२४. जैकी, सुनील शेट्टी, डिनो, करिश्मा की 'ऐ सुबह तू' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'हुस्ने जाना इधर आ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-२
२८. देवआनंद, गीता बाली की 'चांदनी रातें प्यार की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जिनके पास हाथी घोड़ा' गीत वाली राजकुमार, लीना की फिल्म-२,१,२
३०. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली फिल्म-१
३१. 'लड़की जो आए बाजार में' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मनीषा की फिल्म-३

**ऊपर से नीचे:-**

१. 'नदिया किनारे आआ' गीत वाली संजय दत्त, आफताब, नंदिता की फिल्म-२
२. ऋषिकपूर, माधुरी दीक्षित की 'जाने वो कैसा चोर था' गीत वाली फिल्म-३
३. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-२
४. अक्षय, करीना कपूर, प्रियंका की फिल्म-४
५. 'दिल दिया है तुझे' गीत वाली अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-२
९. राहुल बोस, करीना कपूर की 'जाने क्यूं हमको' गीत वाली फिल्म-३
१०. राजकपूर, परवीन की 'आपसा कोई हसीन' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'तोता मैना की कहानी' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१३. मिलिंद सोमण, किरण झवेर की 'जीना है तेरी' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'सुलगे हुए हैं' गीत वाली जिमी, इरफान, ऋषिता, नम्रता की फिल्म-३
१९. फिल्म 'अवतार' में राजेश की नायिका ?-३
२०. 'नहीं ये हो नहीं सकता' गीत वाली फिल्म-४
२१. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, मधु, सीमा की 'आई सी यू बेबी' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'रंग और नूर की बारात' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
२४. नसीर, फारूख शेख, स्मिता की फिल्म-३
२६. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२७. शाहरूख, माधुरी की 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२

### फिल्म वर्ग पहेली- 6878

Jagrutidaur.com, Bangalore

## दैनिक पंचांग

**20 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**

| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | मिथुन में | मिथुन | 04.55 बजे से |
| चंद्र | मीन में | कर्क | 07.12 बजे से |
| मंगल | सिंह में | सिंह | 09.28 बजे से |
| बुध | मिथुन में | कन्या | 11.40 बजे से |
| गुरु | मिथुन में | तुला | 13.51 बजे से |
| शुक्र | मेष में | वृश्चिक | 16.05 ब.से |
| शनि | मीन में | धनु | 18.21 बजे से |
| राहु | कुंभ में | मकर | 20.27 बजे से |
| केतु | सिंह में | कुंभ | 22.13 बजे से |
| | | मीन | 23.46 बजे से |
| | | मेष | 01.16 बजे से |
| | | वृष | 02.56 बजे से |

**राहुकाल** 10.30 से 12.00 बजे तक

**शुक्रवार** 2025 वर्ष का 171 वा दिन
**दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
**विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947
**मास** आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
**पक्ष** कृष्ण
**तिथि** नवमी 09.50 बजे को समाप्त।
**नक्षत्र** रेवती 21.45 बजे को समाप्त।
**योग** शोभन 23.47 बजे को समाप्त।
**करण** गर 09.50 बजे तदनन्तर वणिज 20.37 बजे को समाप्त।
**चन्द्रायु** 23.9 घण्टे
**रवि क्रान्ति** उत्तर 23° 26'
**सूर्य** उत्तरायन
**कलि अहर्गण** 1872381
**जूलियन दिन** 2460846.5
**कलियुग संवत्** 5125
**कल्पारंभ संवत्** 1972949123
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123
**वीरनिर्वाण संवत्** 2551
**हिजरी सन्** 1446
**महीना** जिल्हेज
**तारीख** 23

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| चर | 05.55 से | 07.23 बजे तक | रोग | 05.38 से | 07.1 बजे तक |
| लाभ | 07.23 से | 08.51 बजे तक | काल | 07.11 से | 08.43 बजे तक |
| अमृत | 08.51 से | 10.19 बजे तक | लाभ | 08.43 से | 10.15 बजे तक |
| काल | 10.19 से | 11.47 बजे तक | उद्वेग | 10.15 से | 11.47 बजे तक |
| शुभ | 11.47 से | 01.15 बजे तक | शुभ | 11.47 से | 01.19 बजे तक |
| रोग | 01.15 से | 02.43 बजे तक | अमृत | 01.19 से | 02.51 बजे तक |
| उद्वेग | 02.43 से | 04.10 बजे तक | चर | 02.51 से | 04.23 बजे तक |
| चर | 04.10 से | 05.38 बजे तक | रोग | 04.23 से | 05.55 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

## प्रसंगतः प्रेम की भाषा

काशी के एक संत अपने आश्रम में शिष्य पारंगत के साथ रहते थे। उसने आश्रम में बीस साल रह कर ढ़ेर सारा ज्ञान अर्जित किया। एक दिन संत ने कहा, 'वत्स पारंगत, तुमने बहुत समय तक मेरी सेवा की है। इस अवधि में मेरे पास भी जो कुछ न था, वह सब मैंने तुम्हें सिखला दिया है। तुम और ज्ञान अर्जित करो इसलिए मैंने फैसला किया है कि तुम कुछ समय के लिए देशाटन जाओ। देश के तीर्थ स्थलों का भ्रमण करो और देश की अधिकाधिक भाषाएं सीख कर वापस आओ।' पारंगत देशाटन पर निकल पड़ा। कई वर्ष बीत गए उसे भ्रमण करते हुए। इस अवधि में उसने विभिन्न प्रदेशों का भ्रमण किया। देश की सभी भाषाएं भी सीखी और कुछ घन भी एकत्रित करके एक दिन आश्रम लौट आया। उसने सोचा कि गुरु जी को जब पता चलेगा कि उनका शिष्य आश्रम के लिए घन में कमा कर लाया है तो बहुत खुश होंगे। वह आश्रम में गुरु जी के पास गया। गुरु जी रुग्णावस्था में तख्त पर लेटे थे। गुरु को इस हालत में देश कर उसे एक बार दुख तो हुआ लेकिन उत्साह में उसने गुरु को प्रणाम करके कहा, 'गुरुवर, मैं देश की सभी भाषाएं सीख ली है और आश्रम में लिए धन कमा का भी लाया हूं।' संत शांत भाव से उसकी बातें सुनते रहे फिर बोले, 'वत्स, क्या तुम्हें कभी कोई ऐसा व्यक्ति भी मिला जो बेवश, लाचार होकर भी दूसरों की मदद कर रहा हो। क्या तुम्हें कोई ऐसी मां मिली, जो अपने शिशु को भूखा रोता देख कर अपना दूध रहित स्तन उसे पिला रही हो।' पारंगत ने कहा, 'ऐसे लोग तो हर जगह मिले थे।' गुरु ने कहा, 'क्या तुम्हारे मन में उनके लिए किसी तरह की सहानुभूति जगी थी। क्या तुमने प्रेम का एकाध शब्द उनसे कहे।' उसने कहा, 'गुरुवर, मैं इस झमेले में पड़ता तो आप के आदेश का पालन कैसे करता। मेरे पास इतनी फुर्सत नहीं थी कि मैं इस ओर ध्यान देता।' संत ने कहा, 'वत्स पारंगत, तुमने बहुत सारी भाषाएं तो सीख ली, धन भी कमाया लेकिन उस अमूल्य भाषा को नहीं सीख पाए जिसके लिए मैंने तुम्हें भेजा था। तुम अब भी प्रेम, करुणा और सहानुभूति की भाषा से वंचित हो। यदि ऐसा नहीं होता तो तुम दुखियों का दुख देख कर भी अनदेखा नहीं करते। यहां तक कि तुमने अपने गुरु को भी रुग्णावस्था में देख कर भी कुशल क्षेम जाने बिना अपनी कहानी सुनाने लगे।' पारंगत गुरु का भाव समझ गया और अज्ञानता के लिए क्षमा मांग कर उलटे पांव लौट कर अज्ञात दिशा की तरफ चला गया।

## सूडोकु नवताल- 7188

★☆☆☆☆ सरल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 9 | | | 3 | | | 8 | 7 |
| 8 | 7 | | 1 | | 5 | | | |
| | | 2 | | | 9 | | | 4 |
| | 6 | | | | 2 | | 3 | 5 |
| 3 | 8 | | 4 | 1 | 7 | | 2 | 9 |
| 2 | 4 | | 6 | | | | 1 | |
| 7 | | | 3 | | | 8 | | |
| | | | 5 | | 8 | | 7 | 3 |
| 9 | 3 | | | 2 | | | 6 | 1 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

### सूडोकु नवताल -7187 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 4 | 8 | 3 | 9 | 2 | 1 | 5 | 6 |
| 2 | 6 | 9 | 5 | 7 | 1 | 8 | 4 | 3 |
| 3 | 1 | 5 | 4 | 8 | 6 | 7 | 2 | 9 |
| 5 | 7 | 4 | 8 | 6 | 9 | 3 | 1 | 2 |
| 8 | 9 | 1 | 2 | 3 | 4 | 6 | 7 | 5 |
| 6 | 3 | 2 | 1 | 5 | 7 | 4 | 9 | 8 |
| 4 | 8 | 7 | 6 | 2 | 5 | 9 | 3 | 1 |
| 9 | 2 | 6 | 7 | 1 | 3 | 5 | 8 | 4 |
| 1 | 5 | 3 | 9 | 4 | 8 | 2 | 6 | 7 |

## शब्द पहेली - 8403

**बाएँ से दाएँ**

1. ओस की बूंदे (उर्दू-4)
3. आसमान, गगन-3
5. निम्न, जो स्तरीय न हो-4
8. रात्रि, निशा-2
10. सिलना, छाती
11. नश, नाड़ी-2
13. एक समाज सुधारक जिनके दोहे काफी प्रसिद्ध हैं-2
15. इसे आंखों में लगाते हैं-3
16. प्रभाव-3
17. समीप, पास, नजदीक-3
19. भगवान, खुदा-2
20. जानवर इसे खाते हैं-2
21. होठ, अधर-2
23. लूटपाट, डाका-4
25. प्रकार-3
26. बेबस, लाचार-4

**ऊपर से नीचे**

1. चिंगारी, अंगारा-3
2. मस्ती में चूर-2
3. इज्जत, साख-2
4. तलवार (उर्दू-4)
6. रसदार, रस से भरा-3
7. मेहंदी, ऋषि कपूर की फिल्म-2
9. सब्जी, भाजी-4
13. कमी-3
14. अकबर के एक हिंदू सलाहकार-4
17. अचरज भरा कार्य-4
18. वायुसेना के एक विमान का नाम-3
20. चाहत, प्रेम-2
22. ऋतुराज, मौज-मस्ती-3
23. रास्ता, डगर-2
24. एक पेड़ जिसकी टहनी से दातुन करते हैं-3

### शब्द पहेली - 8402 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

# शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भी गिरावट पर बंद हुआ। इस प्रकार लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में बाजार में गिरावट रही। आज सुबह दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच ही ईरान और इजरायल के बची संघर्ष बढ़ने से भी निवेशक बाजार से दूर रहे। इस कारण बाजार नीचे आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 82.79 अंक की गिरावट के साथ ही 81,361.87 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 18.80 अंकों की गिरावट के साथ ही 24,793.25 अंकों पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। आज सेंसेक्स की 30 में से केवल 8 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि बाकी की सभी 22 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। इसी तरह, निफ्टी 50 की 50 में से सिर्फ 17 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए और बाकी की सभी 33 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ बंद हुए। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर सबसे ज्यादा 1.57 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए जबकि अडाणी पोर्ट्स के शेयर आज सबसे ज्यादा 2.50 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में आज टाइटन के शेयरों में 0.74 फीसदी, मारुति सुजुकी 0.45 फीसदी, भारती एयरटेल 0.43 फीसदी, लार्सन एंड टुब्रो 0.32 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 0.31 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.13 फीसदी की बढ़त रही। वहीं बजाज फाइनेंस के शेयर 2.19 फीसदी,

टेक महिंद्रा 1.95 फीसदी, इंडसइंड बैंक 1.73फीसदी, नेस्ले इंडिया 1.28 फीसदी, भारतीय स्टेट बैंक 1.13 फीसदी, एनटीपीसी 1.07 फीसदी, बजाज फिनसर्व 1.05 फीसदी, टाटा स्टील 0.99 फीसदी, इंफोसिस 0.95 फीसदी, टीसीएस 0.89 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.58 फीसदी, पावरग्रिड 0.50 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.41 फीसदी रही। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला। बाजार में इस गिरावट का कारण अमेरिका के फेडरल रिजर्व का ब्याज दरों को यथावत बनाए रखना, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव, निफ्टी एफएंडओ की एक्सपायरी आदि रही। सुबह करीब 7ः30 बजे गिफ्ट निफ्टी वायदा 60 अंकों की गिरावट के साथ 24,766 के स्तर पर ट्रेड कर रहा था, जो बाजार में नकारात्मक शुरुआत का संकेत दे रहा है। एशिया-पैसिफिक बाजारों में भी गिरावट दर्ज की गयी है। निवेशकों की नजर एक ओर जहां अमेरिका की मौद्रिक नीति पर है, वहीं दूसरी ओर इजरायल-ईरान संघर्ष को लेकर बाजार टूटा है।

## अहमदाबाद हादसे के बाद एयर इंडिया ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में की कटौती

नई दिल्ली। अहमदाबाद विमान हादसे के बाद एयर इंडिया ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में 15 फीसदी कटौती का फैसला किया है। ये फैसला अभी से लागू होगा और कम से कम 15 जुलाई तक जारी रहेगा। कंपनी ने कहा कि ये कदम यात्रियों की सुरक्षा और उड़ानों की स्थिरता को ध्यान में रखते हुए लिया गया। पिछले छह दिनों में एयर इंडिया की 83 फ्लाइट्स रद्द हो चुकी है। एयर इंडिया के पास 33 बोइंग 787-8 और 787-9 विमान हैं। इनमें से 26 विमानों की सुरक्षा जांच पूरी हो चुकी है और उन्हें सेवा के लिए मंजूरी मिल गई है। बाकी विमानों की जांच अगले कुछ दिनों में पूरी कर ली जाएगी। एयर इंडिया ने कहा है कि वह अपने बोइंग 777 विमानों की भी अतिरिक्त सुरक्षा जांच करेगी ताकि कोई जोखिम न रहे। कंपनी ने बताया कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, यूरोप और पूर्वी एशिया के कई देशों में रात के समय उड़ानों पर पाबंदी और सुरक्षा जांचों के कारण अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में बाधाएं आई हैं। इसके चलते इंजीनियरिंग स्टाफ और पायलट भी सावधानी बरत रहे हैं। 12 जून को हुआ अहमदाबाद विमान हादसा भारत के इतिहास की सबसे बड़ी हवाई दुर्घटनाओं में से एक बन गया है। फ्लाइट एआई171 अहमदाबाद से लंदन जा रही थी लेकिन टेकऑफ के कुछ ही मिनटों बाद क्रैश हो गई। हादसे में 241 यात्रियों और क्रू की मौत हो गई, साथ ही जमीन पर मौजूद डॉक्टर मेस में 30 से ज्यादा लोग भी इसकी चपेट में आ गए। एयर इंडिया ने कहा कि हम अब भी एआई171 फ्लाइट में मारे गए 241 यात्रियों और क्रु मेंबर्स के दुख में डूबे हुए हैं। हमारी संवेदनाएं उन सभी परिवारों और समुदायों के साथ हैं जो इस दर्दनाक हादसे से प्रभावित हुए हैं। कंपनी ने भरोसा दिलाया कि आगे भी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी और सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

## अब देश में सभी मोबाइल नंबरों के लिए केवॉयसी अनिवार्य, सरकार ने लिया फैसला

नई दिल्ली। सरकार ने मोबाइल सेवाओं में पारदर्शिता और सुरक्षा को लेकर बड़ा फैसला किया है। अब देश में सभी मोबाइल नंबरों के लिए केवॉयसी यानी नो योर कस्टमर प्रक्रिया को पूरी तरह अनिवार्य कर दिया है। सरकार के इस फैसला विशेष रूप से उन उपभोक्ताओं पर असर पड़ेगा जो अब तक बिना पूरी पहचान के प्रीपेड सिम कार्ड ले लेते थे। पहले तक प्रीपेड ग्राहकों को कुछ हद तक केवॉयसी में छूट दी गई थी, लेकिन अब यह छूट पूरी तरह से समाप्त कर दी गई है। अब चाहे मोबाइल नंबर प्रीपेड हो या पोस्टपेड, ग्राहक को पहचान और पते का प्रमाण भी देना ही होगा। यह प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से जैसे टेलीकॉम कंपनियों की वेबसाइट या ऐप के जरिए या फिर ऑफलाइन टेलीकॉम स्टोर्स पर जाकर पूरी की जा सकती है। सरकार का कहना है कि यह कदम देश में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए उठाना जरुरी था। मोबाइल नंबरों का दुरुपयोग टेरर फंडिंग, मनी लॉन्ड्रिंग और साइबर फ्रॉड जैसी गतिविधियों में किया जाता है। बिना केवॉयसी वाले नंबर इन अपराधों में सहायक हो सकते हैं, इसलिए इस फैसले से इन पर काफी हद तक नियंत्रण लगेगा। इसके अलावा हर मोबाइल नंबर एक वैध और प्रमाणित व्यक्ति से जुड़ा होगा, जिससे सरकार को आपातकालीन सेवाओं और कल्याणकारी योजनाओं की डिलीवरी में भी मदद मिलेगी। इस नए नियम का असर प्रीपेड मोबाइल यूजर्स पर पड़ेगा। उन्हें अब सिम खरीदते समय पूरी केवॉयसी प्रक्रिया से गुजरना होगा। यह प्रक्रिया थोड़ी समय लेने वाली और असुविधाजनक लग सकती है, लेकिन सरकार का मानना है कि इससे लंबे समय में आम नागरिकों को ही फायदा होगा।

# 15 साल बाद भी डंप यार्ड नहीं! लांजी में कचरे से हाहाकार

## नगर परिषद नहीं उठा रही कचरा, जनता बेहाल

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी ग्राम पंचायत को नगर परिषद का दर्जा मिले 15 साल हो चुके हैं, लेकिन नगर में अब तक एक स्थायी डंप यार्ड की व्यवस्था नहीं हो पाई है। इस लापरवाही का सीधा असर नागरिकों पर पड़ रहा है। नगर परिषद के पास कचरा फेंकने के लिए कोई निर्धारित स्थान नहीं है, जिस कारण वह अब घरों से कचरा उठाने में भी असमर्थ हो चुकी है। परिणामस्वरूप नगर के अधिकांश मोहल्लों और गलियों में कचरे के ढेर लग चुके हैं, जिससे नागरिकों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस स्थिति के खिलाफ हाल ही में भिलाई रोड स्थित कालीमाटी क्षेत्र में बनाए गए अस्थायी डंप यार्ड को लेकर स्थानीय नागरिकों ने जोरदार प्रदर्शन किया। लोगों का कहना है कि अस्थायी डंप यार्ड से फैली गंदगी और बदबू से उनका जीना मुश्किल हो गया है। वहीं दूसरी ओर नगर परिषद द्वारा नियमित रूप से कचरा न उठाए जाने के कारण हालात और बिगड़ते जा रहे हैं। नागरिकों ने बताया कि नगर परिषद की निष्क्रियता के चलते उन्हें अपने घरों में कचरा जमा करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर कचरा खुले में सड़कों पर फैला पड़ा है, जिससे बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। हम रोज़ शिकायत

करते हैं, लेकिन कचरा उठाने कोई नहीं आता, एक स्थानीय महिला ने बताया।

### स्थायी डंप यार्ड के लिए भूमि चयन प्रक्रिया चल रही है

नगर परिषद के स्वच्छता निरीक्षक राजेश मिश्रा का कहना है कि स्थायी डंप यार्ड के लिए भूमि चयन प्रक्रिया चल रही है। जब तक कोई पक्की जगह नहीं मिलती, तब तक कचरे का निस्तारण अस्थायी स्थलों पर ही किया जा रहा है। कचरा नहीं उठाने की समस्या पर कहा कि अस्थाई डम्पिंग यार्ड भिलाई रोड़ पर बनाया गया है, किन्तु हमारे पार्षद दिनेश कचवाहे के द्वारा रंजिश वश वहां कचरा डलवाने से मना कर रहा है।

स्थानीय नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही कचरा उठाने की प्रक्रिया बहाल नहीं हुई और डंप यार्ड की स्थायी व्यवस्था नहीं की गई, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे।

15 वर्षों में एक डंप यार्ड तक न बना पाना स्थानीय शासन की गंभीर विफलता को उजागर करता है। नगर की बिगड़ती सफाई व्यवस्था ने लांजी की तस्वीर को बदसूरत बना दिया है। अब जनता को सिर्फ आश्वासन नहीं, समाधान चाहिए।

# कुएं में मिला रविन्द्र का शव

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी थाना अन्तर्गत ग्राम चिखलामाली निवासी रवीन्द्र पिता अनंतराम उईके उम्र 50 वर्ष का शव ग्राम के ही कुंऐ में तैरता हुआ दिखाई दिया जिसकी सूचना पर लांजी पुलिस ने पंहुचकर शव को परिजनों एवं ग्रामीणों की सहायता से बहार निकाला तथा शव को पोस्टमार्टम हेतु सिविल अस्पताल लांजी लाया गया जहां पीएम उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया गया। घटना के संबध में सूचना कर्ता रतिराम जो मृतक का काका भाई है ने बताया कि 18 जून को तकरीबन 3 बजे मेरे काका का लड़का रवीन्द्र उइके जो कि करीब 6 माह से बिमार था जिसका पेट का ऑपरेशन गोंदिया में कराये थे। ऑपरेशन के बाद भी रवीन्द्र की हालत में सुधार नही था ऑपरेशन के बाद मुंह से आवाज नही निकलती थी ईशारों में बात करताा था। 18 जून को दोपहर करीब 3 बजे घर में बिना बताये कंही चला गया जिसकी तलाश पतासाजी की जा रही थी गांव सहित खेत एवं कुंओ मे तलाशी गई तो गांव के सुभाष रहांगडाले के खेत के कुंऐं में रात्री 9 बजे रवीन्द्र का शव कंऐ मे तैरता दिखाई दिया। उक्त सूचना में मेरे द्वारा ग्राम के सरपंच को दी गई तथा आस पडोंस में जानकारी देकर पुलिस को सूचित किया गया पुलिस के द्वारा घटना स्थल पर पंहुचकर शव को ग्रामीणों की सहायता से बहार निकाल जाकर शव को पीएम हेतु सिविल अस्पताल लांजी लाया गया तथा मर्ग पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। ऐसा अंदाजा लगाया जा रहा है कि अपनी बिमारी से तंग आकर रवीन्द्र ने आत्महत्या कि होगी बहरहाल यह पुलिस जांच का विषय है मर्ग जांच मे ही तथा पीएम रिपोर्ट के पश्चात ही ज्ञात हो पायेगा,लांजी पुलिस जांच मे जुटी है।

# नाग के काटे से बचा सुरेश करांहे, वैद्यकीय उपचार से मिली नई जिंदगी

## आत्माराम चन्ने कर रहे हैं 45 वर्षों से निःशुल्क सेवा

**लांजी ( पद्मेश न्यूज )। ग्राम ककोड़ी निवासी सुरेश करांहे ( उम्र 40 वर्ष ) को 18 जून की रात करीब 8ः30 बजे उस समय नाग सांप ने पैर में काट लिया, जब वह सड़क पर टहल रहे थे। सांप के काटते ही सुरेश ने तुरंत अपने परिजनों को सूचना दी। परिजन उन्हें झनकार बड़गैया, तिलकचंद करांहे, विजय बड़गैया, मन्नू करांहे और राजेश्वर करांहे के साथ लांजी नगर के अनुभवी वैद्य आत्माराम चन्ने के घर लेकर पहुंचे। आत्माराम चन्ने ने तुरंत वैद्यकीय उपचार शुरू किया। उन्होंने बताया कि सुरेश को नाग ने काटा था और जहर काफी तेजी से असर कर रहा था। मगर समय पर इलाज मिलने से एक घंटे के भीतर ही जहर का असर कम होने लगा और स्थिति नियंत्रण में आ गई। इलाज के बाद पूरी तरह ठीक होने पर सुरेश करांहे ने ककोड़ी के शिव मंदिर में पंडित विश्वनाथ तिवारी के द्वारा अभिषेक और पूजन कराया और मिठाई बांटकर भगवान का धन्यवाद किया।**

### 45 वर्षों से कर रहे सर्पदंश पीड़ितों की सेवा

लांजी नगर के वार्ड क्रमांक 4 निवासी आत्माराम चन्ने बीते 45 वर्षों से सर्पदंश पीड़ितों का निश्शुल्क इलाज कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह सेवा उनके पूर्वजों द्वारा शुरू की गई थी और उन्हें दादा कोटेश्वर भगवान की कृपा और पारंपरिक वैद्यकीय ज्ञान के आधार पर यह उपचार विधि प्राप्त हुई है। क्षेत्र में जब भी कोई सर्पदंश का शिकार होता है, लोग तुरंत आत्माराम चन्ने के पास इलाज के लिए पहुँचते हैं। उन्होंने अब तक सैकड़ों लोगों की जान बचाई है और आज भी पूरी निष्ठा से यह सेवा कार्य कर रहे हैं। यह एक मिसाल है कि कैसे अनुभव, परंपरा और सेवा भाव से लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती है।

# नगर परिषद उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर दूसरे दिन भी बैठे रहे धरने पर

## रात्रि में थाने के सामने का गड्ढा भरने का काम किया चालू

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर में विकास कार्यों की धीमी गति एवं लम्बे समय से अधूरे प्रोजेक्टों को लेकर जनता और जनप्रतिनिधियों में भारी नाराज़गी है। जिसके संबंध में अनेकों बार समाचार पत्रों, लिखित एवं मौखिक शिकायतों के माध्यम से अवगत कराने के बाद भी उपयंत्री एवं सीएमओ के द्वारा ध्यान नहीं दिए जाने के कारण नगर के सभी वार्डों के काम ठप्प पड़े हुए हैं। जो कुछ कार्य हो भी रहें हैं वे कछुआ गति से हो रहें हैं एवं उनमें गुणवत्ता की कमी है। इन्हीं मुद्दों को लेकर नगर परिषद उपाध्यक्ष संदीप कुमार रामटेक्कर के द्वारा कई बार लिखित और मौखिक रूप से अधिकारियों को अवगत कराया किन्तु अधिकारी के द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाये जाने के चलते उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर द्वारा 18 जून को नगर परिषद के सामने धरने पर बैठ गया, जो कि दूसरे दिन भी जारी रहा। इस धरना प्रदर्शन में सभापति दिनेश कचवाहे, पार्षद सौरभ मोनू पशीने, विधायक प्रतिनिधि कैलाश गोस्वामी ने पहुंचकर समर्थन किया। उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर का कहना है कि मेरे द्वारा नगर के विकास एवं जनहित के मुद्दों को लेकर धरना दिया जा रहा है और यह धरना उठाए गए मुद्दों के क्रियान्वयन होने तक जारी रहेगा।

### ठेकेदार ने प्रारंभ किया गड्ढा भरने का कार्य

नगर परिषद उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर द्वारा अनेक मुद्दों को लेकर धरना दिया जा रहा है, जिसमें सुभाष चौक में नल जल योजना के ठेकेदार द्वारा पाईप लाईन बिछाने काटी गई रोड़ को दुरुस्त करने की मांग भी शामिल हैं। उपाध्यक्ष के धरने में बैठने के बाद 18 जून को रात्रि में ठेकेदार के द्वारा सड़क के गड्ढे भरने का कार्य प्रारंभ किया गया। लोगों का कहना है कि इस कार्य को ठेकेदार के द्वारा पाईप लाईन बिछाने के तुरंत बाद भी कर सकता था, तब नहीं तो जब शिकायते होने लगी तब भी कर सकता था। इस कार्य को कराने उपाध्यक्ष को धरने पर बैठना पड़ा। इसी तरह बालाघाट रोड़ पर पानी निकासी के लिए दूसरे दिन पाइप डालने के लिए लाए गए हैं। इस तरह अनेकों कार्य है जिसे जनहित में तत्काल कराया जाना आवश्यक है। अधिकारी उपाध्यक्ष की मांगो का निराकरण कब तक करते हैं एवं धरना प्रदर्शन कब समाप्त होता है विचारणीय प्रश्न है।

### उनके द्वारा उठाए गए प्रमुख मुद्दे इस प्रकार हैं

मुख्य मार्गों की जल निकासी और नालियों की सफाई अभी तक नहीं हो सकी, जबकि वर्षाकाल शुरू हो चुका है। जल आवर्धन योजना का कार्य 2018 से चल रहा है, जिसकी समय-सीमा 18 माह थी, लेकिन 2025 तक भी नगरवासियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो पाया है।सालेटेकरी रोड डिवाइडर निर्माण कार्य की समय-सीमा 30 मार्च 2025 को समाप्त हो चुकी, फिर भी कार्य अधूरा है। सुभाष चौक से बालाघाट एवं आमगांव रोड मॉडल रोड योजना की लागत करीब 1.88 करोड़ रुपये है, लेकिन विद्युत पोल शिफ्टिंग की गलती के कारण कार्य अभी तक पूरा नहीं हो सका। गणेशी तालाब सौंदर्यीकरण कार्य की डेडलाइन 30 जून 2025 थी, लेकिन कार्य बहुत धीमी गति से चल रहा है। वार्ड क्रमांक 10 से 15 तक नाली निर्माण, जिसका भूमिपूजन मार्च में हो चुका है, आज तक शुरू नहीं हुआ।वार्ड क्रमांक 03 की नाली, जिसका भूमिपूजन 6 माह पहले हुआ था, अब भी अधूरी है। वार्डवासियों को गंदगी से जूझना पड़ रहा है। वार्ड क्रमांक 08 में लंजकाई मंदिर से किले तक पेवर ब्लॉक का कार्य लगभग 1 वर्ष से अधूरा है। वार्ड क्रमांक 01 में कायाकल्प 2.0 योजना के अंतर्गत कार्य 18 माह पूर्व भूमिपूजन के बावजूद शुरू नहीं हुआ।

नगर परिषद के मुख्य नगरपालिका अधिकारी एवं उपयंत्री अमित नगपुरे की लापरवाही और उदासीनता के कारण ये कार्य समय पर पूरे नहीं हो पा रहे हैं। नगर परिषद उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो विरोध और तेज़ किया जाएगा।

# वन विभाग द्वारा मनाया जा रहा वन एवं पर्यावरण सुरक्षा सप्ताह

लांजी (पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश शासन वन विभाग के द्वारा संपूर्ण प्रदेश में 15 जून से लेकर 25 जून तक वन एवं पर्यावरण सुरक्षा सप्ताह मनाया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत विभिन्न आयोजन कर वन क्षेत्रों में पंहुचकर वन, वन्य प्राणी, पर्यावरण सुरक्षा को लेकर आवश्यक जानकारी वन अधिकारियों एवं कर्मचारियों के द्वारा दी जाती है। इसी कड़ी में 19 जून को उपवनमण्डलाधिकारी लांजी सामान्य एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी पूर्व लांजी सामान्य सहित वन अमले की उपस्थिती में क्षेत्र के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घोटी पंहुचकर विद्यालय के तकरीबन 160 छात्र छात्राओं को वन परिक्षेत्र अधिकारी एवं वन अमले के द्वारा वन, वन्य प्राणी, पर्याव्रण सुरक्षा को लेकर जागरूकता प्रदान की गई। कैसे हमे अपने वनों की सुरक्षा करनी चाहिये, पर्यावरण संरक्षण करना चाहिये, इसी कार्यक्रम के अन्तर्गत वन विभाग के द्वारा सभी छात्र छात्राओं के साथ मिलकर एक जन जागरूकता रैली का भी आयोजन किया जहां ग्राम में भ्रमण ग्रामीण जनों को वन सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण को लेकर जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के पश्चात वन अमले के द्वारा वन सीमाओं में मुनारो सत्यापन, सत्यापन के दौरान अतिक्रमण पाए जाने पर नियमानुसार अतिक्रमण बेदखली की कार्यवाही की गई। वन सुरक्षा समिति केराटोला, देवरबेली में बैठक का आयोजन कर वन एवं वन्यप्राणियों की सुरक्षा के संबंध में आवश्यक समझाईश एवं चर्चा भी की गई।

# ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लांजी ने मनाया राहुल गांधी जी का जन्म दिन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। 19 जून जो कि राहुल गांधी जी का जन्म दिवस है बडे ही हर्षोल्हास के साथ कांग्रेस जनों के द्वारा अपने नेता राहुल गांधी जी का जन्म दिवस जिला पंचायत सदस्य ज्योति उमरे के निवास स्थान में मनाया गया। आयोजित जन्म दिवस कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लांजी अध्यक्ष ओंकार रहांगडाले, जिला पंचायत सदस्य ज्योति उमरे, जनपद सभापति दिनेश लाड़े, सरपंच संघ अध्यक्ष ललित कबीरे, पार्षद पूनम आसटकर, पार्षद मुकेश रणदिवे, रीता रावते, संजय तरवरे, श्यामलाल बेदरे, टूमनलाल घोरमारे, दिनेश मानकर, होमेश्वर घोरमारे, ईश्वर उमरे सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने मिलकर केक काटकर राहुल जी का जन्म दिवस मनाया सभी केक एवं मिष्ठान खिलाकर बधाईया प्रेषित करते हुये राहुल जी के उज्जवल भविष्य एवं दीर्घायू होने की कामना की गई।

# पॉली अकादमिक संस्थान में सीबीएसई टीचर्स ट्रेनिंग का आयोजन

## शिक्षकों को नई शिक्षा नीति और पढ़ाने के आधुनिक तरीकों की दी गई जानकारी

लांजी (पद्मेश न्यूज)। प्रखर देशना केरियर एंड वेलफेयर सोसायटी द्वारा संचालित पॉली अकादमिक संस्थान में दो दिवसीय सीबीएसई टीचर्स ट्रेनिंग सेमिनार का आयोजन किया गया। यह संस्थान वर्ष 2014 से शिक्षा, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के क्षेत्र में कार्य कर रहा है। हाल ही में संस्थान को सीबीएसई बोर्ड से मान्यता मिली है, जिससे लांजी और आसपास के ग्रामीण व आदिवासी क्षेत्र के छात्रों को अब स्थानीय स्तर पर बेहतर शिक्षा की सुविधा मिल रही है। इस खुशी के मौके पर संस्थान में आयोजित सेमिनार में मुख्य प्रशिक्षक श्री जे. सोनी ने शिक्षकों को नई शिक्षा नीति 2020, सीबीएसई के नए नियम, कक्षा प्रबंधन, छात्रों के मूल्यांकन और पढ़ाने के नए तरीके जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि किस तरह तकनीक का उपयोग कर कक्षा को और बेहतर बनाया जा सकता है। सेमिनार की शुरुआत माँ सरस्वती की पूजा और दीप प्रज्ज्वलन से की गई। संस्थान की संचालिका श्रीमती वंदना वैद्य की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम हुआ। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती श्रद्धा कांडा और प्रबंधक संजय चौरे ने अतिथियों का स्वागत किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल हुए। सभी ने इसे उपयोगी बताया और कहा कि इससे उनके पढ़ाने के तरीके में सुधार होगा और छात्र भी बेहतर सीख सकेंगे। इस अवसर पर शिक्षक सिफान मिर्जा, तरुण तिलवार, महेंद्र ऐडे और शिक्षिकाएं संध्या चौरे, सुभद्रा कलपूरे, यासमीन खान, आलिशा खान, रेखा ऐडे, ज्योति भीमटे, रोहिणी रणदिवे, रोशनी कुचलाहे और पूनम गुप्ता उपस्थित रहीं।

# सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अधीन मिलेगा सशर्त प्रमोशन

## पदोन्नति में आरक्षण : अगले 10 दिन में हो सकती है पहली डीपीसी

भोपाल। मप्र में पदोन्नति में आरक्षण मामले में अगले 10 दिनो में पहली डीपीसी (वरिष्ठता पात्रता सूची) हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अधीन सशर्त प्रमोशन मिलेगा। सामान्य प्रशासन विभाग में पदोन्नति के लिए डीपीसी सूची जारी की है। मप्र लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025 दो-तीन दिन में नोटिफाई होंगे। नियम नोटिफाई होते ही पदोन्नति की प्रक्रिया शुरू होगी। मप्र के 4 लाख अधिकारी-कर्मचारियों का प्रमोशन होना है। हर साल सितंबर से नवंबर के बीच विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक होगी। चयन की पात्रता 31 दिसंबर तक की स्थिति पर तय होगी। एक जनवरी से जैसे-जैसे पद रिक्त होते जाएंगे, पात्र कर्मचारियों को प्रमोशन मिलता जाएगा। प्रत्येक पद के लिए दोगुना उम्मीदवार और अतिरिक्त चार कर्मचारी डीपीसी में बुलाए जाएंगे।

पदोन्नति में आरक्षण का मतलब है सरकारी नौकरियों में अनुसूचित जातियों और जनजातियों (एससी/एसटी) के लिए पदोन्नति में आरक्षण प्रदान करना, ताकि इन समुदायों को सार्वजनिक सेवाओं में पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिल सके। 81वें संशोधन के जरिए सरकार ने अनुच्छेद 16(4बी) पेश किया है, जिसके तहत पदोन्नति में आरक्षण को नियमित आरक्षण पर निर्धारित 50 प्रतिशत की सीमा को पार करने की अनुमति दी गई। संशोधन ने राज्य को पिछले वर्षों से खाली पदों को आगे बढ़ाने की अनुमति दी। इसे कैरी फॉरवर्ड नियम के नाम से जाना जाता है। गौरतलब है कि वर्ष 2002 में तत्कालीन सरकार ने प्रमोशन के नियम बनाते हुए प्रमोशन में आरक्षण का प्रावधान कर दिया था। ऐसे में आरक्षित वर्ग के कर्मचारी प्रमोशन पाते गए और अनारक्षित वर्ग के कर्मचारी पिछड़ गए। जब इस मामले में विवाद बढ़ा, तो कर्मचारी कोर्ट पहुंचे। उन्होंने कोर्ट से प्रमोशन में आरक्षण खत्म करने का आग्रह किया। कोर्ट को तर्क दिया कि प्रमोशन का फायदा सिर्फ एक बार मिलना चाहिए। इन तर्कों के आधार पर मप्र हाईकोर्ट ने 30 अप्रैल, 2016 को मप्र लोक सेवा (पदोन्नति) नियम 2002 खारिज कर दिया। सरकार ने इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। शीर्ष कोर्ट ने यथास्थिति रखने का आदेश दिया। तभी से प्रमोशन पर रोक लगी है। नौ साल में करीब एक लाख कर्मचारी बगैर प्रमोशन के रिटायर्ड हो गए।

### जल्द जारी हो सकता है नोटिफिकेशन

डॉ. मोहन यादव कैबिनेट की ओर से मप्र लोक सेवा पदोन्नति नियम-2025 को मंजूरी देने के साथ ही प्रदेश में नौ साल बाद 4 लाख कर्मचारियों के प्रमोशन का रास्ता साफ हो गया है। अब विभाग

और कर्मचारी पदोन्नति के नए नियमों के संबंध में नोटिफिकेशन जारी होने का इंतजार कर रहे हैं। सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि नोटिफिकेशन जल्द जारी कर दिया जाएगा। नोटिफिकेशन जारी होने के साथ ही सभी विभाग अपनी सहूलियत से कभी भी विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक बुला सकेंगे। कुछ विभागों ने डीपीसी की बैठक बुलाने की प्रारंभिक तैयारियां शुरू कर दी हैं। दरअसल, सरकार को आशंका है कि पदोन्नति के विस्तृत नियम सामने आने के बाद असंतुष्ट कर्मचारी कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते हैं। इसलिए सरकार फटाफट डीपीसी की बैठकें कर कर्मचारियों को प्रमोशन देने की तैयारी में जुटी है। इस संबंध में विभागों को भी सूचित कर दिया गया है। जीएडी के अधिकारियों का कहना है कि विधि विशेषज्ञों से हुई चर्चा के अनुसार यह स्पष्ट हो गया है कि कर्मचारी पदोन्नति के किन नियमों को कोर्ट में चैलेंज कर सकते हैं, इसलिए कोर्ट में इसका जवाब देने की तैयारी कर ली गई है।

### तीन हिस्सों में बांटा जाएगा प्रमोशन

पदोन्नति के नए प्रस्ताव के अनुसार प्रमोशन में आरक्षण लागू किया गया है। किसी भी पद के लिए जितनी रिक्तियां होंगी, उसे एससी एसटी और अनारक्षित में बांटा जाएगा। एससी के लिए 16 प्रतिशत और एसटी के लिए 20 प्रतिशत पद आरक्षित होंगे। पहले एससी-एसटी के हिस्से वाले पद भरे जाएंगे। फिर अनारक्षित पदों पर एससी-एसटी से लेकर सभी दावेदार पात्र होंगे। बड़ी संख्या में सामान्य एवं पिछड़ा वर्ग के कर्मचारी इस नियम का विरोध कर रहे हैं। उन्हें नए नियमों के नोटिफिकेशन जारी होने का इंतजार है। विस्तृत नियम सामने आते ही विसंगतियों के विरोध में कोर्ट जाने की बात कह रहे हैं। नए पदोन्नति प्रस्ताव के अनुसार क्लास-1 अधिकारी (जैसे डिप्टी कलेक्टर) के लिए लिस्ट मेरिट कम सीनियरिटी दोनों के आधार पर बनेगी, जबकि क्लास-2 और नीचे के पदों के लिए सीनियोरिटी कम मेरिट के आधार पर दावेदारों की सूची बनेगी। प्रमोशन में एनुअल कॉन्फिडेंशियल रिपोर्ट (एसीआर) यानी गोपनीय चरित्रावली को अहम माना जाएगा। नियम के मुताबिक पिछले दो साल की एसीआर में कम से कम एक आउट स्टैंडिंग होना चाहिए या सात साल में चार बार ए प्लस होना चाहिए। प्रस्ताव के अनुसार पूर्व में हुई पदोन्नति को रद्द नहीं किया जाएगा। पदोन्नति के लिए पात्रता का लाभ नोटिफिकेशन जारी होने की दिनांक से मिलेगा। यानी वर्ष 2016 के बाद रिटायर्ड कर्मचारियों को इस नियम का लाभ नहीं मिलेगा।

# राहुल गांधी के पोस्टर को दूध से नहलाया

### - कांग्रेसियों ने मनाया कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष जन्मदिन

भोपाल। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का आज जन्मदिन है। भोपाल के बोर्ड ऑफिस चौराहे पर कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता अमित शर्मा ने समर्थकों के साथ राहुल गांधी का जन्मदिन मनाया। अमित शर्मा ने राहुल गांधी के कटआउट (पोस्टर) को दूध से नहलाया। राहुल गांधी के पोस्टर को दूध से नहलाने पर मप्र के खेल मंत्री विश्वास सारंग ने कहा, कांग्रेस की नेहरू परिवार के प्रति चमचागिरी की मानसिकता पर आश्चर्य है। बस एक परिवार में पैदा होने पर महिमामंडन किया जा रहा है, यह शर्मनाक है। दूध से अभिषेक करना चमचागिरी की पराकाष्ठा है। कांग्रेस ने हर समय दलित और आदिवासियों को नीचा दिखाने का काम किया है। बाबा साहेब अंबेडकर जब चुनाव लड़े तो नेहरू ने उन्हें हराने का षड्यंत्र किया। कांग्रेस में नेहरू परिवार ने हर समय अंबेडकर को नीचा दिखाने का काम किया।

भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा, कांग्रेस द्वारा दूध नहीं, किसान का सम्मान बहाया जा रहा है। जिस राहुल गांधी ने महाकुंभ में गंगा स्नान करने से परहेज किया, उनके लिए कांग्रेसियों द्वारा दुग्धाभिषेक करना न सिर्फ सनातन परंपरा का अपमान है, बल्कि देश के दुग्ध उत्पादक किसानों की मेहनत को भी पैरों तले रौंदना है। किसानों का खून बहाने वाली कांग्रेस ने भोपाल के बोर्ड ऑफिस चौराहे पर राहुल गांधी का पोस्टर रखकर जातिगत जनगणना की खुशी में दूध बहाया। जो कांग्रेसी गंगा में डुबकी लगाने से डरते हैं, वो किसानों के पसीने से नहाने में गौरव समझते हैं। आशीष अग्रवाल ने आगे कहा, राहुल गांधी जी ये दुग्ध-स्नान असल में कृषक तिरस्कार है। जिस किसान का दूध बेचकर घर चलता है, उसकी रोजी-रोटी को यूं सडक़ पर बहा देना, क्या यही है कांग्रेस की संवेदनशीलता और मोहब्बत की राजनीति? राहुल गांधी के जन्मदिन पर दिखावे का नाटक नहीं, जवाबदारी की अपेक्षा थी जो कांग्रेसियों से हो न सका। दूध बहाकर कांग्रेस ने अपनी सोच, संस्कृति और संवेदनशीलता तीनों की पोल खोल दी है।

## खगोलीय घटना... कुछ पल के लिए गायब हो जाएगी परछाई, 21 जून को उज्जैन के लोग बनेंगे साक्षी

उज्जैन। 21 जून की तारीख एक अनूठी खगोलीय घटना लेकर आ रही है। इस दिन दोपहर 12.28 बजे सूर्य ठीक कर्क रेखा पर लंबवत होगा, जिससे कुछ समय के लिए वस्तुओं की परछाई गायब हो जाएगी। इसे शून्य छाया दिवस कहा जाता है। उज्जैन, कर्करेखा के समीप स्थित है, ऐसे में वो दुर्लभ खगोलीय क्षणों का प्रत्यक्ष साक्षी बनेगा। जीवाजी वेधशाला के अधीक्षक डॉ. राजेन्द्र प्रकाश गुप्त ने बताया कि खगोलीय घटना को वेधशाला में शंकु यंत्र के माध्यम से देखा जा सकेगा, बशर्ते

# मप्र में तैयार होंगे साइबर कमांडो

### - ट्रिपल आइटीएम बना केंद्र, गृह मंत्रालय को भेजी गई रिपोर्ट

भोपाल। तेजी से बढ़ते साइबर अपराध से निपटने के लिए देशभर में साइबर कमांडो तैयार किए जा रहे हैं। हर राज्य में एक-एक ट्रेनिंग सेंटर विकसित किया जा रहा है। इसी कड़ी में मप्र में भी साइबर कमांडो तैयार होंगे। ग्वालियर इस दिशा में एक अहम केंद्र बनने जा रहा है। मुरैना रोड स्थित प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग कॉलेज ट्रिपल आइटीएम में साइबर कमांडो को प्रशिक्षण देने की संभावनाएं तलाशी गई हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन कार्यरत इंडियन साइबर क्राइम को-ऑर्डिनेशन सेंटर के डायरेक्टर अरविंद कुमार अपनी टीम के साथ सोमवार को यहां पहुंचे और संस्थान का गहन निरीक्षण किया। देशभर में साइबर अपराधों की बढ़ती घटनाएं अब कानून व्यवस्था के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुकी हैं। डिजिटल दुनिया में बैठकर हजारों किलोमीटर दूर से किए जा रहे अपराधों को रोकने के लिए केंद्र सरकार ने इंडियन साइबर क्राइम को-ऑर्डिनेशन सेंटर की स्थापना की है। इसका मकसद है - राज्यों की पुलिस, जांच एजेंसियों और तकनीकी संस्थानों के सहयोग से साइबर स्पेशलिस्ट तैयार करना। इसी कड़ी में गतदिनों इंडियन साइबर क्राइम को-ऑर्डिनेशन सेंटरके ट्रेनिंग डायरेक्टर अरविंद कुमार और उनकी टीम ग्वालियर स्थित ट्रिपल आइटीएम यूनिवर्सिटी पहुंचे। उन्होंने संस्थान के इंफ्रास्ट्रक्चर, टेक्नोलॉजी लैब, साइबर सिक्योरिटी कोर्सेस और फैकल्टी की उपलब्धता का गहन निरीक्षण किया। इसके साथ ही कोर्स डिजाइन, ट्रेनिंग मॉड्यूल और लॉजिस्टिक सुविधाओं पर कॉलेज प्रबंधन के साथ बैठक की गई।

### साइबर कमांडो की ट्रेनिंग होगी शुरू

राज्य साइबर सेल की टीम भी निरीक्षण में शामिल रही। टीम ने विशेष रूप से देखा कि क्या संस्थान एक राष्ट्रीय स्तरीय साइबर ट्रेनिंग सेंटर के मानकों को पूरा करता है। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, संस्थान में सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध हैं, जो साइबर कमांडो की ट्रेनिंग के लिए उपयुक्त हैं।

# सात साल में भी शिक्षकों की भर्ती नहीं हो पाई पूरी

### - तीसरी काउंसिल के इंतजार में अभ्यर्थी हो रहे ओवर एज

भोपाल। मध्य प्रदेश शिक्षा विभाग भले ही स्कूलों में लगातार शिक्षकों की भर्ती करने का दावा कर रहा है, लेकिन प्रदेश में पात्रता परीक्षा दे चुके हजारों अभ्यर्थियों काउंसलिंग नहीं होने की वजह से ओवरएज हो रहे हैं। अभ्यर्थी पिछले 7 साल से शिक्षक बनने का सपना देख रहे हैं। दअरसल कर्मचारी चयन बोर्ड ने स्कूल शिक्षा विभाग के लिए 2018 में उच्च माध्यमिक शिक्षक भर्ती के लिए 17 हजार पदों पर नोटिफिकेशन जारी किया था। इन पदों के लिए कोरोना काल के बाद अक्टूबर 2021 में भर्ती की प्रक्रिया शुरू हुई लेकिन, सेकंड काउंसलिंग के बाद शेष पदों के लिए काउंसलिंग ही नहीं की गई। अब थर्ड काउंसलिंग को लेकर अभ्यर्थी कई बार अधिकारियों और नेताओं के चक्कर काट चुके हैं लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है। इसे लेकर कई बार धरना प्रदर्शन भी हो चुका है। अब एक बार फिर से गुरु पूर्णिमा 10 जुलाई के दिन अभ्यार्थी प्रदर्शन करने की तैयारी कर रहे हैं।

### गुरु पूर्णिमा पर 10 जुलाई को अभ्यर्थी करेंगे प्रदर्शन

2018 की उच्च एवं माध्यमिक स्थाई शिक्षक भर्ती के शेष पात्र अभ्यर्थियों द्वारा अगली काउंसलिंग के साथ भर्ती पूर्ण कराने की मांगों को लेकर गुरु पूर्णिमा पर 10 जुलाई को राजधानी भोपाल में प्रदर्शन किया जाएगा।

### अभ्यर्थी बार-बार प्रदर्शन करने को हो रहे मजबर

पात्रता परीक्षा संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल रविदास ने बताया कि उच्च एवं माध्यमिक शिक्षक भर्ती 2018 में प्रथम एवं द्वितीय काउंसलिंग होने के बाद भी माध्यमिक शिक्षक भर्ती के 2,237 एवं उच्च माध्यमिक शिक्षक भर्ती के 5,935 पद आज तक शेष हैं। इन पदों पर अभी तक तृतीय काउंसलिंग शुरू नही की गई। जिस कारण अभ्यर्थी बार-बार धरना प्रदर्शन करने को मजबूर हो रहे हैं। पूर्व में यह प्रदर्शन 18 जून को होने वाला था परंतु भीषण गर्मी और बदले हुए मौसम के कारण अब यह प्रदर्शन 10 जुलाई को किया जाना है।

### न्यायालय के आदेश के बाद भी नहीं हो रही काउंसलिंग

शिक्षक बनने की आशा में पिछले कई वर्षों से उम्मीद लगाए बैठे इन उम्रदराज अभ्यर्थियों का कहना है कि अगर समय पर मांगे पूर्ण नहीं होती हैं तब 10 जुलाई को राजधानी भोपाल में हजारों की संख्या में अभ्यर्थी एकत्रित होकर अनुशासनपूर्वक बड़ा प्रदर्शन करेंगे जिसकी जिम्मेदारी सरकार की स्वयं की रहेगी क्योंकि पिछले दिनों एक आदेश में उच्च न्यायालय द्वारा 2018 की स्थाई शिक्षक भर्ती को पूर्ण करने के निर्देश बावजूद भी स्कूल शिक्षा विभाग से लेकर प्रदेश सरकार की उदासीनता से यह उम्रदराज अभ्यर्थी बीच मझधार में फंसे हुए दिखाई दे रहे हैं।

# राजधानी के वीआईपी रोड पर सीएम की सुरक्षा में चूक

### चैकिंग से बचने रॉग साइड भागा कार चालक सीएम के काफिले के रास्ते में आया

भोपाल। राजधानी के वीआईपी रोड से गुजर रहे सीएम डॉ. मोहन यादव की सुरक्षा में एक तेज रफ्तार कार ने सेंध लगा दी। हालांकि पायलट वाहन की सतर्कता से बड़ा हादसा होने से टल गया। बताया गया है कि आरोपी कार चालक पुलिस चेकिंग से बचने के लिए रॉंग साइड से भागने का प्रयास कर रहा था। तभी सामने से मुख्यमंत्री का काफिला आ गया। पुलिस ने इस मामले में आरोपी चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार जब्त कर ली है। थाना पुलिस के मुताबिक बीती रात करीब साढ़े बारर बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपने सुरक्षा दस्ते के साथ स्टेट हेंगर से मुख्यमंत्री निवास लौट रहे थे। जब उनका काफिला लालघाटी से होते हुए रेत घाट की ओर बढ़ रहा था। तभी राजा भोज की प्रतिमा के सामने रॉंग साइड से नीले रंग की बलेनो कार एमपी 04 जेडए 3262 अचानक आकर रूक गई। मुख्यमंत्री के काफिले की पायलट वाहन ने उस कार को रोका और साइड में खड़ा कर पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंच कर कार चालक गुना निवासी मिलन तिवारी को हिरासत में लेकर कार को जब्त किया। पुलिस ने इस मामले में कार चालक मिलन तिवारी के खिलाफ मोटल व्हीकल एक्ट समेत बीएनएस की धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस को पूछताछ के दौरान पता चला कि आरोपी मिलन तिवारी प्रतियोगिता परिक्षा की तैयार कर रहा है। वह इसी सिलसिले में कोचिंग के बारे में जानकारी जुटाने के लिए अपने दोस्त गुना निवासी शुभम धाकड़ के साथ कार से भोपाल पहुंचा। जहां पर रेतघाट तिराहा पर मुख्यमंत्री की सुरक्षा में तैनात पुलिस को देखकर घबरा गया और बचने के लिए रॉंग साइड से कार लेकर भाग निकला। उसे पता नहीं था कि उक्त रास्ते से मुख्यमंत्री का काफिला गुजरने वाला है।

# आयुर्वेद की महंगी दवाओं से मिलेगा छुटकारा

## प्रदेश की दूसरी आयुर्वेद फार्मेसी भोपाल में जल्द होगी शुरू

भोपाल। कोरोना काल से देश भर में आयुर्वेद दावओं का चलन तेजी से बढ़ा है। आयुर्वेद अस्पतालों में मरीजों की भीड़ लग रही है। लेकिन आयुर्वेद दवाई काफी महंगी होने के कारण मरीज के जेब पर भारी असर पड़ता है। अब मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में मरीजों को सस्ती और गुणवत्ता युक्त औषधि मिल पाएगी दरअसल भोपाल के पंडित खुशीलाल आयुर्वेद हॉस्पिटल में प्रदेश की दूसरी आयुर्वेद फार्मेसी बनाई जा रही है। उम्मीद है कि इसी साल के आखिरी महीने में यह फार्मेसी शुरू हो जाएगी। इसके शुरू होने से राज्य में आयुर्वेद चिकित्सा को न केवल नई गति मिलेगी, बल्कि मरीजों को गुणवत्तापूर्ण दवाएं सस्ती दरों पर उपलब्ध होंगी।

आयुर्वेद खुशीलाल मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ उमेश शुक्ला ने बताया कि फार्मेसी बानाने का उद्देश्य आयुर्वेदिक उपचार को आधुनिक तकनीकों के साथ जोडक़र ऐसा तंत्र विकसित करना है, ताकि दवाओं का निर्माण, पैकेजिंग और परीक्षण एक ही परिसर में हो। ये प्रदेश की दूसरी आयर्वेद फार्मेसी होगी। जानकारी के लिए बता दें कि इसके पहले ग्वालियर में पहली आयुर्वेदिक फार्मेसी संचालित हो रही है। डॉ उमेश शुक्ला ने बताया कि फार्मेसी भवन का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। हमारा लक्ष्य है कि यह यूनिट दिसंबर 2025 से पूर्ण रूप से कार्यरत हो जाए। उन्होंने बताया कि बिल्डिंग बनने के बाद हम स्टाफ की भी भर्ती करने की तैयारी कर रहे हैं। साथ ही इक्विपमेंट की खरीदी पर भी चर्चा शुरू हो चुकी है। शुक्ला ने बताया कि 434.04 लाख से फार्मेसी का निर्माण 1025 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में किया जा रहा है। फार्मेसी भवन का स्ट्रक्चर कार्य पूर्ण हो चुका है, दिसंबर तक भवन तैयार हो जाएगा। यहां अस्पताल में ही आयर्वेदिक दवाएं जैसे चर्ण, क्वाथ, तेल, घृत, आसव और अरिष्ट बनाई जाएंगी। इससे दवाओं की गुणवत्ता बेहतर होगी और मरीजों को कम दाम में उपचार मिल सकेगा।

### 50 प्रतिशत तक सस्ती मिलेंगी दवाएं

इस फार्मेसी में तैयार की जाने वाली दवाएं बाजार दर की तुलना में 30 से 50 प्रतिशत तक सस्ती होंगी। यह पहल आमजन, विशेषकर गरीब और मध्यम वर्ग के रोगियों को आयुर्वेदिक चिकित्सा का सशक्त विकल्प देगी। इससे न केवल आयुर्वेद के प्रति भरोसा बढ़ेगा, बल्कि युवाओं को शोध और नवाचार के लिए प्रेरणा भी मिलेगी।

## बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व-ड्रोन से हो रही हाथियों की निगरानी

भोपाल। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के खितौली परिक्षेत्र में 21 जंगली हाथियों का झुंड पहुंच गया है। हाथी पतौर के रास्ते से खितौली आए हैं। वन विभाग ने हाथियों की निगरानी के लिए विशेष व्यवस्था की है। वन विभाग ने तीन गाडियों के साथ 50 से अधिक अधिकारी और कर्मचारियों की टीम लगाई है। टीम ड्रोन की मदद से हाथियों की गतिविधियों पर नजर रख रही है। हाथियों का झुंड फिलहाल दर्रहा तालाब, वन तलैया और आसपास के जंगलों में विचरण कर रहा है। खितौली परिक्षेत्र अधिकारी स्वस्तिश्री जैन के अनुसार, वन विभाग हाथियों की पहचान के लिए उनकी आईडी भी बना रहा है। टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर पीके वर्मा ने का कहना है कि सभी ग्राउंड कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं। यदि कर्मचारियों से पहले ग्रामीणों की ओर से हाथियों के मूवमेंट की सूचना मिली तो जिसकी ड्यूटी होगी, उन पर ठोस कार्रवाई की जाएगी। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में 80 से ज्यादा जंगली

### लाड़ली बहनों के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की घोषणा, कहा- डंके की चोट पर पूरा करेंगे संकल्प, 2028 में 3 हजार करेंगे

# लाड़ली बहनों कों दिवाली से मिलेंगे 1500 महीना

भोपाल। मध्य प्रदेश में लाड़ली बहनों के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने योजना के तहत मिलने वाली राशि को बढ़ाने का ऐलान कर दिया है। इंदौर में सीएम ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि रक्षा बंधन में हम बहनों को 1250 के अलावा 250 रुपए अतिरिक्त देंगे। वहीं दीपावली से इस राशि को बढ़ाकर 1500 रुपए कर दिया जाएगा।

सीएम मोहन ने कहा कि हम लाड़ली बहना को तीन हजार रुपए प्रति माह देने के अपने संकल्प पत्र पर कायम हैं। हमने डंके की चोट पर कहा है और इसे पूरा करेंगे। यह योजना पहले 1000 रुपए प्रति माह से शुरू हुई थी फिर हमने इसे 1250 रुपए किया और रक्षाबंधन पर 250 रुपए अतिरिक्त दिए। अब हम दिवाली से इसे 1500 रुपए प्रति माह करने जा रहे हैं। इसके बाद हर साल राशि बढ़ाई जाएगी। 2028 तक हम अपना वादा पूरा करेंगे। इस राशि को बढ़ाकर 3000 रुपए तक ले जाएंगे।

### हम वादे पर हैं कायम

सीएम मोहन यादव ने कहा कि उनकी सरकार लाडली बहना

योजना के तहत महिलाओं को हर महीने 3000 रुपए देने के अपने वादे पर कायम है। उन्होंने कहा कि भाजपा जो कहती है, वो करती है।

### पांच साल में पूरा करेंगे संकल्प पत्र

मोहन यादव ने कहा कि सरकार अपने संकल्प पत्र को 5 साल में पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि लाड़ली बहना योजना के तहत राशि को हर साल बढ़ाया जाएगा। दिवाली पर यह राशि 1500 रुपए होगी। इसके बाद 2026, 2027 और 2028 में भी राशि बढ़ाई जाएगी।

### अय्याशी करती है कांग्रेस, सभी नेता जमानत पर

सीएम डॉ. यादव ने कहा कि बीजेपी की सरकार जवाबदेही से चलती है। अय्याशी कांग्रेस करती है और यह उनका रिकॉर्ड है कि सभी नेता जमानत पर चल रहे हैं। बीजेपी सरकार जनता के लिए काम करती है। कांग्रेसी पार्षद अनवर कादरी उर्फ डकैत के लव जिहाद के लिए फंडिंग के मामले में फरारी पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार में कानून का राज चलता है। कानून तोडऩे वालों से निपटना जानते हैं, चाहे वह डकैत हो या डकैत का बाप। हमने प्रशासन से भी कहा है जो जहां मिले उसे पकड़ो, हर हाल में कानून का शासन रहेगा।

# 5वीं और 8वीं पुन: परीक्षा के परिणाम 20 जून को होंगे घोषित

### विद्यार्थी दोपहर 3 बजे से देख सकेंगे परिणाम

भोपाल। प्रदेश में राज्य शिक्षा केन्द्र, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कक्षा 5वीं और 8वीं की बोर्ड पेटर्न पुन: परीक्षा के परिणाम शुक्रवार 20 जून को दोपहर 3 बजे पोर्टल पर घोषित होंगे। विद्यार्थी, अभिभावक एवं शिक्षकगण परिणाम राज्य शिक्षा केन्द्र के वेबपोर्टल https://www.rskmp.in/result.asp पर रोल नम्बर प्रविष्ट कर देख सकते हैं। इसी पोर्टल पर शिक्षक, संस्था प्रमुख अपनी शाला का विद्यार्थीवार परिणाम भी देख सकेंगे।

उल्लेखनीय है कि उक्त परीक्षाओं का संचालन विगत 2 से 9 जून के मध्य किया गया था। इनमें प्रदेश की शासकीय, अशासकीय शालाओं एवं पंजीकृत मदरसों के कक्षा 5वीं के 86 हज़ार से अधिक तथा कक्षा 8वीं के एक लाख 24 हज़ार से अधिक विद्यार्थी शामिल हुए थे। इन विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए कुल 322 केन्द्र बनाये गए थे, जहाँ से 22 हज़ार से अधिक मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा अंकों की ऑनलाइन प्रविष्टि पोर्टल पर दर्ज की गई।

# शुभमन की कप्तानी में बेहतर शुरुआत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

लीड्स। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम शुक्रवार से यहां मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में उतरेगी। इस मुकाबले से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीस) 2025-27 के चक्र की भी शुरुआत होगी। ऐसे में भारतीय टीम का लक्ष्य इसमें बेहतर प्रदर्शन कर जीत दर्ज करना रहेगा। इस सीरीज में भारतीय टीम विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के बिना उतरेगी ऐसे में टीम में शामिल युवाओं के पास अपने को साबित करने का अच्छा अवसर रहेगा। ऐसे में ये सीरीज भारतीय क्रिकेट के लिए भी एक नए युग की तरह होगी। इस मैच में शुभमन के अलावा शस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन जैसे खिलाड़ियों पर सबकी नजरें रहेंगी। सात साल बाद वापसी कर रहे करुण नायर के अभ्यास सत्र में चोटिल होने से भी टीम को झटका लगा है। गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह के बास रहेगी। मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे गेंदबाज उनका साथ देंगे। स्पिन की कमान कुलदीप यादव के पास रहेगी।

वहीं पिच की बात करें तो हेडिंग्ले की पिच अपने उछाल और तेजी के लिए जानी जाती है। वहीं पिच क्यूरेटर रॉबिन्सन का कहना है कि वह चाहते हैं मैच पूरे पांच दिन तक चले। उनका उद्देश्य यह है कि पिछली बार की तरह तीन दिन में खेल खत्म न हो इसलिए ऐसे पिच बनायी गयी है जिसपर शॉट खेले जा सकें। उन्होंने उम्मीद जताई है कि जो भी टीम पहले बल्लेबाजी करेगी वह करीब 300 रन बना सकेगी। मौसम विभाग ने भी गर्मी की संभावना जताई है, जिससे बल्लेबाजों को सहायता मिल सकती है। हालांकि पिच फिलहाल हरी-भरी दिख रही है, जिससे शुरुआती ओवरों में तेज गेंदबाजों को सहायता मिल सकती है।

आंकडों पर नजर डालें तो यहां अब तक 81 टेस्ट मैच खेले जा चुके हैं, जिसमें से 37 मैच मेजबान टीम ने जीते हैं। विदेशी टीमों को यहां 25 बार जीत मिली है जबकि 18 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। यहां दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने वाली टीम को ज़्यादा सफलता मिली है। वहीं पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जहां 29 बार जीत हासिल की, वहीं दूसरी पारी में खेलने वाली टीम ने 34 बार जीत दर्ज की है। इस मैदान पर अब तक का सबसे अधिम स्कोर 653/4 और सबसे कम स्कोर 61 रन रहा है। भारत और इंग्लैंड के बीच यहां अब तक कुल 136 टेस्ट मुकाबले हुए हैं। इसमें भारतीय टीम को केवल 35 मैचों में जीत मिली है, जबकि इंग्लैंड ने 51 मुकाबले जीते हैं व 50 टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। यहां पर भारतीय टीम का रिकॉर्ड काफी खराब रहा है और उसे 67 मैचों में से केवल 9 टेस्ट में ही जीत मिली है।

इस बार भारतीय टीम टीम युवा निडर होकर उतरेगी पर इंग्लैंड के हालातों में खेलना आसान नहीं होता है। अब देखना है कि टीम किस प्रकार से खेलती है।

वहीं दूसरी ओर बेन स्टोक्स की कप्तानी वाली मेजबन टीम को हालातों का लाभ मिलेगा उसके पास जो रुट हैरी ब्रूक और बने डकेट जैसे बल्लेबाज हैं हालांकि टीम के अनुभवी गेंदबाज चोटिल हैं जिससे उसकी गेंदबाजी कमजोर हुई है। जिसका लाभ भारतीय टीम को मिलेगा। उसकी क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग और शोएब बशीर पर टिकी रहेगी

इंग्लैंड ने जहां अपनी अंतिम ग्यारह टीम घोषित कर दी है। वहीं भारतीय टीम मैच से पहले ही अंतिम ग्यारह की घोषिता करेगी।

**इंग्लैंड की एकादश** - जैक क्रॉउली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग और शोएब बशीर।

**भारतीय** - शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जड़ेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा।

## वैभव के बल्लेबाजी कौशल को देखकर हैरान हैं बटलर

लंदन। इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर ने 14 साल के उभरे हुए भारतीय क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की है। बटलर ने कहा कि इतनी कम उम्र में वैभव जिस प्रकार से बल्लेबाजी करते हैं उसे देखकर मुझे हैरानी होती है। बटलर ने कहा कि जिस प्रकार वैभव ने आईपीएल में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 206 के स्ट्राइक रेट से केवल सात पारियों में 252 रन बनाए वह आसान काम नहीं है। इस दौरान इस बल्लेबाज ने 35 गेंदों पर ही शतक लगा दिया था। वैभव आईपीएल में जहां राजस्थान रॉयल्स से खेल रहे थे। वहीं बटलर गुजरात टाइटंस टम में शामिल थे। बटलर ने स्टुअर्ट ब्रॉड के साथ बातचीत के दौरान कहा, हमारे खिलाफ 35 गेंदों में शतक वाली वैभव की पारी बहुत ही शानदार थी जबकि हमारी यहां मोहम्मद सिराज, , प्रसिद्ध कृष्णा के अलावा राशिद खान जैसा स्पिनर था पर इसके बाद भी वैभव ने लंबे छक्के लगाए। उन्होंने इसके बाद चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ भी एक आक्रामक जबकि सीएसके में आर अश्विन और रवींद्र जडेजा जैसे अनुभवी स्पिनर हैं। वैभव की बल्लेबाजी का सबसे सकारात्मक पक्ष ये है कि वह निडर होकर खेलता है और ये नहीं देखता कि कौन सा गेंदबाज सामने है। बटलर ने कहा, वास्तव में जब उसने आईपीएल में अपनी पहली गेंद पर छक्का मारा। तो उसने थोड़ी जगह बनायी और गेंद को लॉन्ग ऑफ के ऊपर से मार दिया। उसके खेल में निडरता थी जो काफी कम खिलाड़यों में दिखती है। ।

## विराट कोहली और रोहित के बिना भी भारतीय टीम में काफी गहरायी - कार्स

लंदन। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ब्राइडन कार्स ने कहा है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के बिना भी भारतीय टीम काफी अच्छी है और उसे कमजोर समझने की भूल नहीं की जा सकती है। कार्स के अनुसार भारतीय टीम को विराट और रोहित जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की कमी से झटका जरुर लगा है पर इसके बाद भी उसकी बल्लेबाजी में काफी गहरायी है। इसलिए इन दोनो के नहीं होने के बाद भी पांच मैच की टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम कड़ी चुनौती पेश करेगी कोहली और रोहित ने पिछले महीने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिय था जिसके बाद युवा शुभमन गिल को भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया था।

कार्स ने कहा, " ये सही है कि कोहली और रोहित की अनुपस्थिति उनके बल्लेबाजी क्रम के लिए बहुत बड़ी क्षति है। वे एक दशक से अधिक समय से बल्लेबाजी संभालते रहे हैं और बेहद अनुभवी विश्व स्तरीय बल्लेबाज हैं।" उन्होंने कहा, " पर इसके बाद भी भारतीय क्रिकेट में जो गहराई है और जिस तरह के खिलाड़ी आ रहे हैं, उससे उनकी टीम काफी अच्छे अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों के साथ उतरेगी और वे हमें कड़ी चुनौती देंगे।" ये सीरीज लीड्स टेस्ट के साथ शुक्रवार से शुरू होगी। तेज गेंदबाज कार्स ने कहा कि उनका गेंदबाजी आक्रमण पिचों की के अनुनसार युवा भारतीय बल्लेबाजी क्रम के कम अनुभवों का लाभ उठाने का प्रयास करेगा।

कार्स ने कहा, "उनके पास स्तरीय खिलाड़ी हैं। यह इस बात पर निर्भर करता है कि पिच कैसी रहती है। मुझे लगता है कि कोई भी बल्लेबाज जिसे आप गेंदबाजी कर रहे हैं, आप जानते हैं कि नई गेंद से या शुरुआती 20 गेंद पर आउट होने की संभावना अधिक है।" उन्होंने कहा, "इसलिए जब भी हमें उनके शीर्ष क्रम के किसी भी बल्लेबाज को आउट करने का अवसर मिलेगा तो हम उनके खिलाफ जल्द से जल्द रणनीति और प्रक्रिया अपनाएंगे।" कार्स इस साल की शुरुआत में पैर की अंगुली की चोट के कारण बाहर होने के बाद वह चैंपियंस ट्रॉफी से रहे गए थे लेकिन अब चोट से उबर चुके हैं।

## डब्लयूटीसी फाइनल की हार के लिए हेजलवुड हैं दोषी - जॉनसन

मेलबर्न। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर मिचेल जॉनसन ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को मिली हार के लिए तेज गेंदबाज जोस हेजलवुड को दोषी करार दिया है। जॉनसन के अनुसार हेजलवुड ने खराब फिटनेस के बाद भी डब्लयूटीसी फाइनल के ठीक पहले आईपीएल खेला था जिससे फाइनल के लिए वह ठीक से तैयारी नहीं कर पाये। जॉनसन ने कहा कि हेजलवुड ने पैसे के लिए अपनी राष्ट्रीय टीम की जगह आईपीएल टीम आरसीबी को अधिक प्राथमिकता दी। वह प्लेऑफ के लिए ही ऑस्ट्रेलिया से वापस भारत गये थे। आरसीबी ने प्लेऑफ के क्वालिफायर-1 में पंजाब किंग्स को हराकर फाइनल में जगह बनाई और फिर फाइनल में इसी टीम को हराकर अपना पहला आईपीएल खिताब जीता। इस दौरान हेजलवुड टीम के लिए विकेट लेने वाले मुख्य गेंदबाज साबित हुए।

भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष के कारण आईपीएल 2025 बीच में स्थगित कर दिया गया था। जिसके बाद 17 मई से इसकी फिर से शुरूआत हुई। ऐसे में अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के अधिकतर खिलाड़ी डब्लयूटीसी फाइनल के कारण भारत वापसी नहीं लौटे पर हेजलवुड भारत लौट गये।

जॉनसन ने कहा कि, हेजलवुड पिछले कुछ समय से फिटनेस की समस्याओं से संघर्ष कर रहे थे जो आईपीएल के कारण और बढ़ गयीं। ऐसे हालातों में उन्हें राष्ट्रीय टीम के साथ रहना था पर उन्होंने ऐसा नहीं किया।

हेजलवुड ने फाइनल में पहली पारी में 15 ओवर किये और उन्हें केवल एक विकेट मिला। इस पारी में कमिंस ने 6 विकेट लिए थे। वहीं दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी में भी उन्हें एक ही विकेट मिला, वो भी तब मिला जब मैच हाथ से निकल गया था। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अब भविष्य को देखते हुए हेजलवुड, मिशेल स्टार्क, हेजलवुड, पैट कमिंस और नाथन लियोन के विकल्प देखने होंगे क्योंकि ये खिलाड़ी एशेज के बाद संन्यास ले सकते हैं, ऐसे में इनके भरोसे रहना टीम के लिए सही नहीं है।

## अब तक चार भारतीय कप्तानों ने ही इंग्लैंड में लगाये हैं शतक, शुभमन के पास पांचवां खिलाड़ी बनने का अवसर

लीड्स। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम शुक्रवार से यहां मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पहला क्रिकेट टेस्ट मैच खेलने उतरेगी। शुभमन इससे पहले के इंग्लैंड दौरे में रन नहीं बना पाये थे। ऐसे में उनका लक्ष्य इस बार बेहतर प्रदर्शन करना होगा। भारतीय टीम को इस सीरीज में पांच मैच खेलने हैं जिसमें शुभमन का लक्ष्य शतक लगाकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम करना भी रहेगा। इंग्लैंड में अब तक चार भारतीय कप्तान ही शतक लगा पाये हैं और शुभमन का लक्ष्य शतक लगाने वाला पांचवां कप्तान बनना रहेगा।

अब तक केवल चार भारतीय कप्तान ही इंग्लैंड में शतक जड़ने में सफल हो पाये हैं। भारतीय टीम की ओर से इंग्लैंड में शतक लगाने वाले पहले कप्तान मंसूर अली खान पटौदी हैं। उन्होंने 1967 में लीड्स टेस्ट में 148 रनों की शानदार पारी खेली थी। यह किसी भारतीय कप्तान का इंग्लैंड में पहला शतक था। इसके बाद लंबे समय तक कोई भी कप्तान इंग्लैंड में शतक नहीं लगा पाया।

इसके बाद मोम्मद अजहरुद्दीन ने 1990 के इंग्लैंड दौरे पर दो शतक लगाये। अजहर ने लॉर्ड्स में 121 और मैनचेस्टर में 179 रनों की पारी खेली। इसके बाद 2002 में सौरव गांगुली ने लीड्स में 128 रन बनाये। वहीं इंग्लैंड में शतक लगाने वाले चौथ भारतीय कप्तान विराट कोहली रहे। उन्होंने साल 2018 के इंग्लैंड दौरे पर दो शतक लगाये। कोहली ने बर्मिंघम में 149 और नॉटिंघम में 103 रनों की पारी खेली थी। ऐसे में अब शुभमन के पास भी कप्तान के तौर पर शतक लगाने वाला पांचवां कप्तान बनने का अवसर है। शुभमन की तकनीक अच्छी है और बड़ी पारी खेलने में वह सक्षम हैं। हाल में हुए आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था।

## बुमराह-रुट मुकाबले से तय होगा परिणाम

लीड्स। भारत और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार से यहां शुरु हो रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मेजबान टीम के अनुभवी बल्लेबाज जो रुट में टक्कर होगी। ये भी माना जा रहा है कि इन दोनो में से जो भारी पड़ेगा उसी की टीम जीत दर्ज करेगी। इसका कारण ये है कि दोनों खिलाड़ी अपनी-अपनी टीम के लिए मैच विजे हैं। अगर रूट बड़ी पारी खेलने में सफल रहे तो मेजबान टीम का पलड़ा भारी रहेगा जबकि बुमराह की गेंद सफल रही तो भारतीय टीम हावी होगी।

ऐसे में जहां बुमराह का लक्ष्य रुट को विकेट लेना रहेगा। वहीं रुट उनपर बड़े शॉट खेलना चाहेंगे। भारतीय टीम चाहेगी कि रूट पर अंकुश लगाया जाये। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर बुमराह ने भारतीय टीम की जोर से जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 32 विकेट लिए थे। वह इंग्लैंड के हालातों में एक बार फिर इसी प्रकार का प्रदर्शन करना चाहेंगे। उन्होंने 24 पारियों में कुल नौ बार टेस्ट क्रिकेट में जो रूट का विकेट लिया है। ऐसे में रुट पर भी मनोवैश्रानिक दबाव रहेगा।

रुट ने बुमराह के खिलाफ 31.77 की औसत और 51.16 की स्ट्राइक रेट से 286 रन बनाए हैं, जिसमें उन्होंने 559 गेंदों पर 36 चौके लगाए हैं। उन्होंने बुमराह के खिलाफ 411 डॉट बॉल खेली हैं। इस सीरीज के दौरान बुमराह के पास दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया यानी सेना देशों में कई रिकॉर्ड बनाने का मौका होगा। वह सेना देशों में 150 टेस्ट विकेट लेने वाले पहले भारतीय बन सकते हैं। इसके लिए उन्हें केवल पांच विकेट चाहिये हैं। इसके अलावा 10 बार पांच विकेट लेने वाले पहले भारतीय बन सकते हैं।

## करुण के चोटिल होने से भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ीं

लंदन। इंग्लैंड के खिलाफ शुक्रवार से शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले बल्लेबाज करुण नायर के चोटिल होने से भारतीय टीम को झटका लगा है। करुण को अभ्यास सत्र के दौरान प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पेट पर लगी जिसके बाद वह दर्द से परेशान दिखे। करुण को इसके बाद बल्लेबाजी रोककर फिजियो के पास जाना पड़ा। करुण की चोट कितनी गंभीर है ये अभी पता नहीं चला है। इस बल्लेबाज ने भारतीय टीम से अंतिम टेस्ट मार्च 2017 में खेला था। अब उन्हें साल साल बाद टीम में वापसी का अवसर मिला है। अगर वह फिट होते हैं तो उनका पहले टेस्ट में खेलना तय है।

## इंग्लैंड के खिलाफ बुमराह सहित तेज गेंदबाजों को निभानी होगी अहम जिम्मेदारी

मुम्बई। इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स में शुरुवार से इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम के तेज गेंदबाजों को निर्णायक भूमिका निभानी होगी। इसका कारण ये है कि इंग्लैंड की उछाल भारी पिचों पर तेज गेंदबाज प्रभावी साबित होते रहे हैं। = पिछले कुछ साल भारतीय टीम के अच्छे प्रदर्शन में तेज गेंदबाज की अहम भूमिका रहे । ऐसे में इंग्लैंड में साल 2007 के बाद जीत हासिल करना चाह रही भारतीय टीम की ओर से जसप्रीत बुमराह सहित सभी अन्य गेंदबाजों को 20 विकेट लेने होंगे। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद टीम की बल्लेबाजी में अनुभव की कमी है। ऐसे में इस कमी को गेंदबाज ही पूरी कर सकते हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच 20 जून से लीड्स में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज की शुरुआत होगी जिसमें बुमराह के अलावा मो सिराह , प्रसिद्ध कृष्णा , अर्शदीप सिंह सिंह पर गेंदबाजी की जिम्मेदारी होगी।

बुमराह को इसमें आगे बढ़कर नेतृत्व करना होगा। बुमराह की गेंदबाजी क्षमता और अनुभव को देखते हुए उनसे टीम को बहुत उम्मीदें हैं। अपनी गति और दिशा को बदलकर वह बल्लेबाजों को हैरान करने में माहिर हैं। बुमराह नई गेंद से विकेट लेने और विपक्षी टीम पर दबाव बनाने का तरीका भी जानते है। हालांकि बुमराह सभी 5 टेस्ट मैचों के लिए उपलब्ध नहीं होंगे लेकिन उन्की मौजूदगी से टीम को मजबूती मिलेगी। बुमराह के साथ सिराज, कृष्णा व अर्शदीप सिंह पर भी बेहतर प्रदर्शन की जिम्मेदारी रहेगी। सिराज इस दौरान आगे बढ़कर भूमिका निभाते नजर आ सकते हैं जिससे वह बुमराह की अनुपस्थिति में तेज गेंदबाजी की कमान संभाल सकें। मोहम्मद सिराज के अलावा शार्दुल ठाकुर और प्रसिद्ध कृष्णा के लिए यह एक बड़ा अवसर है कि वे अपने खेल से प्रभावित करें। अर्शदीप को भी इस टेस्ट सीरीज में डेब्यू का अवसर मिला सकता है। इंग्लैंड में बुमराह ने अब तक 9 मैचों में 37 विकेट लिए हैं जबकि सिराज ने 6 मैचों में 23 विकेट लिए है।

## भारतीय बल्लेबाजों को मिलेगा इंग्लैंड के अनुभवहीन गेंदबाजी आक्रमण का लाभ

लीड्स। यहां शुक्रवार से इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम के बल्लेबाजों के लिए बड़ा स्कोर बनाने का अवसर है। इसका कारण ये है कि मेजबान टीम के अनुभवी गेंदबाज चोटिल होने के कारण बाहर है। ऐसे में भारतीय टीम टीम को कम अनुभवी गेंदबाजों का सामना करना है। तीन गेंदबाज ऐसे हैं, जिनका टेस्ट मैच खेलने का कुल अनुभव केवल 24 टेस्ट है। इसका लाभ अगर भारतीय बल्लेबाज उठाते हैं तो वह मैच में बढ़त हासिल कर सकती है।

इंग्लैंड के गेंदबाजी क्रम में क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग और शोएब बशीर हैं जैसे गेंदबाज हैं। वहीं पांचवें गेंदबाज कप्तान बेन स्टोक्स हैं। अगर वोक्स और स्टोक्स को हटा दिया जाये तो कार्स, टंग और बशीर के टेस्ट खेलने का कुल अनुभव 24 टेस्ट है। कार्स ने 5, टंग ने 3 और बशीर ने 16 मुकाबले ही खेले हैं। वहीं भारतीय बल्लेबाजी में भी अधिकतर युवा बल्लेबाज हैं केवल शीर्ष चार बल्लेबाजों को ही टेस्ट मैच खेलने का अनुभव है। सबसे अनुभवी केएल राहुल 34 टेस्ट हैं वहीं यशस्वी जायसवाल ने भी अब तक 19 टेस्ट खेल लिया है।

जायसवाल के अलावा शुभमन गिल 4 नंबर पर खेलेंगे और उनको 32 टेस्ट मैच खेलने का अनुभव है। वहीं अगर करुण नायर नंबर तीन पर खेलते हैं तो उन्हें भी 6 टेस्ट खेलने का अनुभव है। इस तरह भारतीय बल्लेबाज अनुभवी के मामले में इंग्लैंड के गेंदबाजी क्रम से आगे हैं। अगर इंग्लैंड की टीम के चार गेंदबाजों के अनुभव को मिलाया जाए तो यह 81 टेस्ट मैचों का बैठता है।

## इंग्लैंड ने पहले टेस्ट के लिए वोक्स और ओली को अंतिम ग्यारह में शामिल किया

लीड्स। इंग्लैंड ने भारतीय टीम के खिलाफ शुक्रवार से शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए अपने अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों की घोषणा कर दी है। इसमें अनुभवी तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स और ओली पोप की वापसी हुई है। ओली को जैकब बेथेल की जगह शामिल किया गया है। वहीं वोक्स को सैम कुक की जगह टीम में शामिल किया गया है जबकि गस एटकिंसन की जगह ब्रायडन कार्स को शामिल किया गया है। कोर्स अब अपनी चोट से उबर गये हैं। इंग्लैंड ने जेमी स्मिथ को सातवें नंबर पर विशेषज्ञ विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में उतारने का फैसला किया।

## कोच्चि टस्कर्स केस में बीसीआई को बड़ा झटका, 539 करोड़ का मुआवजा चुकाना होगा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को 2011 में आईपीएल टीम कोच्चि टस्कर्स केरल को टर्मिनेट करने के फैसले पर बड़ा झटका लगा है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक पुराने मामले में फैसला सुनाते हुए बीसीसीआई को कोच्चि टस्कर्स के मालिकों को 539 करोड़ रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि टीम को बिना उचित और ठोस कारण के प्रतियोगिता से हटाया गया था, जो अनुबंध का उल्लंघन है।

यह मामला पिछले कई वर्षों से कानूनी प्रक्रिया में चल रहा था और अब जाकर इसमें कोर्ट का अंतिम फैसला सामने आया है। हाईकोर्ट ने 2015 में दिए गए मध्यस्थता के फैसले को बरकरार रखा, जिसमें यह कहा गया था कि कोच्चि टस्कर्स को हटाने का निर्णय गलत था और इसके लिए बीसीसीआई को मुआवजा देना होगा।

कोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई को कोच्चि क्रिकेट प्राइवेट लिमिटेड (केसीपीएल) को 385.50 करोड़ रुपये और रेंडेजवस स्पोर्ट्स वर्ल्ड (आरएसडब्ल्यू) को 153.34 करोड़ रुपये चुकाने होंगे। यह दोनों कंपनियां मिलकर कोच्चि टस्कर्स केरल की मालिक थीं। मामला 2011 में तब शुरू हुआ, जब कोच्चि टस्कर्स को केवल एक सीजन खेलने के बाद आईपीएल से बाहर कर दिया गया था। बीसीसीआई ने तब दावा किया था कि टीम मालिक समय पर जरूरी बैंक गारंटी नहीं दे पाए, इसीलिए अनुबंध के अनुसार उन्हें बाहर करना पड़ा। लेकिन टीम मालिकों ने इस दावे को गलत बताया और 2012 में मध्यस्थता की प्रक्रिया शुरू की। उनका कहना था कि टीम को हटाने का कारण मनमाना और अनुचित था।

2015 में पंचाट ने मालिकों के पक्ष में फैसला सुनाया और बीसीसीआई को भारी मुआवजा देने का आदेश दिया, जिसे बाद में बीसीसीआई ने बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी। अब जस्टिस रियाज आई. चागला ने कहा है कि कोर्ट इस मामले में आर्बिट्रेशन एक्ट के सेक्शन 34 के अंतर्गत केवल सीमित दखल दे सकता है और जो भी निर्णय मध्यस्थ ने दिया, वह कानून के अनुरूप है। उन्होंने यह भी कहा कि बीसीसीआई ने बैंक गारंटी से जुड़े प्रावधानों का गलत तरीके से उपयोग किया, जो दोनों पक्षों के बीच हुए करार के खिलाफ था। इस फैसले में कहा गया है कि बीसीसीआई को अगर इस आदेश के खिलाफ आगे अपील करनी है, तो वह छह हफ्तों के भीतर सुप्रीम कोर्ट का रुख कर सकता है।

कोच्चि टस्कर्स केरल टीम की बात करें तो यह फ्रेंचाइजी 2011 में आईपीएल का हिस्सा बनी थी। उसी साल पुणे वॉरियर्स इंडिया टीम भी लीग में शामिल हुई थी। श्रीलंकाई बल्लेबाज़ महेला जयवर्धने उस टीम के कप्तान थे। हालांकि, कोच्चि की टीम का प्रदर्शन औसत रहा और वह दस टीमों में आठवें पायदान पर रही। इसके बाद विवादों और अनुबंध संबंधित मुद्दों के कारण टीम को बाहर कर दिया गया और वह फिर कभी आईपीएल का हिस्सा नहीं बन पाई। अब कोर्ट के इस निर्णय ने न सिर्फ बीसीसीआई की मुश्किलें बढ़ा दी हैं, बल्कि यह संदेश भी दिया है कि किसी भी कॉन्ट्रैक्ट का उल्लंघन महंगा पड़ सकता है, चाहे सामने कोई भी संस्था हो।

## इंग्लैंड में स्विंग से निपटने के लिए ऋषभ ने अपने स्टांस में किया बदलाव

लंदन। भारतीय क्रिकेट टीम के उपकप्तान ऋषभ पंत ने कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले के लिए उन्होंने विशेष रणनीति बनायी है। ऋषभ पिछले कुछ समय से बल्लेबाजी में असफल रहे हैं। इसको देखते हुए ही उन्होंने अपने स्टांस में भी बदलाव किया है जिससे इंग्लैंड के हालातों से बेहतर तरीके से निपटा जा सके। इंग्लैंड में गेंद काफी स्विंग होती है और पिचों से भी उछाल मिलता है। वह शुक्रवार से शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। अब जबकि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे खिलाड़ी टीम में नहीं हैं ऋषभ पर बड़ी पारी खेलने का दबाव रहेगा। इसी कारण वह वह सफेद गेंद के प्रारूप में 'ओपन स्टांस' की जबह टेस्ट में 'साइड-ऑन' खेलेंगे। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने मीडिया से बात करते हुए कहा, "मुझे लगता है कि यह बदलाव ज्यादातर मानसिक है पर थोड़ा बहुत तकनीकी भी है। एकदिवसीय और टी20 में आपको अपना 'स्टांस' थोड़ा 'ओपन' खुला रखना होता है इसलिए कि यह आपके शॉट खेलने पर निर्भर करता है। "

इंग्लैंड में हालांकि उनका रिकॉर्ड अच्छा है, उन्होंने नौ टेस्ट में 32.70 के औसत से 556 रन बनाए हैं जिसमें दो शतक और इतने ही अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने कहा, "इंग्लैंड आने पर आपको थोड़ा 'साइड-ऑन' खेलना पड़ता है और इससे काफी सहायता मिलती है। यह मूल रुप से तकनीकी चीज है जिसे मैंने बदला है। इसके अलावा यह सिर्फ मानसिकता की बात है।" वहीं उपकप्तानी की अतिरिक्त जिम्मेदारी से उनके ऊपर कोई मानसिक दबाव नहीं है।

## कलेक्टर श्री मीना ने राजस्व कार्यो की समीक्षा की

# लंबे समय से ई-केवायसी नही कर पाएं है तो अब अंतिम निर्णय करेंगे तहसीलदार करे

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना ने पीएम किसानों की फॉर्मर आईडी बनाने के सम्बंध में जिले के सभी एसडीएम को निर्देश दिए है कि शेष रहे किसानो की सूची लेकर सत्यापन कराया जाए। पीएम किसानों की सूची हर तहसीलदार को दी जाए, जिसका सत्यापन कार्य पटवारी के द्वारा कराएं। अगर पलायन है तो पंचायतों से नम्बर ले, मृतक है तो पूरी जानकारी ले और अगर ओटीपी नही दे रहे है तो सूची से मिलान करें। लेकिन इस कार्य को हर हाल में जून में पूरा कराना होगा। कलेक्टर श्री मीना ने सभी एसडीएम खासकर बैहर, परसवाड़ा और लांजी को सतर्क करते हुए कहा कि सर्पदंश के प्रकरण में तत्प्रता से कार्य करें। बारिश प्रारम्भ होते ही सर्पदंश के प्रकरण आएंगे। उनके उपचार की अपनी अपनी योजना बना लें। ध्यान रखें कि स्वास्थ्य केंद्रों पर अमला पहुँच रहा है कि नही ? एंटीवेनम की क्या व्यवस्था है साथ ही उनके प्रशिक्षण की भी जानकारी रखे। शासन द्वारा स्थानीय आपदा घोषित किया गया है। मृत्यु के प्रकरणों में आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने की जिम्मेदारियों को सुनिश्चित रूप से निर्वहन करें। समीक्षा बैठक में राजस्व से जुड़े अन्य अनेक मसलों पर जानकारी ली गई।

### स्वामित्व योजना में सर्वे ऑफ इंडिया से 100 गांवो के नक्शे आना शेष

स्वामित्व योजना के अंतर्गत जिले में आरओआर इंट्री के साथ ही अधिसूचना का प्रकाशन का कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर श्री मीना ने अब तक इस योजना में हुए कार्यो की सम्पूर्ण जानकारी ली। बताया गया कि अब तक जिले में 996 गांवो के नक्शे प्राप्त हुए है जिनमें से 940 गांवो में 100 प्रतिशत कार्य हो चुका है। कलेक्टर श्री मीना ने इस योजना में शेष कार्य को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए है। इसके अलावा अन्य गांवो के प्राप्त होने वाले नक्शों पर कार्य करने की अलग से योजना तैयार करने के निर्देश भी दिए है। उन्होंने कहा कि जिन गांवो के नक्शे प्राप्त होना है, उसकी जानकारी पूर्व से ही एकत्रित कर लें, इससे कार्य मे प्रगति आएगी।

### लंबे समय से ई-केवायसी नहीं तो तहसीलदार जिम्मेदार

पीएम किसानों की ई-केवायसी के सम्बंध में कलेक्टर श्री मीना ने लालबर्रा तहसीलदार से जानकारी लेते हुए कहा कि अगर लंबे समय से ई-केवायसी नही कर पा रहे है तो अब करें। 2 वर्षो से अधिक समय से यह कार्य लंबित है। इस पर जल्दी निर्णय करें। जिले में 150 किसानों का ई-केवायसी लंबे समय से लंबित है। बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने न्यायालय में लंबित प्रकरणों, लोक सेवा केंद्र, समाधान ऑनलाइन के लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की साथ ही उन्होंने अविवादित नामान्तरण, बंटवारे और सीमांकन की भी समीक्षा की। गूगल मीट से हुई समीक्षा में एडीएम श्री जीएस धुर्वे, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल,एसडीएम गोपाल सोनी, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती राजनंदनी शर्मा, डिप्टी कलेक्टर श्री एमआर कोल,एसएलआर श्रीमती वंदना कुसराम मौजूद रही जबकि अनुभाग का अमला गूगल मीट से जुड़ा।

## एक व्यक्ति ने पत्नी से की मारपीट तो बचाव करने आए अपने रिश्तेदार को भी मारपीट कर दी धमकी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर 10 रजा नगर में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को मारपीट करने के दौरान बीच बचाव करने आए उसके बुआ भाई को भी मारपीट कर जान से मार डालने की धमकी दे दे। यह घटना 18 जून को 10:30 बजे घरेलू विवाद के चलते हुई। कोतवाली पुलिस ने बब्बू खान पिता शेख जहूर खान 30 वर्ष वार्ड नंबर 10 रजा नगर बालाघाट निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके रिस्तेदार मोइन खान इतवारी बाजार बालाघाट निवासी के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की ही। प्राप्त जानकारी के अनुसार रजा नगर बालाघाट निवासी बब्बू खान ड्राइवरी करते। जिसके मामा की लड़की शबाना खान का विवाह मोइन खान इतवारी बाजार बालाघाट निवासी के साथ हुई है। शबाना खान को उसका पति मोइन खान आए दिन मारपीट करता था। जिससे परेशान होकर के शबाना खान 17 जून को बब्बू खान के घर रजा नगर आ गई थी। 18 जून को 10:30 बजे मोइन खान रजा नगर में बब्बू खान के घर आया और आंगन में आकर अपनी पत्नी शबाना खान से बोला कि तू यहां क्या कर रही है यह कहकर वह शबाना खान को अश्लील गालियां देने लगा। शबाना खान ने अपने पति मोइन खान को गाली देने से मना की तो मोइन खान ने आवेश में आकर पत्नी शबाना खान का बाल पकड़ कर उसे हाथ झापड़ से मारपीट करने लगा तभी बब्बू खान बीच बचाव करने के लिए गया तो उसे भी मोइन खान ने गंदी-गंदी गालियां देकर उसका गला दबाने लगा और मारपीट कर दिया । जिसके बादमोइन खान ने जाते-जाते बब्बू खान को पति-पत्नी के बीच में आने पर जान से खत्म कर देने की धमकी दी और चला गया। इसके बाद बब्बू खान और शबाना खान रिपोर्ट करने के लिए कोतवाली पहुंचे। दोनों का इलाज और मुलाहिजा जिला अस्पताल में किया गया। कोतवाली पुलिस ने बब्बू खान द्वारा की गई रिपोर्ट पर मोइन खान इतवारी बाजार बालाघाट निवासी के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप धारा 296,115,(2),351(3)भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।.

# बालाघाट जिले में पायी गई सारस की सर्वाधिक संख्या

गोंदिया में 30 व भंडारा में 04 के बाद गणना में बालाघाट में पाए सर्वाधिक 48 सारस

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पर्यावरण एवं वन्यजीव संरक्षण को बनाये रखने के लिए अविरत कार्यरत सेवा संस्था एंव दक्षिण-उत्तर वनमंडल बालाघाट के साथ ही जिला पुरातत्व एवं संस्कृति परिषद बालाघाट तथा स्थानिक किसान सारसमित्र के सहयोग से सारस गणना का कार्य पारंपारिक तथा शास्त्रीय पध्दती से किया गया। चार दिनों तक चली सारस गणना में बालाघाट जिले में कुल 60 से 70 जगहों पर सेवा संस्था के सदस्य स्थानीय किसान, सारस मित्र तथा वन विभाग बालाघाट के अधिकारी तथा कर्मचारियों द्वारा सारस गणना को अंजाम दिया गया। बालाघाट जिले में 25 टीमे बनाकर सारस के विश्रांती स्थल पर सुबह 5 बजे पहुंचकर 9 बजे तक विविध स्थानों पर प्रत्यक्ष जाकर गणना की गयी। प्रत्येक टिम में 2 से 4 सेवा संस्था के सदस्य तथा वनविभाग कर्मचारियों का समावेश किया गया था । संस्था के सदस्यों द्वारा पुरे वर्षभर सारस के विश्राम स्थल, प्रजनन अधिवास तथा भोजन के लिए उपयुक्त भ्रमण मार्ग का अभ्यास किया जाता है । सारस पक्षी के अधिवास के आसपास रहनेवाले किसानों को सारस का महत्व बताकर उसके संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रेरित किया जाता है तथा परिसर के स्कुल महाविद्यालयों में जाकर विद्यार्थियों को पर्यावरण एवं सारस संवर्धन एवं संरक्षण से संबंधित कार्यक्रमों के माध्यम से सारस संरक्षण अभियान से जोड़ा जाता है। बाघ एवं वैनगंगा नदी महाराष्ट्र तथा मध्यप्रदेश के गोंदिया तथा बालाघाट जिलों को विभाजित करती है। भौगोलिक दृष्टिकोण से नदी के दोनों ओर के प्रदेश की जैवविविधता मे काफी समानता पायी जी है। अत: कुछ सारस के जोडें अधिवास तथा भोजन के लिए दोनों ओर के प्रदेशों में समान रूप से विचरण करते पाये जाते है। सिमाओं का बंधन उनके लिए मायने नही रखता।

### आकडों में सारस गणना

चार दिनों तक चली सारस गणना में गोंदिया जिले में 30, भंडारा जिले में 04 एवं बालाघाट जिले में 48 सारस की गणना की गई। बताया गया कि पिछले चार साल में सारस पक्षीयो की संख्या स्थिती देखे तो 2020 में जिले में 58, 2021 में 47, 2022 में 45, 2023 में 48, 2024 में 45 तथा 2025 में अभी की गणना की स्थिति में 48 सारस पाए गए है।

## दि बुद्धिस्ट सोसायटी तहसील शाखा लालबर्रा का पुनर्गठन 22 जून को

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भारतीय बौद्धो की सर्वोच्च सामाजिक धार्मिक संस्था दि बुद्धिस्ट सोसायटी आफ इंडिया के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष,समता सैनिक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष बोधिसत्व डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर के पौत्र डा.भीमराव यशवंतराव आंबेडकर जी के कुशल नेतृत्व एवं निर्देश से बौद्ध धम्म का कारवां धम्म संस्था के माध्यम से पूरे भारत देश गतिमान हो रहा है। इसी क्रम में मध्यप्रदेश राज्य शाखा में संस्था के मप्र द.के अध्यक्ष डॉ.चरनदास ढेंगरे के नेतृत्व में धम्म कारवां निरंतर गतिमान हो रहा है। इसी कडी में जिले में धम्म कार्य प्रत्येक तहसील, ग्रामों तक पहुंचाने का कार्य भी निरंतर जारी है। इसी तारतम्य में जिले की लालबर्रा तहसील का कार्यकाल पूर्ण होने के कारण 22 जून दोपहर 12 बजे से स्थानीय कृष्णा लॉन लालबर्रा में शाखा का पूनर्गठन समारोह आयोजित किया गया है। इस समारोह के मुख्य अतिथि संस्था के म.प्र.राज्य शाखा के अध्यक्ष डा.चरनदास ढेंगरे होगें। वही अध्यक्षता एस.एल.रंगारे जिलाध्यक्ष करेगें। विशेष अतिथि के रूप में संस्था के प्रदेश सचिव आर.के. कठाने, राजकपुर कामडे प्रदेश कार्या.सचिव, हेमलता राजेन्द्र डोंगरे प्रदेश उपा., प्रमीला चौहान जिला कोषाध्यक्ष,खुशीयाल मेश्राम एवं देवानंद रंगारे जिला उपाध्यक्ष, अशोक कुमार मेश्राम जिला सचिव, वारासिवनी से अध्यक्ष आर डी बंसोड, महासचिव अभिराज मेश्राम, धमेन्द्र कुमार घोडेसवार, उपाध्यक्ष मुकेश पटले नगर अध्यक्ष, महासचिव मनोज भालाधरे, बालाघाट नगर कोषाध्यक्ष पुर्नीमा ताई गनवीर के आतिथ्य में सम्पन्न होगा। इस पुनर्गठन प्रक्रिया में संस्था के सदस्य बनकर बोधिसत्व डा. बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर जी की धम्म संस्था को मजबूती प्रदान कर धम्म कार्य को गतिमान करने हेतु लालबर्रा के पूर्व अध्यक्ष प्रमोद चौहान, गौतम कुमार मेश्राम अध्यक्ष,कोमल रंगारे बहियाटिकुर तहसील उपाध्यक्ष,प्रहलाद मेश्राम संयोजक लालबर्रा,रघुवीर मेश्राम, राजेश चौरे, श्रीराम हुमनेकर, धनराज खोंब्रागढे आदि कार्यकर्ताओं ने पुनर्गठन प्रक्रिया में भाग लेकर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु तहसील लालबर्रा के समस्त अनुयायियो से अपील की हैं। उक्त जानकारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जिला सचिव अशोक कुमार मेश्राम द्वारा दी गई।

## आज वनस्पति उद्यान गर्रा में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। ग्रीन इंडिया मिशन अंतर्गत शुक्रवार को नगर वन की स्थापना अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन बालाघाट-सिवनी क्षेत्र सांसद श्रीमती भारती पारधी के मुख्य आतिथ्य में जिले के गर्रा स्थित वनस्पति उद्यान में आयोजित किया गया है। सुबह 11 बजे से आयोजित वृक्षारोपण के इस भव्य कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्ययन सम्राट सिंह सरस्वार मौजूद रहेंगे। वहीं विशिष्ट अतिथियों में विधानसभा क्षेत्र कटंगी विधायक गौरव पारधी, लांजी विधायक राजकुमार कर्राहे, वारासिवनी विधायक विक्की पटेल, परसवाड़ा विधायक मधु भगत, बैहर विधायक संजय उइके एवं बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे उपस्थित रहेंगी।

## बालिकागृह में मनाया गया विश्व पर्यावरण सप्ताह

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रबुद्ध विनायती कल्याणकारी संस्था, बालाघाट द्वारा संचालित सावित्री ज्योति बालिकागृह में विश्व पर्यावरण सप्ताह 5 जून से 12 जून 2025 तक मनाया गया। बालिकागृह में निवासरत बालिकाओं द्वारा 5 जून को वृक्षारोपण करवाया गया। बालिकाओं को प्लास्टिक का उपयोग न करने के लिए समझाईश की गई।वही डिजाइनर पेपर से कैरी बेग बनवाया गया।इसके अलावा घर मे रखे गये पुराने प्लास्टिक बॉटल एवं डिब्बा से फ्लावर पॉट एवं गमला बनवाया गया जिसमे बालिकाओं के द्वारा छोटे-छोटे पौधे लगवाये गये ताकि बच्चे पेड़ पौधे का महत्व समझ सके।

# विकास से अछूते रहें घने वनक्षेत्र में विकास को छूने के प्रयास प्रारम्भ

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बालाघाट में सबसे घने वनों की हद में जाकर अब विकास के कार्य प्रारम्भ हो चुके है। जिले में लौगुर का वो जंगल जो आम नागरिकों के लिए तो अछूता रहा ही, साथ ही यहाँ के निवासियों के लिए भी विकास दूर रहा है। वहां अब ठोस विकास की शुरुआत हो चुकी है। इस घने जंगल की आड में नक्संलियों ने कभी यहाँ आतंक फैलाया था अब इस घने जंगल में 11 करोड़ 70 लाख के 5 हाईलेवल ब्रिज का निर्माण कार्य का शासन को बडी सफलता मिली है। मप्र ग्रामीण सडक विकास प्राधिकरण द्वारा 5 हाईलेवल ब्रिज का कार्य शुरू किया गया था जिनमें से 4 पूर्ण हो चुके है। सबसे बड़ी बात है, इसी घने जंगल में 17.42 किमी. लंबी 1255.92 लाख रुपये की सड़क निर्माण की विभाग द्वारा पूरी तैयारी कर ली गई है। इस घने जंगल में बसें 7 वनग्रामों के लिए उस्काल नदी जल का एक बड़ा स्त्रोत तो है, लेकिन बारिश के दौरान परिवहन में समस्या भी बन जाया करती है। अब से बारिश में भी यहां के जनजातीय नागरिक आसानी से सफर कर पायेगी। इस घने जंगल में खारा, पोलबत्तूर, कोकमा, तल्लाबोडी, लौगुर, वरूरगोटा और सल्फारीठ वनग्राम आबाद है। जो अब सीधे सड़क से जुड़कर विकास के रास्ते पर आ सकेंगे।

### नक्सल डर और वन बचाने की चुनौती के बीच मिली सफलता

मप्र ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण महाप्रबंधक श्रीमती माया परते ने बताया कि यहां पुल पुलिया और ब्रिज के निर्माण कार्य के लिये कोई कम्पनी नक्सल डर के कारण तैयार नहीं हो पा रहीं थी। विकास द्वारा कई बार टैंडर लगाने के बाद प्रशासनिक सहयोग देने का प्रस्ताव दिया। इसके अलावा वनों को बचाते हुए निर्माण करने की अलग चुनौती रहीं है। यहां चार ब्रिज पुर्ण हो गए है, एक 17 किलोमीटर की एक सड़क जो खुरसुड़ होकर पोलबत्तूर से खारा को जोड़ेगी, जिससे चिखलाझोड़ी मार्ग से जोड़ेगी। कलेक्टर मृणाल मीना ने कहा कि इस घने जंगल में बहुत ही आवश्यंक आधारभूत सरंचना तैयार हुई है। ब्रिज तैयार होने इसी बारिश में 7 वन ग्रामों को सुगमता होगी।

### ऐसे समझें इस विकास से अछूते क्षेत्र को

बालाघाट में लौगुर का 66.71 किमी.क्षेत्र व 412 हेक्टेयर में बसा घनघोर जंगल अपने आप मे कई खूबियों वाला है। जिसकी उत्तर में सीमा चिखलाझोडी रोड़ व दक्षिण में सामनापुर, पूर्व में बैहर-बालाघाट रोड़ से मिलता है। इस जंगल का एक बड़ा क्षेत्र मयूरबिन के लिए खास पहचान रहता है। यह जंगल अब भी आम नागरिकों की पहुँच के कारण अनछुआ है। इस जंगल मे प्रवेश तीन स्थानों से हो सकता है। एक बैहर बालाघाट रोड़ से, चिखलाझोडी रोड से और एक सामनापुर रोड़ पर आमगांव की ओर से मोटर सायकिल से सम्भव है। अभी एमपीआरआरडीसी द्वारा खुरसुड़ की ओर से खारा तक उस्काल नदी और अन्य नालों ब्रिज तैयार हुए है।

### फुलकन बाई, श्रीचंद, प्रह्लाद जैसे ग्रामीणों में विकास की उम्मीद जागी

17 जून को खुरसुड़ निवासी श्रीचंद ने अपनी बैलगाड़ी पहली बार पूल से निकालते हुए कहा कि मैं हमारी बैलगाड़ी बिना मुसीबत से निकल पाएगी। कई बार नदी के पानी मे बैल उतरते नही थे और पहिये पत्थरों व रेत में फंस जाते थे। फुलकन बाई का कहना है कि अब गांव की बेटियों आसानी से ब्याही जा सकेगी। कई रिश्ते सुव्यवस्थित पहुँच मार्ग नही होने से नही हो पाते थे। अब यह धारणा बदलने लगी है। वन समिति अध्यक्ष प्रह्लाद को भी वन ग्राम में विकास की नई उम्मीद दिखाई देने लगी है।

### इसलिए खास है लौगुर घाटी का जंगल

बालाघाट में सबसे घने जंगल की पहचान रखने वाला इस क्षेत्र में कई खूबियां समाई है। लौगुर परिक्षेत्र में संयुक्त वन प्रबंधन के तहत 7 वन सुरक्षा समितियां कार्य कर रही है। जिनका दायरा 24821.66 हेक्टेयर वनक्षेत्र में फैला है। यहां मांसाहारी वन्यप्राणियो में बाघ, तेंदुआ, लकड़बघ्घा, सियार, जंगली बिल्ली, लोमड़ी, पेंगोलिन के अलावा शाकाहारी प्राणियों में चीतल,सांभर, चिंकारा, गौर नीलगाय, भेड़की, जंगली सुअर, सेही, चौसिंगा और द्विभोजी में भालू भी पाए जाते है। इस घने जंगल में पक्षियों की संख्या भी खूब रोमांचित करती है, इनमें मोर, दूधराज,तीतर, जंगली मुर्गे,तोता, कठफोड़वा,चील,नीलकंठ, सारस, बुलबुल और सरिसर्पो में गोहटा, गिरगिट, धामन, करैत, नाग, अजगर और कछुए भी समाएं है। वनोपज या वनोषधि में गोंद, हर्रा, बहेड़ा, महुआ लाख, गुल्ली, सतावर, सफेद मूसली, काली मूसली, बेचान्दी, आंवला, भिलवा, चिंरोटा, चिंद, शहद और आम बेहद रसीले उपलब्ध है।

# सिकलसेल जागरूकता के लिए केन्द्र और राज्य सरकार सतत प्रयत्नशील-सांसद श्रीमती पारधी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। विश्व सिकलसेल दिवस के अवसर पर जिला अस्पताल परिसर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बालाघाट-सिवनी सांसद श्रीमती भारती पारधी ने कहा कि सिकलसेल की जागरूकता हम सब के लिए आवश्यक है। इसकी जागरूकता के लिए केंद्र और राज्य सरकार दोनों चिंतित है। साथ ही प्रदेश के राज्यपाल का एक अलग ही दृष्टिकोण है। जिनके माध्यम से राज्य में अभियान के तौर पर नए दृष्टिकोण के साथ काम शुरू हुआ है। इसके साथ ही हम सब की जिम्मेदारी भी ब ? गई है कि हम भी अपनी जागरूकता को आगे बढ़ाए। सांसद श्रीमती पारधी ने यहां नवीन डायलिसिस मशीन का शुभारंभ किया। साथ ही उन्होंने डायलिसिस मशीन का लाभ रहे,कटंगी के राकेश बिसेन और मलाजखण्ड में मोहगांव की कृष्णगोतम से उपचार के सम्बंध में जाना। विश्व सिकल दिवस पर जिला अस्पताल में आयोजित शिविर में 50 बच्चों का सिकल सेल वेक्सीनेशन, करीब 1000 नग हाई ड्राक्सी यूरिया टेबलेट का वितरण, 1000 नग फॉलिक एसीड टेबलेट का वितरण, 15 को जेनेटिक कार्ड का वितरण तथा 30 के विकलांगता प्रमाण पत्र बनाये गए। इस दौरान सिविल सर्जन डॉ.निलय जैन, सीएमएचओ डॉ. परेश उप्लव, डॉ. मनोज पांडे मौजूद रहे।

### एनक्वास, रोगी कल्याण और आयुष्मान की राशि से सहज हो सकेंगे काम

सिकलसेल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर मृणाल मीना ने कहा कि सिकलसेल बीमारी के लक्षण समझने से मुश्किलें आसान हो सकती है। शासन स्तर से कुछ समय से अतिरिक्त प्रयास सिकलसेल बीमारी को रोकने के अवश्य हुए है। इसमें जांच और जांच के उपरांत उपचार पर प्रशासन का ज्यादा फोकस रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अब जिला अस्पताल एनक्वास प्रमाणीकरण हो गया है। इससे हर साल 40 लाख रुपये अस्पताल को प्राप्त होंगे। इसके साथ ही रोगी कल्याण समिति और आयुष्मान उपचार से मिलने वाली राशि से जिला अस्पताल अपने स्तर पर अनेकों कार्य करवा सकेगा।

### लांजी या बैहर में प्रारम्भ कर सकेंगे डायलिसिस मशीन

कार्यक्रम के पश्चात सांसद श्रीमती पारधी ने जिला अस्पताल को प्राप्त हुई 3 नवीन डायलिसिस मशीन का फीता कांटकर शुभारम्भ किया। उन्होंने सीएमएचओ डॉ. उप्लव से इस मसले पर भी चर्चा करते हुए कहा कि एक नवीन डायलिसिस मशीन प्राप्त होगी। उसके लिए लांजी या बैहर में भी इस सुविधा को शुरू करने पर विचार करें। इसके अलावा सांसद श्रीमति पारधी ने जिला अस्पताल में 10 बेडेड पेड की व्यवस्था करने पर भी सिविल सर्जन डॉ. जैन से चर्चा की।

## पीएम एक्सीलेंस महाविद्यालय में विधिक साक्षरता जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्राणेश कुमार प्राण के मार्गदर्शन में गुरुवार को पीएम एक्सीलेंस महाविद्यालय बालाघाट में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस जागरूकता शिविर में पद्मेश शाह प्रधान न्यायाधीष कुटूम्ब न्यायालय द्वारा विधि के छात्र-छात्राओं को अपने उद्बोधन में कहा कि विधि के क्षेत्र में कदम रखना केवल ज्ञान प्राप्त करना नही बल्कि नैतिक सिद्धांतों को आत्मसात करना भी है, जो एक सफल और सम्मानित कानूनी पेशेवर के करियर की नींव रखते है। एक विधि के छात्र से एक कानूनी पेषेवर बनने तक की यात्रा में नैतिकता का पालन करना अत्यन्त महत्वपूर्ण है। वहीं जिला विधिक सहायता अधिकारी जीतेन्द्र मोहन धुर्वे ने नशे के दुष्परिणामों के बारे में बताते हुए कहा कि नशीलें पदार्थो के सेवन से व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और आर्थिक हानि पहुंचने के साथ ही इससे सामाजिक वातावरण भी प्रदूषित होता है। साथ स्वयं और परिवार की सामाजिक स्थिति को भी भारी नुकसान पहुंचता है। साथ ही उन्होंने विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, साईबर अपराधों से सावधानीं एवं विधि के छात्र-छात्राओं की समाज के प्रति जिम्मेदारी के संबंध में उपस्थित छात्र-छात्राओं को अवगत कराया। शिविर में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अषोक कुमार मराठे, वरिष्ठ प्राध्यापक गोविंद सिरसाठे, विधि विभाग के प्रभारी परसराम ठाकरे व अन्य स्टॉफ तथा छात्र छात्राएं उपस्थित रहें।

# विभिन्न मांगों को लेकर पंचायत सचिव ने सामूहिक अवकाश लेकर किया मुख्यालय में प्रदर्शन

## पूर्व मुख्यमंत्री के घोषणा को पूरा करने सरकार से लगाई गुहार, मांग पूरी न होने पर पुनः आंदोलन की कही बात

**बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रदेश स्तरीय आवाहन पर जिले के पंचायत सचिवों द्वारा अपनी विभिन्न मांगों को लेकर एकदिवसीय प्रदर्शन किया गया। यहां पंचायत सचिव द्वारा सबसे पहले एक दिन का सामूहिक अवकाश लिया गया और जिला मुख्यालय पहुंचकर धरना प्रदर्शन कर अपनी मांगों को रखा गया । जिसमें पंचायत सचिवों द्वारा बताया गया कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा पंचायत सचिवों को संविलियन किए जाने की घोषणा की गई थी , किंतु आज तक पंचायत सचिवों को संविलियन नहीं किया गया है। साथ ही कुछ उनकी ग्राम पंचायत स्तर पर भी समस्याएं हैं। उनका भी ज्ञापन पंचायत सचिवों द्वारा कलेक्टर को दिया गया है। यहां पंचायत सचिव द्वारा पुरानी जिला पंचायत के सामने एकदिवसीय धरना कर अंत में रैली के माध्यम से कलेक्टर कार्यालय पहुंचे, यहां उन्होंने अपनी मांगों का ज्ञापन कलेक्टर को दिया ।**

आपको बता दे की पंचायत स्तर में शासन की योजनाओं को आम जन तक पहुंचाने का कार्य करने वाले पंचायत सचिव बीते कुछ वर्षों से अपनी विभिन्न मांगों और संविलियन किए जाने की घोषणा को पूरा करने की मांग कर रहे हैं । इसी मांग को लेकर पंचायत सचिव द्वारा 19 जून को जिला मुख्यालय पहुंचकर प्रदेश स्तरीय आवाहन पर सचिवों द्वारा एकदिवसीय प्रदर्शन किया गया। यहां पंचायत सचिव द्वारा बताया गया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने सचिवो की महापंचायत में की गई घोषणा को पूरा करने तथा विभाग में संविलियन, समयमान, वेतनमान के दिशा निर्देश दिये गये थे ,किंतु आज तक पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा जो घोषणा की गई थी, उस घोषणा का अमल नहीं हुआ है और इन्हीं सब मांगों को लेकर उन्होंने प्रदेश स्तरीय आवाहन पर एकदिवसीय धरना प्रदर्शन की रणनीति बनाते हुए प्रदेश में अलग-अलग तिथियों में यह कार्यक्रम आयोजित किया , 25 सौ रूपए यात्रा भत्ता और 5 लाख रूपए दुर्घटना बीमा सहित लगभग 12 सूत्रीय मांगो को लेकर पंचायत सचिव संयुक्त मोर्चा, संगठन जिलाध्यक्ष जितेन्द्र चित्रीव के नेतृत्व में जिले के पंचायत सचिवो ने अपर कलेक्टर मायाराम कौल को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन देने के पहले पंचायत सचिवों द्वारा पुरानी जिला पंचायत के सामने टेंट लगाकर धरना दिया गया । यहां जिले के अलग-अलग ब्लॉकों से आए सचिव द्वारा अपनी समस्याओं को धरने के माध्यम से संगठन के पदाधिकारीयों के सामने रखा गया । उन्होंने यह भी बताया की आज पंचायत स्तर पर उन्हें काम करने में दिक्कत आ रही है, साथ ही उनकी लोकल स्तर की भी कुछ समस्याएं हैं जिससे उन्हें आज काम करने में दिक्कत हो रही है । उसके बाद पंचायत सचिवों ने पुराने जिला पंचायत के सामने से पंक्तिबद्ध होकर एक रैली निकाली जो कलेक्टर कार्यालय के गेट पर जाकर समाप्त हुई।

### संविलियन करने से सरकार को आर्थिक भार नहीं पड़ेगा - दिनेश चित्रीव

अध्यक्ष दिनेश चित्रीव ने बताया कि वर्ष 2003 में प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने भोपाल में पंचायत बुलाकर सचिवो की महापंचायत बुलाकर, हित में घोषणा की गई थी लेकिन कोई घोषणा पूरी नहीं हो सकी है, जिसको लेकर मुख्यमंत्री का ध्यानाकर्षण करवाने को लेकर, गुरूवार को जिले के सभी सचिवों ने सामूहिक अवकाश लेकर मांगो को मुख्यमंत्री से पूरी करने की मांग की है। उन्होंने बताया कि, विभाग में संविलियन होने से सरकार पर कोई आर्थिक भार नहीं पड़ेगा। संविलियन की घोषणा, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने की थी। जिसे हम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से पूरा करने की मांग कर रहे है। इसके अलावा समयमान वेतन के आदेश और इसे लागु किए जाने के बाद भी अब तक, इसके दिशा निर्देश जारी नहीं किए गए है, हम चाहते है कि दिशा निर्देश जारी किए जाए। उन्होंने बताया कि प्रदेश सहित सभी जिलो के पंचायत सचिवों के लिए यात्रा भत्ता 25 सौं रूपए और उन्हें 5 लाख का दुर्घटना बीमा सहित अन्य मांगो के निराकरण की मांग की।

URGENT REQUIREMENT
THERE IS REQUIREMENT OF STAFF FOR REPUTED ENGLISH MEDIUM SCHOOL AT KIRNAPUR
1. VICE PRINCIPAL( 1 POST)
QUA:- GRADUATION+GOOD IN ENGLISH+D.ED./B.ED
2.COUNCELER(2 POST)
QUA:- GRADUATE+COMMUNICATION SHOULD BE STRONG+GOOD COMPUTER KNOWLEDGE.
3.TEACHERS( 10 POST)
QUA:- GRADUATE+ GOOD IN ENGLISH+ B.ED/D.ED.
4.YOGA TEACHER/ACTIVITY TEACHER(1 POST)
QUA:- GRADUATE IN YOGA.
5. PEON(2 POST)
*CANDIDATE SHOULD BE LOCAL OR NEAR OF AREA.
* CAN BE CONVINCENT WITH TIMING.
*FRESHER OR EXPERIENCE CAN BE APPLIED.
*ONLY NEEDY PERSON CONTACT.
CONTACT:- 7987431437
KIDZ VALLEY ENGLISH SCHOOL, KIRNAPUR

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

# ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत

बालाघाट( पद्मेश न्यूज)। लामता थाना अंतर्गत ग्राम मोहगांव समीप अंडरपास रेलवे पुल के पास ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई मृतक एवेंद्र पिता सुखदेव पारधी 62 वर्ष ग्राम चरेगाव निवासी है। लामता पुलिस ने इस व्यक्ति का शव का पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एवेंद्र पारधी की दिमाग की हालत ठीक नहीं थी ।जो अपने छोटे भाई संतोष पारधी के साथ में रहता था। 18 जून की रात्रि करीब 10:00 बजे एवेंद्र पारधी अपने भाई संतोष पारधी के घर से बिना बताए घूमने चले गए थे। तब रात्रि 2:00 बजे छोटे भाई दीपेश पारधी को मालूम हुआ कि उसका बड़ा भाई एवेंद्र पारधी मोहगाव समीप रेलवे अंडरपास पुल के पास ट्रेन की चपेट में आ गए हैं और उनकी मौत हो गई है। जिसकी रिपोर्ट दीपेश पारधी 52 वर्ष ने चरेगांव पुलिस चौकी में की थी। जहां से प्रधान आरक्षक सुखराम यादव ने मौके पर पहुंचकर मृतक एवेंद्र पारधी का शव बरामद किया और पंचनामा कार्यवाही पश्चात लामता अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौप दिए। संभावना व्यक्त की गई है कि एवेन्द्र पारधी रात्रि में अपने छोटे भाई संतोष पारधी के घर से निकालकर घूमते हुए मोहगांव रेलवे अंडरपास के पास आ गए और उसी समय वहां से गुजर रही ट्रेन की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई। प्रधान आरक्षक श्री यादव धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच कर रहे हैं।

# शराब दुकान के कर्मचारी ने अपने साथियों के साथ एक युवक से की मारपीट

## पानी की पेटी का रुपए मांगने को लेकर हुआ विवाद

## शुभम ब्रम्हे और उसके साथियों के विरुद्ध अपराध दर्ज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । कोतवाली क्षेत्र में आने वाले ग्राम गर्रा स्थित शराब दुकान के एक कर्मचारी ने अपने साथियों के साथ मिलकर एक युवक को हाथ बुक्के से मारपीट कर उसे जान से मार डालने की धमकी दे रही है। 17 जून की रात्रि 9:30 बजे करीब यह घटना उधारी में दी गई पानी की पेटी के रुपए मांगने के विवाद को लेकर हुई कोतवाली पुलिस ने तुषार पिता महेश धनेश्वर 19 वर्ष वार्ड नंबर 14 गर्रा निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर शुभम ब्रम्हे और उसके साथियों के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र में आने वाले ग्राम गर्रा में तुषार धानेश्वर की घर मैं ही किराना दुकान है और उसके घर के बाजू में ही शराब दुकान है। इस शराब दुकान में काम करने वाले शुभम ब्रम्हे दो दिन पहले तुषार धानेश्वर से उधारी में पानी की पेटी लेकर गया था। 2 दिन बाद भी शुभम ब्रम्हे ने पानी की पेटी के रुपए नहीं दिये। 17 जून की रात्रि 9:30 बजे करीब शुभम ब्रम्हे शराब दुकान के बाजू में खड़ा था। तभी तुषार धानेश्वर ने शुभम ब्रम्हे से पानी की पेटी का रुपया मांगा। तुषार धानेश्वर द्वारा पानी की पेटी का रुपया मांगने पर शुभम ब्रम्हे आवेश में आ गया और उसने तुषार धानेश्वर को अश्लील गालियां देते हुए और भिखारी बोलकर 500 रुपये का नोट तुषार धानेश्वर को फेंक कर दिया। तुषार धानेश्वर ने शुभम ब्रम्हे द्वारा फेककर दिये 500 रुपये का नोट को उठाया और पानी की पेटी का पैसा काट कर बाकी रुपये शुभम ब्रम्हे को वापस करने शराब दुकान गया था। तभी शुभम ब्रम्हे में तुषार धानेश्वर को अश्लील गालियां देने लगा। तुषार धानेश्वर ने उसे गाली देने से मना कर रहा था तभी शुभम ब्रम्हे के अन्य साथी भी आ गए।। शुभम ब्रम्हे ने अपने साथियों के साथ मिलकर तुषार धानेश्वर को अश्लील गालियां देते हुए उसे हाथबुक्के, लात भूसे से मारपीट करने लगे। बीच बचाव करने जब तुषार धानेश्वर का मामा भाई हरीश ब्रम्हे आया तो उसे भी इन लोगों ने मारपीट के धकेल दिए। वहा के लोगों ने बीच बचाव किये। इसके बाद शुभम ब्रम्हे और उसके साथियों ने दोबारा रुपया मांगने पर तुषार धानेश्वर को जान से खत्म कर देने की धमकी दे दी। मारपीट करने से तुषार धानेश्वर को नाक होंठ कंधे में चोटें आई तथा हरीश ब्रम्हे को चोटे आईजिसके हाथ के पंजे से खून निकलने लगा था। बीच बचाव के बाद तुषार धानेश्वर अपने भाई हरीश ब्रम्हे के साथ रिपोर्ट करने के लिए कोतवाली पहुंचे। कोतवाली पुलिस ने तुषार धानेश्वर और उसके मामा भाई हरीश ब्रम्हे का इलाज और मुलाहिजा जिला अस्पताल में करवाये और तुषार धानेश्वर वार्ड नंबर 14 ग्राम गर्रा निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर शुभम ब्रम्हे और उसके साथियों के विरुद्ध धारा 296,115(2),351(3), 3(5) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

Kaira
तकनीक जापानी सोच हिन्दुस्तानी
आधुनिक तकनीकी का प्रीमियम काईरा राईस ट्रांसप्लांटर
विश्व की नं. 1 धान रोपाई मशीन एवं हार्वेस्टर पर विशेष अनुदान
शासकीय अनुदान उपलब्ध
फायनेंस सुविधा उपलब्ध
ट्रे, सीडर स्टॉक उपलब्ध
14900/- में सीडर पायें
~~62/-~~ 58/- 4 रु. की बचत
~~18900/-~~ 14900/- 4000 रु. की बचत
पिछले 3 वर्ष में सिवनी, बालाघाट एवं पूरे महाकौशल में 500 से भी ज्यादा संतुष्ट ग्राहक
● रोट्रावेटर मल्टीस्पीड में उपलब्ध
● स्टेनलेश स्टील ब्लेड के साथ जो चले सालों साल
● 6.5 फीट एवं 7.5 फीट में उपलब्ध, जो जुताई में दमदार, दिखने में जोरदार
● 4 गियर में उपलब्ध जो सुखे एवं कीचड़ में आसानी से चले
● मार्केट से कम दाम में उपलब्ध
रोट्रावेटर की हर खरीदी पर रेनकोट फ्री
के.के. इंटरप्राईजेस/ सांई ट्रेक्टर्स (पॉवरट्रेक ट्रेक्टर्स)
सांई ट्रेक्टर्स के बाजू में, मोती तालाब रोड, बालाघाट
के.के. इंटरप्राईजेस
बालाघाट रोड, पटेलटोला, बरघाट
मो. 9425138685, 8770334649, 9669674379

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलीटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
▷ COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
▷ MINING ENGINEERING
▷ CIVIL ENGINEERING
▷ MECHANICAL ENGINEERING
▷ ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

PADMESH X FIBERNET
Connecting the Unconnected..
Unlimited Data with
Unlimited Entertainment
SONY liv
ALT BALAJI
eros now
ZEE5 PREMIUM
*T&C Apply
For Bookings Call us at: 08045777666
Visit Our Website: www.padmeshdigital.in

JOB VACANCY
आवश्यकता है
PADMESH X FIBERNET में
TECHNICAL ENGINEER
हम देंगे...
★ सम्मानजनक मानदेय ★ पेट्रोल खर्च अतिरिक्त
★ तेजी से विकास का मौका ★ नौकरी की सुरक्षा
पता- पद्मेश सिटी केबल, काली पुतली चौक, बालाघाट 9752771444

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.९, गुजरी चौक, बालाघाट ( म.प्र. ) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट